

# मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

मा. महासभा दि. १८/०१/२०१६

आज सोमवार दि. १८/०१/२०१६ रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा दुपारी १२.०० वाजता सभा सुचना क्र. ०९ दि. ०७/०१/२०१६ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

## उपस्थित सदस्य

१)	जैन गिता भरत	महापौर
२)	प्रविण मोरेश्वर पाटील	उपमहापौर
३)	आमगावकर हरिश्चंद्र रामचंद्र	सभापती, स्थायी समिती
४)	पाटील रोहिदास शंकर	सभागृह नेता
५)	सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स	सदस्या
६)	अशोक सुर्यदेव तिवारी	सदस्य
७)	असेन्ला मॅडोन्सा परेरा	सदस्या
८)	अॅड. रवि व्यास	सदस्य
९)	कोठारी सुमन रमेश	सदस्या
१०)	कांगणे यशवंत ठकाजी	सदस्य
११)	मयेकर सरस्वती रजनीकांत	सदस्या
१२)	सिंग मदन उदितनारायण	सदस्य
१३)	म्हात्रे कल्पना महेश	सदस्या
१४)	पिसाळ मनिषा नामदेव	सदस्या
१५)	पांडे हंसूकुमार कमलकुमार	सदस्य
१६)	निलम हरिश्चंद्र ढवण	गटनेता, शिवसेना
१७)	जाधव मोहन महादेव	सदस्य
१८)	पाटील सुनिता कैलास	सदस्या
१९)	वेतोसकर राजेश शंकर	सदस्य
२०)	अरविंद दत्ताराम ठाकुर	गटनेता, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना
२१)	प्रभात प्रकाश पाटील	सदस्या
२२)	प्रेमनाथ गजानन पाटील	सदस्य
२३)	शर्मा सुनिला सत्येंद्र	सदस्या
२४)	मेहता डिपल विनोद	सदस्या
२५)	जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील	सदस्य
२६)	संध्या प्रफुल्ल पाटील	सदस्या
२७)	पाटील वंदना विकास	सदस्या
२८)	घरत तारा विनायक	सदस्या
२९)	केळुसकर प्रशांत नारायण	सदस्य
३०)	भानुशाली वर्षा गिरीधर	सदस्या
३१)	पाटील वंदना मंगेश	सदस्या
३२)	मुन्ना सिंग	गटनेता, अपक्ष
३३)	रावल भगवती जयशंकर	सदस्या
३४)	शाह राकेश रतिशचंद्र	सदस्य
३५)	शरद केशव पाटील	सदस्य
३६)	मेघना दिपक रावल	सदस्या
३७)	पाटील ध्रुवकिशोर मन्साराम	सदस्य
३८)	डॉ. जैन रमेश धरमचंद्र	सदस्य
३९)	शुभांगी महिन कोटियन	सदस्या
४०)	डॉ. राजेंद्र जैन	सदस्य
४१)	बाबरा डॉनल्ड रॉड्रीक्स	सदस्या
४२)	मॅन्डोसा स्टिवन जॉन	सदस्य
४३)	प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील	सदस्या
४४)	रॉड्रीक्स मॉरस जोसेफ	सदस्य
४५)	ग्रिटा स्टिफन फॅरो	सदस्या

४६)	डॉ. आसिफ गुलाब शेख	सदस्य
४७)	जयमाला किशोर पाटील	सदस्या
४८)	संदिप मोहन पाटील	सदस्य
४९)	गोविंद हेलन जॉर्जी	सदस्या
५०)	डिमेलो बर्नड अल्बर्ट	गटनेता, राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी
५१)	परमार अनिता भरत	उप-सभापती, महिला व बालकल्याण समिती
५२)	पाटील प्रणाली संदिप	सदस्या
५३)	रकवी सुहास माधवराव	सदस्य
५४)	झिनत रऊफ कुरेशी	सदस्या
५५)	कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा	सदस्या
५६)	खण्डेलवाल सुरेश	सदस्य
५७)	पाटील नरेश तुकाराम	सदस्य
५८)	शेख शबनम लियाकत	सदस्या
५९)	मेहता नरेंद्र लालचंद	सदस्य
६०)	पुजारी कांचना शेखर	सदस्या
६१)	काझी रशीदा जमील	सदस्या
६२)	इनामदार जुबेर	गटनेता, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
६३)	शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम	सदस्य
६४)	डिसा मर्लिन मर्विन	सदस्या
६५)	शाह सिमा कमलेश	सदस्या
६६)	कासोदरिया अश्विन श्यामजी	सदस्य
६७)	डॉ. नयना मनोज वसानी	सदस्या
६८)	जैन दिनेश तेजराज	सदस्य
६९)	भट दिप्ती शेखर	सदस्या
७०)	दळवी प्रशांत ज्ञानदेव	सदस्य
७१)	विराणी रेखा अनिल	सदस्या
७२)	सामंत प्रमोद जयराम	सदस्य
७३)	अनिता जयवंत पाटील	सदस्या
७४)	म्हात्रे परशुराम पद्माकर	सदस्य
७५)	भोईर भावना राजू	सदस्या
७६)	भोईर राजू यशवंत	सदस्य
७७)	वेंचर गिल्बर्ट मेंडोसा	सदस्य
७८)	अरोरा दिपिका पंकज	सदस्या
७९)	भावसार शिल्पा कमलेश	सदस्या
८०)	वंदना रामदास चक्रे	सदस्या
८१)	कमलेश यशवंत भोईर	सदस्य
८२)	सुमबंड महरुन्नीसा हारूनरशीद	सदस्या
८३)	गावंड मंदाकिनी आत्माराम	सदस्या
८४)	प्रभाकर पद्माकर म्हात्रे	सदस्य
८५)	मीरादेवी रामलाल यादव	सदस्या
८६)	अनिल बाबुराव भोसले	सदस्य
८७)	रविंद्र भिमदेव माळी	सदस्य
८८)	दक्षता राजेंद्र ठाकूर	सदस्या
८९)	भगवती शर्मा	नामनिर्देशित सदस्य
९०)	धनेश परशुराम पाटील	नामनिर्देशित सदस्य
९१)	डॉ. सुशिल अग्रवाल	नामनिर्देशित सदस्य
९२)	हेमंत म्हात्रे	नामनिर्देशित सदस्य

**गैरहजर सदस्य —**

१)	बगाजी शर्मिला विन्सन	सदस्या
२)	लियाकत ग. शेख	सदस्य
३)	सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन	सदस्या
४)	दिनेश दगडू नलावडे	नामनिर्देशित सदस्य

## रजेचा अर्ज -

- १) सुजाता रविकांत शिंदे सभापती, महिला व बालकल्याण समिती  
२) म्हात्रे सुर्यकांत खंडोजी सदस्य

### **नगरसचिव :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा सोमवार दि. १८/०१/२०१६ रोजी दुपारी १२.०० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सुचना क्र. ०९, दि. ०७/०१/२०१६ रोजी सोबतच्या विषयपत्रिकेवरील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे.

### **नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम, सदर सभा अर्धा तास तहकुब करावी असा मी ठराव मांडत आहे.

### **जुबेर इनादमार :-**

माझे अनुमोदन आहे.

### **नगरसचिव :-**

सर्वानी सही करायची आहे. सचिव कार्यालयात चहा, नाश्ता पाण्याची सोय केलेली आहे. सर्वानी त्याचा लाभ घ्यावा.

### **भगवती शर्मा :-**

सचिव साहेब, सदस्यांनी सही केली नाही आणि तुम्ही महासभा सुरु केली. हे फार चूक केली तुम्ही, सही केली नाही आणि तुम्ही महासभा सुरु केली. टेक्नीकल मिस्टेक केली तुम्ही मी शासनाला पत्र करणार ही तुम्ही प्रोसिडिंगमध्ये घ्या. कारण काय तुम्ही चूक केलेली आहे.

### **नगरसचिव :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने प्रश्नोत्तराच्या तासाला सुरुवात होत आहे. १ वाजून ३५ मिनिटे झालेली आहेत. श्रीम. गिता भरत जैन सदस्या यांचा प्रश्न आहे. श्रीम. मिरादेवी रामलाल यादव यांचा प्रश्न आहे.

### **मा. महापौर :-**

दोन वर्षापूर्वीच झालं.

### **मा. आयुक्त :-**

अंमलबजावणी झालेली आहे. महापौर मॅडमच्या प्रश्नाची ऑलरेडीच अंमलबजावणी झालेली आहे.

### **मिरादेवी यादव :-**

मैं महापौर मॅडम के परवानगीसे बोल रही हूँ, कमिशनर साहब, मैं दि. ८/११/२०१३ रोजी प्रश्न मैंने पुछा था। तो मेरा प्रश्न है बी.एस.यु.पी. योजना अंमलबजावणी करण्याकरिता २.५ वाढीव चटई क्षेत्र निदर्शनास करण्याकामी फेर बदलाची प्रस्ताव शासनाकडे पाठविलेला आहे. प्रस्ताव पाठविण्याची तारीख काय आहे? दुसरा आहे सदर प्रस्तावाबाबत शासनाकडून कोणती कारवाई करण्यात आली? वाढीव चटई क्षेत्र पाठविलेली उत्तराची माहिती देणेइसमें सभी प्रश्न पर नही पुछना है मॅडम, बीच का प्रश्न है मेरा शासन निर्णय के अनुसार २.५ से ज्यादा चटई क्षेत्र बनाने की मंजूरी दि है २.५ के अनुसार।

### **भगवती शर्मा :-**

मॅडम आपला प्रश्न लक्षात आलेला आहे खांबित साहेब उत्तर देत आहेत.

### **मा. महापौर :-**

मिरादेवी आप हिंदी में बोलीए।

### **मिरादेवी यादव :-**

मेरा प्रश्न यह है की, शासन निर्णय के अनुसार २.५ से ज्यादा चटई क्षेत्र बनाने की मंजूरी दी है। इसके अनुसार कितना क्षेत्र अधिक बनानेवाले है। हमारे लोगो को कितना क्षेत्र देनेवाले है। दुसरा प्रश्न है मेरा १५ टक्के पहले जो घटकाकरिता क्या विषय है। मुझे समज में नही आ रहा है। वह करने का अधिकार महापालिका को है। तिसरा प्रश्न मेरा यह है की, साहब बाजार रेट २५ टक्के कितना रेट निकाला है?

### **दिपक खांबित :-**

बी.एस.यू.पी जी योजना आहे. त्याला शासनाने अडीच एफ.एस.आय. दिलेला आहे. आपण प्रस्ताव पाठवला आणि संपूर्ण महाराष्ट्राकरिता शासनाने अडीचचे पैसे दिलेले आहेत. त्यामुळे त्याप्रमाणे आपण रितसर प्रोसेस प्रोपोज केलेली आहे. अडीचचा पैसा आहे जास्त त्या स्कीमवरती हा मूळ प्रस्ताव झाला वहाँ पे मॅडम ढाई एफ.एस.आय. से २.५ एफ.एस.आय. से है। २ एफ.एस.आय. से में ही बिल्डींग सब जो भी है बनने वाली है वहाँ पे।

### **मिरादेवी यादव :-**

कभी कोई फेरबदल नही होगा।

### **दिपक खांबित :-**

फेरबदल ऑलरेडी हो गया है। उसके हिसाब से प्लान मंजूर किया जैसे बिल्डींग बनने वाला है। दुसरा आपका जो प्रश्न है वह ऐसेहै की, शासन ने वह योजना है जो है कर्टल दी है। अभी खाली २३५१ घर के लिए शासन से जो अनुदान मिलनेवाला है। तो इसलिए जो वहाँ पे कमर्शल ज्यादा करने का अपने को ४६ टक्के कमर्शल अगर करेंगे तो अपना खर्चा निकल जाएगा। अपना ज्यादा पैसा उसमें डालना नही पडता है।

इसके लिए नगर विकास विभाग को प्रस्ताव भेजा है। वह भी मंजूर हो के आया नहीं है। हम लोग उसकी राह देख रहे हैं। तब-तक वह पे २३५१ घर है उनके जो काम है उन लोगो ने शुरु कर रहे है वहाँ पे।

**मिरादेवी यादव :-**

ठिक है साहब, कभी ले आएंगे।

**दिपक खांबित :-**

अभी एक बस ८-१० दिन में काम शुरु हो जाएगा मॅडम। वहाँ पे जे.सी.बी. प्लान चेंज किया है। पहले ग्राऊंड प्लस ८ की बिल्डींग थी वो भी ग्राऊंड प्लस १६ की बनाई है। एक ही बिल्डींग ग्राऊंड प्लस ८ की वहाँ पे अपनी चालू है। बाकी की जो भी बिल्डींग बनेगी अपनी ६ बिल्डींग जो है ग्राऊंड प्लस १६ की बनेगी। उसपे ८,१० दिने में काम शुरु हो जाएगा। कंत्राट में सब वापस हम लोग अॅग्रीमेंट कर रहे है नया अॅग्रीमेंट।

**मिरादेवी यादव :-**

कभी सुरु होगा, यह हफ्ते में अगले हफ्ते में।

**दिपक खांबित :-**

यह महिने के अंदर काम शुरु हो जाएगा वहाँ पे।

**मिरादेवी यादव :-**

सर २००९ से लेकर २०१२ तक देने का महापालिका को अधिकार दिया था। अभी तो २०१६ चल रहा है। फिर अभी कौन से साल में मिलेगा वो मुझे उत्तर दो।

**दिपक खांबित :-**

वहाँ पे जो भी अडचण है लास्ट मिटींग में हमने रखी थी की ऐसे-ऐसे विलंब हुआ योजना को जो भी कारण हमने दिये थे ना सब अभी प्रशासन पुरी कोशिश कर रही है की, जल्द से जल्द शुरु हुए यह महिने में शुरु हो जाएगी मॅडम।

**मिरादेवी यादव :-**

वह नहीं साहब, आप बोल रहे है साहब शुरु हो जाएगी और हमारे ख्याल से पूरा मिरा भाईदर के शहर में अनेक ऐसा स्लम एरिया अनेक जगह झोपडपट्टी है। केंद्र शासन का राज्य शासन का याद आया सबको अच्छा घर बना के दिया जाए। साहब जब २००९ से लेके २०१६ चल रहा है। एक सलग एरिया के प्रशासन अभी नहीं है। नगरपालिका बना के दे सकी तो पुरे शहर के विषय, अनेक विषय है सहाब उनको किस तरीके से सुविधा दिया जाएगा मिरा भाईदर के शहरवासियो के मुझे यह नहीं समझ में आ रहा है।

**दिपक खांबित :-**

दिले ना प्रश्नाचे उत्तर, प्रश्नात फक्त त्यांचे म्हणणे मांडले, त्यांचे मूळ प्रश्न होते त्यांची सगळी उत्तर दिली.

**मा. महापौर :-**

मिरादेवीजी आपको और कोई प्रश्न पुछना है तो आप .....

**मिरादेवी यादव :-**

प्रश्न है मॅडम, अनेक विषय है। उनको एक जबाबदारी के अनुसार एक पब्लिक जनता है ना किसी प्रशासन को भी अगर समय पर उतर जाएगी ना प्रशासन नेता किसी की सुननेवाली नहीं है। एक जबाबदारी पर उसने खाली कराई है सबको ४ हजार लोगो को वहाँ पे खाली कराके सिर्फ हमने कही किसीको भाडा दिया है। और किसी को और किसी को शिफ्टिंग में वहाँ पे शिफ्ट किया है। जाके शिफ्टिंग कभी आकर वहाँ के परिस्थिती देखो किस तरह से जगह रुम में रह रहे है। दुसरा जो दो साल भाडे के बादमें इनको ६ महिना बाद में साल भर बाद कम से कम ५०० लोगो के लोढामे दिया गया है। उसमें ठिक से वहाँ रखा नहीं गया है। सिव्हेरेज के लाईन का पानी चल रहा है। टाकी में गंदा पानी कही उनको लिफ्ट का प्रॉब्लेम है। आज है १५ दिन से उनको पानी नहीं मिल रहा है। परसो कमिशनर साहब के पास हम लोग आए थे। हमने एकमत वहाँ की समस्या है की, जो की हमने हल यहाँ पर हो जाएगा तो जाएगा, कोई काम वहाँ पर हो नहीं रहा। मॅडम आज कमिशनर साहब आपसे निवेदन करती हूँ की, प्लीज उनके लिए घर बनाके दे रहे आज नहीं कल दे रहे है। कब देंगे मुझे मालूम नहीं, एक बात अगर खरा उतरा होता तो २००९ से २०१६ तक मैंने विश्वास मिली थी। लेकिन पब्लिक की परिस्थिती देखके मुझे कोइ जवाब उनके पास नहीं रह गया है देने के लिए। वॉर्ड में जाने के लिए शरम लग रहा है। उनके पास जाओ तो आने का भी नहीं होता है की कीस तरह के जान छोडकर निकली हूँ। दुनिया भर का इलेक्शन सामने आया है मिडिया लेकर सब लेकर वहाँ पहुँचे तो खाली नगरसेवक की बदनामी हो रही है, प्रशासन की नहीं हो रही है, महापालिका की नहीं हो रही है। कुछ तो जबाबदारी है की नहीं।

**मा. महापौर :-**

मिरादेवीजी अभी-अभी खांबितजी ने कहाँ है की आपका काम यह महिने के अंत तक शुरु हो जाएगा। हम सब यहाँ से मानते है की, उस काम में बहुत ज्यादा देरी हो गई है। पर वह किसी टेक्नीकल कारणो से वह हम अब आके यहाँ हमने आके सबसे पहले विषय आपका लिया था ताकी यह हो जाए जल्दी से जल्दी जितनी देरी हुइ है, उतनी ही डबल दुगनी गती से हम काम चालू करेंगे।

**मिरादेवी यादव :-**

मॅडम, वहाँ पर बार-बार नारियल दिपज की पार्टी और बार-बार नारियल टुटा बार-बार उसके उसके आश्वासन दिया गया। आश्वासन लेके झेल रही हूँ। साहेब आज नहीं कल आओ, वहाँ की परिस्थिती देखो, फिर इसके बाद एक महिना हो गया है। शौचालय देरी करने के लिए कौनसे कॉन्ट्रॉक्टर को आप लोग दिए हैं। फोन करो, फोन नहीं उठाते हैं। मतलब मुझे सिखाता है मैं कहाँ तक कहाँ से आगे बांध नहीं पाता है। हमने जबरदस्ती करके कैसेही उसको खिच के लेके गए देखे अभी वापस झाका नहीं है। क्या वह इन्सान नहीं है। सामने शौचालय बनाया गया है, बदबु आ रही है। टुटा फुटा है, पडा है इन्सान नहीं है। गरीब है इसलिए उनका कोई ध्यान नहीं है।

**अनिल भोसले :-**

महापौर मॅडम, सदर विषयाच्या अनुषंगाने, बी.एस.यु.पी. योजना येऊन जवळ-जवळ खांबित साहेब, अनेक वर्ष झालेली आहेत. गेली ४ वर्ष कमिशनर साहेब कमीत कमी ३ ते ४ वर्ष प्रशासनाने घरे वेळेवर खाली नाही केली. बी.एस.यु.पी. योजनेला विलंब होण्याचे कारण मिरा भाईंदर महानगरपालिका आहे. याची जबाबदारी कोण घेईल याचे मला उत्तर द्यावे अशी माझी विनंती आहे. पहिले या बी.एस.यु.पीला विलंब होण्याच एकमेव जबाबदार प्रशासन आहे. त्याला कोण अधिकारी जबाबदारी घेईल आणि आपल्या स्वतःच्या हातांनी सही करून राजीनामा देऊन घरी जाईल कोण जबाबदारी घेईल. म्हणजे न दबाव टाकता त्यांनी स्वतःने या कामाची जबाबदारी घ्यावी कारण ४ हजार लोकांना मी बेघर केले आहे आणि त्याठिकाणी मी प्रशासनाचा अधिकारी म्हणून त्या ठिकाणी इमानदारीने काम केलेले नाही. त्या ४ हजार लोकांना बेघर करून आज या ठिकाणी मी शांततेत बसलेलो आहे त्याला जबाबदार आपण आहेत याची जबाबदारी स्वीकारून त्यांनी स्वतःनी या महासभेला उत्तर द्यावे आणि त्यांनी स्वतःनी या महासभेला उत्तर द्यावे आणि त्यांनी स्वतःनी राजीनामा द्यावा आणि घरी जावे. त्याच्यानंतर दुस-या विषयात मी बोलतो कोण उत्तर देईल मला कोण राजीनामा देईल? कार्यकारी अभियंतानी राजीनामा द्यावा असे माझे स्पष्ट म्हणणे आहे. साहेब मला बोलायचे आहे.

**मा. आयुक्त :-**

मग बोलाना. त्याची उत्तर मी देतो, काय बोलायचे असेल ते बोला.

**अनिल भोसले :-**

साहेब मी बोललं की, कार्यकारी अभियंतानी राजीनामा द्यावा असे माझे स्पष्ट म्हणणे आहे या बी.एस.यु.पीला ४ हजार लोकांना देशोधडीला लावण्याची जबाबदारी.....

**मा. आयुक्त :-**

भोसले साहेब, आपला काय प्रश्न आहे तो बोला. प्रशासन त्याच्यावर समर्थक उत्तर देईल त्यांनी समाधान तुमचे नाही झाले तर पुढे काय करायचे ते ठरवू आपण. त्यांनी राजीनामा दिल्यामुळे तुमचा प्रश्न सुटणार आहे का? त्याने चारशे लोकांना घर भेटणार आहेत का?

**अनिल भोसले :-**

दुसरा येईल तो तर काम करेल.

**मा. आयुक्त :-**

नाही पण त्यांच्यामुळे काम थांबलेल नाही ना.

**अनिल भोसले :-**

त्यांच्यामुळे थांबलेल आहे.

**मा. आयुक्त :-**

अजिबात नाही आपले झाल्यावर मी उत्तर देतो, तुम्ही काय तुमचे प्रश्न मांडा फक्त.

**अनिल भोसले :-**

महापालिकेने या योजनेच नियोजन केल नाही पहिली चुकी. दुसरी त्या ठिकाणी जी माती होती डोंगर उत्खनन करायचा होता त्याची माती टाकायचे सुध्दा नियोजन केल नाही ही दुसरी चुकी. ज्या ठिकाणी जेवढे संक्रमण सिटी बांधायची होती त्या संक्रमण सिटीची याच्याकडे जागा आहे नाही याच सुध्दा नियोजन केल नाही ही तिसरी चुकी. चौथी आज चार महिने झाले काम पूर्णपणे बंद आहे. पावसाच्या वेळात दोन महिने पावसामुळे काम बंद करतो आपल्याकडे जी शासनाची परवानगी घ्यायला वेळ लागणार आहे तर आपल्याकडे जे चटई क्षेत्र होत त्यामध्ये जो काही बदल करण्याचा आज आपण बदल करण्यात आपण चार महिन्यांनंतर वेळ घालवला त्यासाठी अगोदरच त्याचे नियोजन करून जर आपल्याकडे केंद्र शासन ज्यावेळेला उर्वरित घरे रद्द केली त्यावेळेला आपल्या माहिती पडल्याबरोबर लगेच या विषयाचे नियोजन करून एक महिन्यामध्ये जर काम चालू ठेवल असत कमीत कमी बाकीचे बिल्डींगचे प्लॅथ तरी चालू झाले असते. त्यानंतर यानंतर जो बी.एस.यु.पी. मधील लोक जी आपण ट्रान्झिट कॅम्पमध्ये नेऊन सोडलेले आहेत. त्याठिकाणी शौचालयाची व्यवस्था नाही पिण्याचे पाणी त्यांना व्यवस्थित मिळत नाही. त्याठिकाणी जवळपास दुकाने नाहीत, त्या ठिकाणी एखादा आरोग्य केंद्र नाही, लहान-लहान मुल जे गोरगरिब आदिवासी बांधव आहेत त्यांची मुल शिकण्यासाठी अंगणवाडी सुध्दा त्याठिकाणी नाही हे पण या शहरातील माणस आहेत की गुर आहेत म्हणजे आज दैनंदिन व्यवस्था याठिकाणी त्या लोकांची बी.एस.यु.पी. मधील योजनेची लोकांची झालेली आहे. त्याचबरोबर जे लोक भाडे तत्वावर गेलेली आहेत त्यांची जी भाडे तत्वावर गेलेली लोक आहेत मॅडम त्यांचा चेक आपण ७२ हजाराचा चेक दिला आहे त्या भाडेला ३-३ हजार प्रमाणे त्यांचा वेळ संपवू जवळ-जवळ दीड ते दोन वर्ष काही

लोकांना दीड वर्ष झाले, काही लोकांना एक वर्ष झाले आहे. आज ३ हजार भाडे आपण भाडे तत्वावर जी लोक गेली त्यांना ३ हजार भाडे देतो पण आज परिस्थिती अशी आहे की ३ हजारमध्ये झोपडेसुध्दा भाड्याने मिळत नाही आणि साहेब ज्यांचे एक-एक वर्ष पूर्ण झालेली असतील ७२ हजार रुपये आपण दिले. कमीत कमी एक हजाराहून आणखीनही भाडे पासून वंचित आहेत. आपण लोढा कॉम्प्लेक्समध्ये पाठवले. लोढामध्ये पाठवली पण बी.एस.यू.पी. ची लोक नाही पाठवली रस्त्यावरून जाणारे म्हणजे रस्त्यामधील बाधीत झालेली लोक पाठवली धोकादायक बिल्डींगची लोक पाठवली दहा घरची दहा सदनची लोक त्या बिल्डींगमध्ये गेली त्याठिकाणी आपण लोक तरी पाठवली पण महापालिकेने तात्पुरती सोसायटी बनविण्याची अधिकार आपण देऊ शकत नाही, कायद्यात बसत नाही म्हणून देऊ शकलो नाही पण दहा घरची त्या ठिकाणी जे लोढामध्ये गेलेली लोक आहेत काही गुंडा प्रवृत्तीचे लोक त्या ठिकाणी रोज पार्सप लाईन तोडतात, शौचालयाचा पार्सप तोडतात, दररोज महिन्यातून शंभर काढ, दोनशे काढ असा हफ्ता वसुलीचा प्रकार त्याठिकाणी चाललेला आहे. साहेब त्या दिवशी आम्ही शिष्टमंडळ घेऊन आपल्याकडे आलो होतो. २५ लोक आपल्याकडे आले होते आपण त्याठिकाणी तुमचा तो सिक्युरिटी नाना त्यांना फोन करून सांगितलं की चांगले हट्टे-कट्टे सिक्युरिटी पाठवा साहेब त्याठिकाणी ८० वर्षांचा हट्टा-कट्टा एक म्हातारा माणूस पाठवून दिला ही आपण आयुक्त म्हणून आपण दिलेली आदेशाचा याप्रकारे पालन होतोय याला जबाबदार कोण साहेब सांगा. त्याठिकाणी हफ्ता वसुली चालू आहे. आज त्याठिकाणी मॅडम, साहेब सांगा त्याठिकाणी हफ्ता वसुली चालू आहे. आज त्याठिकाणी मॅडम दहा घरच दहाच गेल्यामुळे सोसायची होऊच शकत नाही. इंटरनल आपण कायदेची परवानगी देऊ शकत नाही. तिथे सोसायटी होऊ शकत नाही. कुठेतरी एखादा दौरा, एखादा खर्च, एखादा त्या ठिकाणी कमीत कमी १०० ते १५० घर त्या बी.एस.यू.पी. योजनेमधील भाडेवरती गेलेले आहेत. आपण ८४ लोकांवर कारवाई केली असे बोलतात पण एकही कारवाई झालेली नाही. त्याठिकाणी ते बी.एस.यू.पी. त्याठिकाणी बारवाले मॅडम चरसी, बेवडे हा बी.एस.यू.पी. च्या लोकांमध्ये भाड्याने आलेले तो चर्सीचा अड्डा बनवून टाकलेला आहे. याला नियंत्रण कोणाचे पाहिजे एकतर आपण सोसायटी बनवायला परवानगी देत नाही मी आपणाला विनंती केली होती. आपणाला पत्र लिहिले होते खांबित साहेब त्या बी.एस.यू.पी. मध्ये लोढामध्ये जे पाठवलेले लोक आहेत त्यांना आपण महापालिकेने लाईटचं सिक्युरिटीच आपण मेन्टेनन्स अकरा महिन्याच एक ठराव पास करा सर्वसंमतीने ठराव आम्ही सगळ्यांना विनंती करू आणि तुम्ही महिन्याला २०० रुपये बी.एस.यू.पी. मधील लोकांकडून घ्या आणि त्यांचे नियोजन करा. ते सुध्दा प्रशासनाने केले नाही. आज त्याठिकाणी एखाद्याचा मडर झाल्यानंतर करणार आहेत का. साहेब आपण वारंवार आम्ही विनंती करतो आपणाला महापौर मॅडम आपणाला वाटते आहे का आम्ही सत्तेमध्ये आहोत सत्तेच्या विरोधात भांडतो. सत्तेमध्ये काहीतरी विद्रोह करण्याचा प्रयत्न करतोय ही आमची भावना नाही हे पण जी सत्य परिस्थिती ह्या लोकांची जी आहे या शहरामध्ये गरीब माणूस त्या योजनेमध्ये आले आणि हे योजनेचा माझ्या परिसरात कांड असा आमचा प्रश्न झालेला आहे. योजना मला तरी वाटते त्या जनता नगरच्या लोकांनी पाप केले होते म्हणून त्याठिकाणी बी.एस.यू.पी. योजना आली राजीव आवास योजना आपण शहरामध्ये राबवणार आहोत बी.एस.यू.पी. चे हे आलेत राजीव आवास योजनेमध्ये लाखो लोकांचेकाय हाल होतील माझा असा प्रश्न आहे मॅडम अजून एक योजना आपण राबवू शकलो नाही आणि जे राबवायला घेतली साहेब त्यांना आत्महत्या करण्याची पाळी आलेली आहे. आज याठिकाणी तुमच बिल्डर्स त्यांना एफ.एस.आय. मिळत नाही काही हरेसमेंट म्हणून आत्महत्या करत आहेत त्या बी.एस.यू.पी. मध्ये मॅडम त्या हरेसमेंटमुळे खरोखरच कोणी आत्महत्या करेल याला जबाबदार आपण प्रशासन राहणार आहे. कारण जे भाडोत्री गेलेत ना साहेब त्या बी.एस.यू.पी. मध्ये आज सहा महिन्यापासून मी ओरडतोय सहा महिन्यात अनेक पत्रव्यवहार केले पण यांनी एक ही भाडोत्री बाहेर काढला नाही. त्या भाडोत्रीने त्या ठिकाणी बारवाल्या मुली राहतात जी इजतदार जी गोरगरिब आहेत त्या लोढा कॉम्प्लेक्समध्ये राहू सुध्दा शकत नाही ही परिस्थिती आहे. आज शौचालयाची व्यवस्था नाही शौचालयाची दारे तुटलेली आहेत. आज मिरारोडला एक तुमच्याकडे आता मिडियावाले आले होते ते गटाराचे झाकण तुटलेले आहेत. तिथे एखाद्याचा पाय अटकलेला आहे. तसे एखाद्या बाथरूममध्ये एखादा मुलगा पडून मरण्याची परिस्थिती आहे या बी.एस.यू.पी. च्यामध्ये झालेली आहे. त्याठिकाणी रस्ता पॅववर्क करण्यासाठी आपणाला पत्र दिले होते. काही ठिकाणी स्ट्रीट लाईटचे पोल कमी आहे म्हणून पत्र दिले होते. पावसाळ्यामध्ये आपण स्वतः आले होते. पावसाळ्यामध्ये पाणी सुरु होता. आपण कमिशनर साहेब स्वतः जातीने बघितले आहे ही परिस्थिती आहे. आणि या कामाची जोपर्यंत हालअपेष्टा किती दिवस त्या लोकांनी सहन करायची याची महापालिकेचे नियोजन काय आहे. ७ वर्षांमध्ये हे व्यवस्थित सुरुवातीला जर नियोजन केला असता तर या बी.एस.यू.पी. च्या ही हालत झाली नसती याचे नियोजन साहेब आपण कमिशनर आले आणि बदलून गेले पण कार्यकारी अभियंता तेच आहेत सिटी इंजिनिअर तेच आहेत या अधिकाऱ्यांनी त्या बी.एस.यू.पी. योजनेची जे आपण गटाराची योजना करतो ती परिस्थिती ह्या बी.एस.यू.पी. योजनेची पण करून ठेवलेली आहे आणि त्यामुळे ही हालत निर्माण झालेली आहे. त्या कधी सुधारतील मला एक उत्तर द्या. त्या लोकांच काय करायचं आहे. त्यांची परिस्थिती कशी काय सुधारेल त्यांना पाण्याची व्यवस्था कशी काय सुरळीत होईल. आठ ठिकाणी दहा घरचे दहा असल्यामुळे सिक्युरिटी एक छोटाचा विषय होता. साहेब सिक्युरिटी जर त्याठिकाणी आपण ठेवली असती आणि ते ही पैसे मी महापालिकेकडे आपल्याकडे मागितले नव्हते आपण महापालिकेने आमच्याकडे ठरवून द्या. जे मेन्टन्सचे १०० काढायचं २०० काढायचं ते लोकं पैसे भरायला तयार आहेत. तुम्ही सोसायटी बनवून देऊ शकत नाही कमीत कमी ते तरी करू शकता. तुम्ही आज सोसायटी बनवू शकत नाही. तुमच्याकडे निधी नाही. हे केंद्रशासनने योजनेला विलंब झाल्यामुळे

पैसे द्यायचे नाकरले जर असतील तिथले लोक १००,२०० रुपये देतील. ती घाण जी बी.एस.यू.पी. मध्ये भाड्याने आलेली आहे ती तरी बाहेर काढा. तेवढे तरी आपल्या हातामध्ये आहे. आपण मातीचा नियोजन केला नाही. खांबित साहेब ज्या बी.एस.यू.पी. मध्ये आपण ज्या देवाला मानतात त्या देवाची शपथ घेवून सांगा. बी.एस.यू.पी. योजनेमध्ये जेवढी मातीचा भराव होता तो भराव काढण्यासाठी आपण किती जागाचे नियोजन केले होते. ज्या मालकांनी जमीन आपल्याला दिल्या मॅडम, ज्या जमीन मालकांनी ज्यांचे सातबारे होते येथे आमदार साहेब इथे आहेत. त्यांना पण मी विनंती केली होती साहेब बी.एस.यू.पी. योजनेची आमची माती आणि दगड टाकायला आमची जागा नाही. आपण थोडी जागा आम्हाला उपलब्ध करून द्या. कमिशनर साहेब महापालिकेने कमीत कमी दोन एकर जागा सुध्दा या महापालिकेने ते भरावयाची माती टाकण्यासाठी नियोजन केलेले नाही. आमची म्हणजे चांगली भूमिका म्हणजे योजना पूर्ण करायची भूमिका आहे प्रशासनाची काय नियोजन सांगा ना आपल्याकडे योजना पूर्ण होईल की नाही होईल आणि जे चार हजार लोक जे बाहेर गेलेले आहेत त्यांचे काय? हा मोठा प्रश्न पडलेला आहे. आज मिरादेवीने आपल्या भाषणामध्ये सांगितलं, मिरा दिदि तुम्ही काय दुःख आणि म्हणजे ज्या भाषेमध्ये बोलते ती बोलली हा काय वॉर्डमध्ये फिरू शकत नाही. साहेब आज कुठल्या सोसायटीमध्ये ज्या वॉर्डमध्ये आम्ही नगरसेवक असून चोरांची परिस्थिती आमची झालेली आहे. म्हणजे आम्ही त्या वॉर्डमध्ये नगरसेवक झालो म्हणून दोषी आहोत म्हणजे आम्ही एकटे दोषी आहोत का? त्या सगळ्या कारणांला आम्ही दोषी आहोत. आज सोसायटीमध्ये जाऊ शकत नाही. त्यादिवशी आपले बी.एस.यू.पी.चे अधिकारी आले होते. कमिशनर साहेब आपल्याकडे आम्ही भेटायला ज्या दिवशी आलो होतो. त्या दिवशी बी.एस.यू.पी. चे आपले संख्ये साहेब वगैरे त्याठिकाणी होते. लोक त्या ठिकाणी चप्पल काढून मारायला उभे होते ही परिस्थिती आहे त्याठिकाणी. त्याठिकाणी दनदनीची परिस्थिती आहे. कानून व्यवस्था निर्माणची परिस्थिती झालेली आहे. आणि बी.एस.यू.पी. चे काम लवकर जर चालू झाले नाही तर या ठिकाणी नक्की कानून व्यवस्था निर्माण झाल्याशिवाय राहणार नाही ही परिस्थिती आज आहे. म्हणून मी आज कुठल्या अधिकाऱ्यांची माझी वैयक्तिक दुश्मनी नाही हे साहेब या ठोस मी कोणाला एखाद्याला बदनाम करण्यासाठी या महासभेमध्ये बोलत नाही पण ही परिस्थिती आहे ही परिस्थिती कधी निवळेल.

**दिपक खांबित :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो, बी.एस.यू.पी. योजनेमध्ये जवळ-जवळ पंधराशे लोकांना आपण ट्रान्झिट कॅम्पमध्ये व्यवस्था केलेली आहे. त्या ट्रान्झिट कॅम्पमध्ये काही प्रॉब्लेम असतील तर वेळोवेळी आपण आवश्यक दुरुस्ती कामही करतो. आता तुम्ही जे बोलले की शौचालयाला किती दिवस झाले. शौचालयाचा काय प्रॉब्लेम असेल तो आम्ही येत्या ८ दिवसांमध्ये दूर करू दुसरे जवळ-जवळ ५००-५५० लोकांना आपण लोढा येथील जे आपले रेंटल हाऊसची जी बिल्डींग आहे त्याच्यामध्ये शिफ्ट केलं. त्याच्यामध्ये सुध्दा ८४ लोकांनी ज्यांना आपण रुम दिले भाड्याने म्हणजे व्यवस्था केले त्या ८४ लोकांनी परस्पर दुसरे भाड्यांनी ठेवले आहेत. तर त्या लोकांना त्यावरती ट्रेस पार्सिंग करा म्हणून पोलिस स्टेशनला कम्प्लेंट केलेली आहे. पोलिसांना आम्ही दोनदा कॉन्टॅक्ट केला ते बोलले की आम्ही अगोदर चौकशी करतो. आयुक्त साहेबांनी परवा दिवशी तुम्ही आले होते. लगेच परत पत्र दिले रिमाईंडर की यांच्यावरती गुन्हे दाखल करा म्हणून याप्रमाणे कारवाई केलेली आहे. आणि तुम्ही जे मातीचे बोलता, मातीचे नियोजन तुमच्याच सहकार्याने तिकडच्या आजूबाजूला ज्यांच्या जमिनी होत्या त्यांना आपण विनंती करून त्याला आपण माती भराव त्या जागी केल आहे आपण.

**अनिल भोसले :-**

आपण माती भरावासाठी जे बोलता ना साहेब त्यांनाच कलेक्टरनी नोटिस पाठवली आहे.

**दिपक खांबित :-**

मग ती प्रोसेस चालूच असते ना साहेब.

**अनिल भोसले :-**

त्यांनी नोटिस पाठवले आहेत. कोणा-कोणाला ७ लाख, ३० लाख त्यांच्यावरती बोझा चढवला आहे. त्यासाठी बांधकाम डिपार्टमेंट म्हणून आपण महापालिकेला त्यांनी मदत केली जागा जी आपणाला दिली ती मदत म्हणून दिली.

**दिपक खांबित :-**

आम्ही कलेक्टर साहेबांना कळवले की आमच्या बी.एस.यू.पी. योजनेची जी माती निघाली त्याकरिता आम्ही दिलेली आहे. तर यांचे माप करावे म्हणून आणि वेळोवेळी जेव्हा असा काही प्रॉब्लेम येतो तेव्हा आम्ही जातो कलेक्टर ऑफिसकडे आणि सॉल्व करतो. आणि योजना जी आहे का विलंब झाला का नाही तुम्हालाही माहिती आहे. मॅडमलाही माहिती आहे. तुमच्या समोरच सगळे चाललेले आहे जे चालू आहे ते लोकांचा याला किती विरोध आहे. काय काम चालू आहे तिकडे काय नाही. कुठल्या प्रकारे अस काय कोणी विलंब.

**मा. आयुक्त :-**

साहेब आपण बसता का मी खुलासा करू इच्छितो.

**मिरादेवी यादव :-**

सर अनेक लोगो से मुठभेड किया नही अब लोग शुरु से लेकर अब तक आपको बोलते चली आ रही हूँ ऐसा बात नही है। और आप बोल छोटा-छोटा विषय पर ट्रान्झिट कॅम्प में जाना किसी लाईन पानी नही पोहोच रहा है। शौचालय की व्यवस्था नही छोटा-छोटा विषय है। मुझे मुद्दा बन रहा है। उसपे ध्यान दिया

जाए और जल्दी से जल्दी यह काम चालू किया जाए मैं तो वही बोल रही हूँ साहेब, पूरे शहर के विषय जब एक झोपडपट्टी के समस्या हल नहीं हो रहा, तो पूरे शहर का कैसे होगा वही मैं आप से विनंती है। अभी जल्दी से जल्दी वो करे हल।

**अनिल भोसले :-**

कमिशनर साहेब.

**मा. आयुक्त :-**

भोसले साहेब आपल्या प्रश्नाचे उत्तर देतोय. आपली काय समस्या आहे माझ्या लक्षात आलेली आहे. बी.एस.यू.पी. वरती मला थोडे दोन मिनिटे बोलू द्या. आपण सभागृहात भाषण केल त्यांच उत्तर देण माझे कर्तव्य आहे. आपण बसावे आपल्याला विनंती आहे. बसावे भोसले साहेब आपण जरा ऐकावे माझ्या बोलण्याकडे लक्ष द्याव आपण म्हणालात की प्रशासनानी काहीच कारवाई केलेली नाही. बरोबर म्हणजे तुम्ही माझ्यावर आरोप केला किंवा आमच्या खालच्या अधिका-यांवर केला असा विषय नाही. हे माझे काही कारवाई न करता ही जादूची काडी फिरवली नाही की इथे सध्या जे बांधकाम चालू आहे किंवा एक इमारत किंवा दिड इमारतचे जे काही काम चालू झालेले आहे. आता सगळ्यात महत्वाचा मुद्दा माझ्याकडे लक्ष द्या जरा. मार्च २०१५ मध्ये मार्च २०१५ जानेवारी, फेब्रुवारी आणि मार्च आता येणा-या मार्च महिन्यामध्ये एक वर्ष होईल. केंद्र शासनाकडे दिल्लीला एक बैठक झाली. त्या बैठकीमध्ये म्हणजे मार्च २००० पर्यंत तुम्ही या बी.एस.यू.पी. योजनेच काम चालू केल नाही म्हणून केंद्र शासनाने काय केल की तुमची जी ४१०० घराची योजना होती हे मी राऊंड फिगर बोलतोय आपल्याला ४१०० घराची जी योजना होती तिच्यामध्ये १७८५ घर रद्द केले. मंजूर आहे त्याच्यानंतर म्हणजे राऊंड फिगरमध्ये तेवीसशे घरांना फक्त मान्यता देण्यात आली. या महानगरपालिकेमध्ये २१ फेब्रुवारी २०१५ ला मी आयुक्त पदाचा कारभार स्विकारला आहे. याच्यानंतर माझ्या लक्षात आल्यानंतर म्हणजे जानेवारी, फेब्रुवारीमध्ये मी इथे आल्यानंतर मार्चमध्ये मी येथे निर्णय झाला. केंद्र शासनाकडे आणि तो निर्णय झाल्यानंतर शासनाचा निर्णय आल्यानंतर महासभेच्या समोर हा विषय आणला आणि महासभेच्या निदर्शनाला आणून दिला की काय वस्तुस्थिती आहे. त्याच्यानंतर आपण एक ठराव पारीत केला की आम्ही ४००० लोकांना बाहेर काढलेले आहे. त्याच्यातले २ हजार लोक भाड्याने राहतात, २ हजार लोकांना आम्ही भाडे देतो अशी वस्तुस्थिती आहे. तर त्यामुळे आपली भावना विचारात घेवून आम्ही आणि या ठिकाणी सभागृहाने म्हटल की २३०० घर ही केंद्रशासनातून जो आला आहे ते करा. पण १७८५ ची केंद्रशासन रद्द केलेली आहेत या घरासाठी या महासभेने मान्यता दिली आणि जे चटई क्षेत्र आपल्याला त्याच्यामध्ये २५ टक्के चटई क्षेत्र अनुज्ञेय आहे. कर्मशियल वापरासाठी विक्री करून त्याच्यावरून आपले फ्लॅट बांधण्यासाठी मात्र २५ टक्केमध्ये १७८५ घरांचा बांधकामाचा खर्च बसत नाही. तर त्याच्यामुळे आपण हा प्रस्ताव सगळा परिपूर्ण आमच्या अधिका-यांनी तयार करून आपल्याला जवळपास ४६ टक्के जर अनुज्ञेय केल तर आपणही संपूर्ण स्कीम ४१०० लोकांना घर देऊ शकतो. त्याच्यासाठी हा प्रस्ताव युध्द पातळीवर महासभेची मंजूरी झाल्यानंतर आपण म्हाडाकडे पाठवला म्हणजे मा. प्रकाश मेहता साहेबांच्या कार्यालयाकडे हा पाठवला त्याच्यामध्ये मा. आमदार आणि मला वाटतं आमचे संबंधित इंजिनियर आम्ही स्वतः जाऊन भेटलो पहिल्यांदा त्याच्यानंतर परत जी ज्या पुर्तता करायची ती कागदपत्र बनवा त्यांना काय जी आवश्यक माहिती दिली त्यांच्याकडून हा प्रस्ताव मुद्द होऊन नगरविकास विभागाकडे आता गेलेला आहे. आणि आता परवा जी सेक्रेटरी साहेबांकडे श्रीकांत सिंग साहेबांकडे बैठक झाली त्याच्यामध्ये हेच सांगण्यात आल की शासनाचा निर्णय होत राहिल. परंतु तुम्हाला जी २३०० घर मंजूरी दिलेली आहे. तर त्यांच काम तुम्ही युध्द पातळीवर कराव. तर त्याच्यामध्ये आपली जी ८ माळ्याची बिल्डींग आता तयार झालेली आहे आणि त्या आठ माळ्यांच्या बिल्डींगच प्लास्टर चालू आहे. १७९ फ्लॅट त्यांच्यामध्ये ज्या आहेत घर जी आहेत १७९ ती मार्च अखेरपर्यंत पूर्ण करून त्यांच्यामध्ये १७९ लोकांना आपण ती वितरीत करण्याचा आमचा प्लानिंग आहे. आणि नंतर १२५ घर जी आहेत तर ती १२५ घरे जवळपास सप्टेंबर ऑक्टोबरमध्ये देऊ शकू आणि हा निर्णय अजून झालेला नाही. शासन स्तरावरती तोपर्यंत पुढे काय करायचं याचे बदल काल एक परवाच मिटींग झाली त्याच्यानंतर दोन दिवस सुट्टी आली. म्हणून मी काही अजून कोणाबरोबर चर्चा करू शकलो नाही. महापौर मॅडमला देखील मी काही सांगितलेले नाही की याच्यामध्ये हा विषय ऑलरेडी अगोदरच आलेला होता की आपल्याला आता अडचण अशी आहे की जुन्या इमारती होत्या त्या आठ माळ्याच्या आहेत जर आपल्याला ह्या सगळ्या ४१०० लोकांना घर द्यायची असेल तर प्रत्येक इमारती चौदा माळ्याच्या, पंधरा माळ्याच्या बांधाव्या लागणार आहेत. त्यांच्यामुळे त्याच आर.सी.सी. डिझाईन सगळे चेंज होणार आहे. तर ही टेक्नीकल अडचण आहे. तरी सुध्दा आपली जी ८ माळ्यांच्या इमारतीचे काम चालू आहे. त्यांच प्लास्टर झालेले आहे आणि प्लास्टरचे काम चालू आहे. आणि दुसरी इमारत तीन माळ्यांचीच चालू आहे. तर आपल्याला आता निर्णय घ्यावा लागणार आहे की शासनाकडून मंजूरी येईल म्हणजे लवकर येईल की उशीर होईल याच्यामध्ये टाईमपास न करता आता काय करायचं आहे की १४ माळ्याची इमारती २३०० घर म्हणजे आता जी ८ माळ्यांची बिल्डींग चालू आहे त्याच्यामध्ये १७९ घरांचे आहे. दुसरी जी बिल्डींग चालू आहे त्याचे ग्राऊंड प्लस २ चे स्लॅब झालेले आहे त्याच्यामध्ये १२५ घरे आहेत म्हणजे हे दोन्ही मिळून ३०४ घरे गेली तर जे २००० घरे आहेत त्याच्यासाठी श्रीकांत सिंग साहेबांकडे परवा जी बैठक झाली त्याच्यामध्ये असं सांगण्यात आले की राज्यशासनाकडून मंजूरी मिळत राहिल. आज मिळेल उद्या मिळेल तर तुम्हाला जे केंद्र शासनाने म्हटलेले आहे की हे तुम्हाला २०१७ पर्यंत पूर्ण करायचे आहे. त्यादृष्टीने तुम्ही आम्हाला बाय फॉरगेट करून द्या की ही घरे कधीपर्यंत पूर्ण करणार.



शासन याच्याबद्दल काय निर्णय घ्यायचा तो घेईल पण हे काम तुम्ही का बंद ठेवले. हे लवकरात लवकर चालु करा. परवा शुक्रवारी बैठक झाली याच्याबद्दल अजून आपला काही निर्णय झाला नाही कारण आपण तिकडे पाठवले प्रस्ताव ४१०० घरांचे. टोटल ४१०० घरे आहेत आपली त्याच्यामध्ये १७८५ जी केंद्र शासनाने रद्द केली तर ते आपण ४१०० घ्यायचे म्हणून ठराव तिकडे पाठवला मग आता तुम्हाला २३०० घराचे ८ माळ्यांची बिल्डींग आता चालु करायची तर उद्या चालु करुन दाखवू परंतु प्रॉब्लेम असा आहे की मग आपल्याला १४ माळ्यांची प्रत्येक इमारत करायला लागणार तर प्रॉब्लेम येणार ना?

**नरेंद्र मेहता :-**

प्रशासनाकडून अस माझ तरी मत आहे ६ महिन्या अगोदर हा निर्णय झाला की आपण नक्की काय बांधायचे. ते जाऊ द्या २००० बांधायचे का ४०००. हे तर सत्य आहे की आपल्याला अडीच एफ.एस.आय. वापरायचे. ४० टक्के जे आहेत आज नाही तरी उद्या तरी बांधायचे आहे. शासनाने विकायची परवानगी नाही दिली तरी आपण तर बांधणार आहोत ना. तुमचं प्लान आपण काढल, आपण त्यावर अभ्यास केले नाही केले मला माहित नाह आणि माझ मत आहे की त्यावर आपलं एवढे बारकाईने लक्ष सुध्दा नाही. शासनाने मंजूरी दिली नाही दिली. आपण अस गृहित धरा शासनाने नाही दिली तरी तुम्ही ही बिल्डींग बांधली तर भविष्यात उरलेला एफ.एस.आय. तुम्ही कुठे वापरणार. ४० टक्के महानगरपालिकेने समजा स्वतःसाठी बांधून नंतर घेतले कस बांधणार. यासाठी जेवढे तुमचे इमारतीचे प्लान आहे सगळे चेंजेस होतात ते ८ माळे असतील ते सगळे १६-१६ होतात आणि काही तुमचे २० माळे होतात जे आपण कर्मशिअल एक्सप्लॉईड करणार आहोत त्याचे २० माळे तुम्हाला करावे लागतील. आणि आपल्या माहितीसाठी परत सांगतो की, ऑलरेडी प्लान तो १६ माळ्याचे मंजूर आहे. माझ्या माहितीप्रमाणे टाऊन प्लानिंगकडे कदाचित दिला असेल की नाही माहित नाही. ते तुम्हाला मंजूरी घेऊन २३०० घरे आम्ही आजही म्हणतो त्यावेळी सुध्दा हे सांगितले २३०० घरांना अडचण नाही ना तुम्हाला बाकी शासन देईल नाही देईल सगळा नंतरचा भाग आहे परंतु २३०० तुम्ही या ६ महिन्यात का चालु केली नाही त्याच काय कारण आहे. आणि आजही काही कारण नाही जसं आपण बोलता की करणार त्यांनी मंजूरी दिली तरी २३०० बांधायचे नाही दिली तरी २३०० बांधायचे मग ६ महिन्यापासून आपण का गोल गोल फिरतात? का त्याच्यावर निर्णय होत नाही.

**दिपक खांबित :-**

सर आपण एकत्रित प्रस्ताव करायचा म्हणून थांबलो होतो. पण शासनाकडे वेळ लागतो.

**नरेंद्र मेहता :-**

साहेब याबाबतीत तर माझा होमवर्क झाला आहे. अभ्यास झाला आहे अस गृहित धरा शासनाने नाही सांगितल तुम्ही तुम्हाला ते ८ माळे करुन बाकीचा एफ.एस.आय. कुठे घेऊन जाणार.

**दिपक खांबित :-**

म्हणून साहेब आपण ग्राऊंड प्लस १६ केले आहेत.

**नरेंद्र मेहता :-**

हे तुम्ही आता बोलल्यानंतर केले तुम्ही १६ करायला पाहिजे होते खरं म्हणजे ते नाही केले ठिक आहे. मला एक सांगा शासनाने मंजूरी देऊ द्या आयदर देतील आयदर नाही देतील तुम्हाला २३०० घरे बांधायला कुणी अडकवले आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

खांबित साहेबइमारत बांधताना तुम्ही प्लीथ कशी घेतली म्हणजे खर्च ग्राऊंडला १६००० गृहित धरलेला आहे येणारा खर्च.

**नरेंद्र मेहता :-**

रिव्हाईज मंजूरी आम्ही दिलेली आहे.

**दिपक खांबित :-**

आता काय झाले जे-१, जे-२, जे-३ आहे ना जे-२ खाली झालेलाच नाही अजुन तो आपण कर्मशिअलसाठी ठेवला आणि बाकीची सगळी घर.

**नरेंद्र मेहता :-**

जुबेर भाई २३०० तुम्हाला वाटतंय, तुमची इमारत ज्या ठिकाणी प्रस्तावित आहे. ज्यांना खाली केले आहे तुम्ही त्यांना ६ वर्षात घरे नाही मिळाली. या २३०० बिल्डींग काय तरी अँडजस्टींग आहे त्याच्यावर पण ती बिल्डींग प्रपोजल आहे. तुम्हाला वाटतय ते लोक खाली करुन जातील. ज्या लोकांना ९ पासुन तुम्ही आतापर्यंत घरे दिली नाहीत. ते शेजारी अजुन घरे खाली तुम्हाला वाटतय तुम्ही जाणार उद्या ते खाली करा आणि २३०० घरे बांधतो तर ते खाली करतील मग त्यासाठी तुमची काय उपाययोजना आहे. आयुक्त साहेब आपल्याला विनंती आहे यावर थोडा होमवर्क का. आपण इंटररेस्ट घ्या त्याशिवाय हे मार्गी लागणार नाही. अधिका-यांची आपली एक लिमिटेशन आहे आपण त्यामध्ये पुढाकार घेणार नाही. सरकारकडे ६-६ महिने पडले कोणी पाठपुरावा नाही कोणताच फॉलो अप नाही. उदाहरण सांगतो पाण्याचा विषय होता कपातीचा तो निर्णय झाला १ डिसेंबरला पण आपल्याकडे साध कोणी फॉलो-अप करायला नाही. शासनाकडे जाऊन ती कॉपी आणावी आणि आम्ही ५ तारखेला ती कॉपी आणून हातात दिली. १ डिसेंबरला निर्णय झाला. तो एक महिना मिरा भाईदरला कपात राहिली. आंदोलन सहन करावे लागले. लोकांना सहन करावे लागले. कोणी फॉलो-अप करतच नाही माझं म्हणणे असे आहे साहेब आपल्याला अजुन माहित नाही की २३०० आपण इकडे बोलता

ठणकून कस बांधायचे त्या जागेवर प्रस्तावित केलेले लोक राहतात. उद्या चालु होणार आहे आणि काय खाली करणार आहेत लोक. परत तुम्ही काय बोलणार इकडे येऊन खालीच नाही केले आम्ही बांधायला गेलो होतो. परत त्याच्यामध्ये ३-४ वर्षे घालवायचे यू डोन्ट हॅव एनिथिंग यू डोन्ट हॅव प्लानिंग करायचे काय? आणि आम्हाला अस वाटतं की आपण त्यामध्ये पुढाकार घेतल्या शिवाय ते संपणार नाही. आणि प्रशासनाला आम्ही बघितले ६-६ महिने, ६ महिन्या अगोदर ठराव केला साहेब तुमचा प्रस्ताव गेल्या ३ महिन्यांपूर्वी ते गेल्यानंतर सुध्दा कोणी पाठपुरावा नाही कोणी फॉलो अप नाही. एकही व्यक्ती फॉलो अप करत नाही. आम्ही जाऊन जेवढे फॉलो अप करतो तेवढीच चालते गाडी. जस आपण सांगितले की २३०० घरे तर बिल्डींग हे का करत नाही याच्यासाठी आपली उपाययोजना काय? आपण बोलता खांबित प्रत्येक गोष्ट विचारली तर आपण बोलता खांबित पाणी विचारणार, आपण बोलता वाकोडे इलिंगल विचारल आपण बोलता हे स्वतः त्यामध्ये लक्ष असल्या शिवाय सगळ मार्गी लागणार नाही. अनिल भोसले साहेबांचे उत्तर दिले ठिक आहे. दुस-या गोष्टीचे उत्तर द्या. २३०० घरे हे कधी चालु होईल त्याला अडचण नाही आणि ते घरे ज्या ठिकाणी प्रस्तावित आहेत त्या ठिकाणी झोपड्या आहेत. त्या ठिकाणी कसे काय म्हणजे परत ५००-७०० बांधणार बाकीचे तसेच रखडणार.

### ध्रुवकिशोर पाटील :-

आपण सांगितले की १ डिसेंबरला आपल्याला पाणी कपात रद्द झाली. आज ४ दिवस झाले शहरामध्ये पाणी नाही. साहेब यांच्या वॉर्डात ७० तास झाले पाणी नाही मग हे पाणी गेले कुठे?

### मा. महापौर :-

ध्रुवकिशोर पाटील साहेब हा पाण्याचा विषय नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

### नगरसचिव :-

सन्मा. नवनिर्वाचित सभापती श्री. हरिश्चंद्र आमगावकर यांचे महापौर डायसवर स्वागत करण्यात येत आहे. कृपया त्यांनी डायसवर येऊन पुष्पगुच्छ स्विकारायचा आहे.

### ध्रुवकिशोर पाटील :-

हे लेट स्वागत का केले? आज सकाळपासून मिटींग सुरु होती. तेव्हा स्वागत का नाही केले त्यांचे.

### नगरसचिव :-

तहकुब होती ना.

### भगवती शर्मा :-

यह सभापती साहेब का अपमान है, महानगरपालिका का अपमान है।

### नगरसचिव :-

महापौर सभापतींचे पुष्पगुच्छ देऊन स्वागत करत आहेत.

(सभागृहात गोंधळ)

### नगरसचिव :-

२ लक्षवेधी आलेल्या आहेत. पहिली लक्षवेधी प्रशांत दळवी यांची आहे.

### मा. आयुक्त :-

मी आपल्याला सभागृहाला सांगितले आहे आता की परवा जी श्रीकांत साहेबांकडे बैठक झाली त्या बैठकीत सांगितले शासनाची मंजूरी येत राहिल परंतु २३०० घराबद्दलचं तो निर्णय घ्या. परंतु आपले जे जुने प्लान तुम्ही बनवले होते ते ८ माळ्यांचे आहेत त्याला आपण १४ माळे, १५ माळे, १६ माळ्यांसाठीचा रिव्हाईज प्लान तयार केला तो ताबडतोब उद्या परवा मंजूर करून आम्ही ताबडतोब चालु करून टाकतो.

### प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलतो प्रथम आपल्याला धन्यवाद देतो की या मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या इतिहासात म्हणावे लागेल की या ३ वर्षांच्या कार्यकालमध्ये एकच विषयाची ही ७ वी लक्षवेधी महापौर मॅडम एकच विषयामध्ये ही ७ वी लक्षवेधी आणली आहे. म्हणजे या प्रशासनाचा कारभार किती चांगला चालला आहे हे या लक्षवेधीच्या माध्यमातून आपल्याला सांगू इच्छितो महापौर मॅडम आज आम्ही फार कंटाळलेलो आहे. आणि आम्ही अस सांगतो की या फक्त माझ्या प्रभागाशी निगडित विषय नसून पूर्ण मिरा भाईंदरचा प्रश्न आहे. महापौर मॅडम, आज किती वर्ष आम्ही याचा पाठपुरावा करतो आहे. सन्मा. आयुक्तांना यावर १०-१०, १२-१२ वेळा स्मरण पत्र देण्यात आली. एकही पत्राचे उत्तर आजपर्यंत देण्यात आले नाही महापौर मॅडम आज त्या कर नागरिकांना त्याचा भुर्दंड सहन करावा लागत आहे. आयुक्त महोदय नागरिकांना त्यांच्याच बिल्डींगमध्ये शिरायचा प्रॉब्लेम झाला आहे. त्या बिल्डींगमध्ये ते फेरिवाले घुसु देत नाही. आपल्याबरोबर कित्येक वेळा मिटींग झाली आहे. आयुक्त महोदय आपण भिवंडी पालिकेचे कारभार कसं सांगितले त्याप्रमाणे आपण या मिरारोडमध्ये जे काही अतिक्रमण आहे फेरिवाल्यांचे मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमध्ये त्या कारभारावर आपण कधी लक्ष देणार आहात आपण आम्हाला डेट दिली होती १० तारखेपर्यंत जर या अधिकाऱ्यांनी कारवाई केली नाही तर मी स्वतः तुम्ही स्वतः त्या ठिकाणी येणार आणि त्या ठिकाणी त्या फेरिवाल्यांवर कारवाई करणार. आयुक्त महोदय आज लोकप्रतिनिधी म्हणून रस्त्यावर फिरणे कठिण झाले आहे. गेल्याच महिन्याची गोष्ट सांगतो साहेब या फेरिवाल्यांनी अनधिकृतपणे जी युनियन स्थापन केली आहे त्या युनियनने पालिका अधिकारी आणि नगरसेवक मी स्वतः त्या ठिकाणी हजर नसतानाही ३५४

खाली नयानगर पोलिस स्टेशनमध्ये एफ.आय.आर दाखल करायला गेले होते. आयुक्त महोदय म्हणजे नगरसेवकांनी रस्त्यावर उतरून काम करायचे नाहीत का? आम्ही फेरिवाल्यांना उठवायला गेलो नव्हतो. आज तुमची पालिका प्रशासनाचे प्रभाग अधिकारी म्हणतात आम्हाला पोलिस संरक्षण मिळत नाही. आयुक्त महोदय मी तुमच्या निदर्शनास आणून देवू इच्छितो माझ्याकडे एक सी.डी. आहे ती सी.डी. तुम्हाला दाखवेल मी आयुक्त महोदय ते अधिकारी येतात हटाव हटाव म्हणजे अजिबात कारवाई नाही. ४-४ गाड्या असतात मागे आणि पोलिस प्रोटेक्शन असुनही आयुक्त महोदय काम होत नाहीत. आता पोलिस प्रोटेक्शनच्या बाबतीत विचारल तर जाधव सिनियर इन्स्पेक्टर म्हणतात आमच बिल बाकी आहे. आम्ही एकही पोलिस अधिकारी देणार नाही. पोलिस कर्मचारी मिळणार नाही. आणि परमनन्ट आपण जे बाऊन्सर ठेवले ना साहेब आपल्याकडे २०-२०, २५-२५ हजार रुपये आपण त्यांना पगार पण देतोय. ४०-४० बाऊन्सर असुन तिथे कारवाई होत नाही. आणि अनधिकृत फेरिवाले ना साहेब जे फेरिवाला क्षेत्रात आहे ते म्हणत नाही. ना आम्ही तिकडे कारवाई करा म्हणून आणि आता त्या ठिकाणी जे ठेकेदार नेमलेले आहे आपण जेथे ठेका दिला आहे ते ही या अनधिकृत फेरिवाल्यांकडून वसुली करत आहेत शेवटी करायचे काय? पालिका प्रशासन यावर ठोस निर्णय महापौर मॅडम जर घेणार नसतील तर माझे आज पत्र आहे आम्ही नाही राहू शकत महापौर मॅडम, तिकडे आम्ही या पदावर नाही राहू शकत नगरसेवक म्हणून आम्हाला लाज वाटायला लागली आहे. स्वतःला आता निर्लज्ज म्हणायची वेळ आली आहे. महापौर मॅडम हे काय आहे सत्ता असताना सत्ता नसताना एकाच विषयावरती ७ वेळा सभागृहाचे लक्ष वेधतो आहे परंतु कोणालाही त्याची जाणीव नाही. ४-४, ५-५ गाड्या येतात तिकडे नुसते येऊन राऊंड मारून जातात काय चाललय काय महापौर मॅडम लोकप्रतिनिधी म्हणून आम्ही काय काम करायचे तिकडे आणि फेरिवाला तर निषेध आहे ना मॅडम या मिरा भाईंदर शहराला आज पाणी टंचाईने पण ग्रासलेले आहे. त्याही विषयावरती मी सांगितले होते की स्पेशल सभा लावा तिथेही दुर्लक्ष केले गेले आहे. या फेरिवाल्यांनी तर आता आमच्या आई बहिणींच्यावर दादागिरी करायला सुरुवात केली आहे. त्या व्यापाऱ्यांना धमकावायला सुरुवात केली आहे. काय चाललं काय महापौर मॅडम आमच्या बदनामीचे फलक लावले जातात आम्ही राजीनामे द्यायचे का तुम्ही त्यांना सस्पेंड करतात त्यांचे राजीनामे घेतात जे प्रभाग अधिकारी बसलेले आहेत. आयुक्त महोदय माझी एक कळकळीची विनंती असेल शेवटची तुम्हाला जर तुम्ही म्हणत असाल की फेरिवाला झोन तयार नाही तर मग आजपासून कारवाई बंद करा. महापौर मॅडम कुठेच कारवाई करू नका. जोपर्यंत फेरिवाला धोरण नक्की होत नाही जोपर्यंत प्रशासन आखणी करत नाही कुठेच कारवाई करू नका कारण काहीच होत नाही. ठोस कारवाईच होत नाही. माझी विनंती असेल तुम्हाला नका करू कारवाई. ना आम्ही तुम्हाला पत्र देणार आजच्यानंतर ती इथे कारवाई करावी इथे नाही. बसु द्या जिथे बसायचे तिकडे. होऊ द्या या शहराचं वाटोळे. अनधिकृत बांधकाम बाबतीत सुळसुळाट सगळ्याच बाबतीत सुळसुळाट. मध्ये आता विषय आला होता की लॉज काय महापौर मॅडम आपण या मिरा भाईंदर शहराच्या प्रथम नागरिक आहात आपण स्वतः बघा तिकडे आलात आपण स्वतः मी स्वतः होतो तुमच्याबरोबर. आज चालण कठिण झाल महापौर मॅडम या ठेकेदारांच्या १००-१००, २००-२०० गाड्या गाळे पिवळे लालपट्टे लागलेले महापौर मॅडम, आम्हाला आता लाज वाटायला लागली स्वतःची नगरसेवक म्हणवून घ्यायला. लोक सोशल मिडियावरती आमची टेर खेचतात या पालिकेचा सदस्य आहे ना आयुक्त महोदय मला पण जाणीव आहे ना या शहराची पण आम्ही जर बोंबा मारतोय आणि महापौर मॅडम एवढेच नाही आपल्या ज्या राखीव जागा आहे जी गटार आपण बांधून देतोय त्याच्यावर ज्या लाद्या लावले आहेत हे फेरिवाला त्याच्यावर आपल सामान बांधून जातात. रात्री आणि त्यांनी ती काय भाड्याने घेतली आहे का जागा? आम्ही नुसत पत्रव्यवहार करायचा आयुक्तांना पत्र द्यायचे आयुक्त परत त्या प्रभाग अधिकारीवर रिमार्क मारतात म्हणजे ये रे माझ्या मागल्या परत तेच झाल. आजही आयुक्त महोदय तुम्ही प्रभागमध्ये राऊंड मारा मिरारोड क्षेत्रामध्ये त्या संपूर्ण गटार जिथे त्या बिल्डींगचे पदचारी जे लोकांना चालण्याची जागा आहे त्या ठिकाणी रोज रात्री ११.०० वाजता १०.०० वाजता आपली काम आटोपले मस्त ती पेटी हातगाडी बांधून निघून जायचं प्रभाग अधिकाऱ्यांना वारंवार सांगतो ना आम्ही ना ती गटाराची साफसफाई होत ना त्या रस्त्याची साफसफाई होते. माझी विनंती आहे साहेब तुम्हाला हात जोडून या वेळेला याच्यानंतर लक्षवेधी टाकणार नाही स्वतःचा राजीनामा देईल. अस जर होणार असेल तर आम्ही नगरसेवक पदावर राहून फायदा नाही.

#### मा. उपमहापौर :-

महापौरांच्या परवानगीने बोलतो आयुक्त साहेब सन्मा. सदस्य प्रशांत दळवी यांनी अनेक वेळा याबाबतीत या सभागृहात प्रश्न उचलला होता. सन्मा. सदस्या दिप्ती भट यांनी तर हा विषय आत्मदहनाचा इशारा दिला होता त्यानंतर आम्ही तुम्हाला सदस्य आमचे शिवसेनेचे सगळे सदस्य आपल्याला भेटलो होतो परंतु आपण आम्हाला त्यावेळेला या गोष्टीला महिना झाला पोलिस कारवाई करून तिथे कारवाई करू असं सांगितल होत. परंतु आजपर्यंत त्यावर कुठलीच कारवाई झाली नाही. साहेब प्रशांत दळवी गेल्या कित्येक महिन्यांपासून कित्येक दिवसांपासून या विषयावर बोलत आहेत. परंतु तिकडचा प्रभाग अधिकारी याच्यावर कुठलीच कारवाई करत नाही. आज पोटतिडकीने ते बोलत आहेत. आज आपल्याकडून या सभेच्या माध्यमातून आज योग्य ती कारवाई ठोस कारवाई आश्वासन नको कारवाई व्हावी अशी अपेक्षा आहे.

#### प्रशांत दळवी :-

आयुक्त महोदय, मी तुम्हाला विनंती केली आहे याच्याही पुढे सांगेन की ज्यावेळेला आपण आदेश दिले त्यावेळी पूर्ण कर्मचारी, पोलिस वर्ग आपल्या ६ प्रभागाच्या गाड्या ते पथक तिकडे गेले होते ते पथक

पोलिस प्रोटेक्शन असताना बाऊंसर असताना सुध्दा काही निवडक त्यातले ते फेरिवाले अनधिकृत फेरिवाले ते फाईल घेऊन आले आणि ते आपल्या प्रभाग अधिकाऱ्याला सांगतात जर तुम्ही कारवाई करणार असाल तर याच्यावर सही करा आम्ही तुम्हाला कोर्टात बघून घेऊ अशाप्रकारे धमकी देतात या पत्रावरती या फाईलवरती सही करा तरच कारवाई करा. मग आम्ही तुम्हाला कोर्टात बघून घेऊ अशाप्रकारच्या धमक्या देतात सर. त्याच्यानंतर बंद झाली कारवाई. कारवाईच नाही सगळे निघून जातात. आयुक्त महोदय ४ वाजल्यापासून सकाळी ११ वाजल्यापासून चालले काय? लोक जीव मुठीत धरून आणि अनधिकृत फेरिवाल्यावरती तिकडच्या आई बहिणींनी कित्येक वेळा जाऊन मिरारोड पोलिस स्टेशनमध्ये त्यांच्या विरोधात एफ.आय.आर दर्ज केले. महापौर मॅडम हे शाळेत येणारे जाणारे जे लहान मुले आहेत. महिला वर्ग आहे त्यांना छेडछाड करण्याचा प्रयत्न होत आहे आणि तशा प्रकारच्या या कनाकिया पोलिस स्टेशनमध्ये मध्यंतरी ३-४ गुन्हे दाखल झाले आहेत त्यांच्यावरती एवढ असताना आज आपल्याला ब्लॅकमेल करतात. आयुक्त महोदय पोलिस फोर्स आहे आपल्याकडे बाऊंसर आहेत आता. माझी एक विनंती आहे साहेब तुम्हाला आम्ही पोटतिडकीने बोलतोय आम्हाला त्या विभागामध्ये काम करायचे असते आम्हाला तिकडची जाणीव आहे कारण त्या क्षेत्रामध्ये मी स्वतः राहतो. माझी एक विनंती असेल तुम्हाला आणि माझ्या सगळ्या सन्मा. सदस्यांना पण की हा फार विषय गंभीर आहे याला तुम्ही वेळेत पायबंद करा धन्यवाद.

#### मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडम, लक्षवेधीमध्ये त्यांनी लक्षवेधी विचारली त्यांनीच बोलावे असे अभिप्रेत आहे. सगळ सभागृह बोलेल तर तेच विषय परत परत बोलण्यामध्ये काहीच अर्थ नाही. लक्षवेधी त्यांनी विचारली त्यांनी त्यांचे मांडलेले आहे मला उत्तर देऊ द्या. मा. महापौर मॅडम दळवी साहेबांनी आता जो सभागृहामध्ये विषय मांडलेला आहे. अनेकवेळा विषय चर्चेला आला दिप्ती भट मॅडमने देखील हा विषय मांडलेला आहे आणि शहरातल्या बऱ्याच कानाकोपऱ्यामध्ये या विषयावरती अनेक वेळा सभागृहामध्ये चर्चा झाली प्रशासनाने काहीच कारवाई केली नाही या मताशी मी सहमत नाही पहिला मुद्दा. अनेकवेळा आपल्या विनंतीला मान देऊन किंवा आपण आल्यानंतर तुमचा रिस्पेक्ट ठेवून आम्ही संबंधित अधिकाऱ्याला बोलावून घेतल माझ रेकॉर्डवर आहे. प्रशासनाने काहीच कारवाई केली नाही हे सभागृहामध्ये निघून सांगता येतं आणि आम्ही काय कारवाई केली ते माझ रेकॉर्ड बोलेल मी बोलत नाही. मी तुम्हाला सभागृहाच्या बाहेर गेल्यावर आल्यानंतर हे कारवाई करण्यासाठी काय काय केले ही मी सांगू शकतो. अनेकवेळा कारवाई केलेली आहे. मी आपल्या सभागृहाला मी इथे ठासून सांगू इच्छितो कारण आपल्या समाधानासारखी कारवाई झाली नसेल. आपण जे म्हणता कोण हफ्ते वसूल करतो ते सगळ्या जगाला माहिती आहे कोण हफ्ते वसूल करतो आणि काय करतो. ते कशामुळे कारवाईमध्ये व्यत्यय येते हे सुध्दा सगळ्या गोष्टी माहित आहे. मी सभागृहामध्ये काही गोष्टी बोलू शकत नाही म्हणजे प्रशासनावर काहीही आरोप प्रत्यारोप करणे मला योग्य वाटत नाही आणि आम्ही कारवाई केली नाही माझे रेकॉर्ड बोलेल मी एस.पी. साहेबांबरोबर बोललो आहे मी डी.वाय.एस.पी. साहेबांबरोबर बोललो आहे. अनेकवेळा बंदोबस्त घेतला आहे. अनेकवेळा बंदोबस्त मिळाला नाही. बंदोबस्त मिळाल्यानंतर जी पाहिजे तशी कारवाई व्हायला पाहिजे तशी झाली नाही त्याच्यामुळे शेवटी मी म्हटलं की मी स्वतः साईटवर उभा राहून कारवाई करेल आणि आपल्याला आश्वासन देतो की उद्यालाच कारवाई लावणार उद्याच पोलिस बंदोबस्त घेणार आणि माझे सगळे अधिकारी त्याच्यामध्ये मी समावेश करेल याच्यामध्ये आपण प्रशासनाला सहकार्य करावे. कारण हा गावचा लॉ एन. ऑर्डरचा प्रॉब्लेम आहे हे लक्षात आपण घ्यावे. म्हणून मी एस.पी. साहेबांना स्वतः जाऊन भेटलो एस.पी. साहेबांना स्वतः सांगितले की सर हा प्रॉब्लेम फार सिरियस प्रॉब्लेम आहे. याच्यामध्ये मी त्यांना पत्र दिलेले, स्वतः पत्र देऊन विनंती केली आहे की सर असा उद्याला काही प्रकार घडू शकतो त्याच्यामुळे याच्यात आपण सिरियसली लक्ष द्यावे म्हणून आपल्याला सांगितले होते की काही कारणामुळे आम्हाला त्यावेळी बंदोबस्त पाहिजे तितका मिळाला नाही. मी त्यांना बंदोबस्त किती द्यायचा याचेसुध्दा पत्र दिले आहे १०० बंदोबस्त द्यावे म्हणून पत्र दिले आहे एस.आर.पी. चे ..... किती पाहिजेत पोलिस डिपार्टमेंटची माणस किती पाहिजे, डी.वाय.एस.पी. किती पाहिजेत, पी.आय. किती पाहिजेत हे मी नमूद करून दिले आहे. आपण काहीच कारवाई केली नाही हे शब्द आपण मागे घ्यावे अशी माझी तुम्हाला विनंती आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

#### नगरसचिव :-

मा. महापौरांनी जेवणाची वेळ घोषित केली आहे. एक तासासाठी.

#### नगरसचिव :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने सभा कामकाजास सुरुवात करावी.

#### नयना वसाणी :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने माझा एक हरकतीचा मुद्दा आहे मला तो आज इथे मांडायचा आहे. विथ ड्यू रिस्पेक्ट टू बोथ कार्पोरेटर्स ऑफ प्रभाग ३६. म्हणजे त्यांच्या प्रती माझं पूर्ण सन्मान आहे पण मी काल त्या प्रभाग ३६ मध्ये एका कार्यक्राममध्ये उपस्थित असताना सेक्टर ६ सर्वेश्वर मंदिर ग्राऊंड हे ग्राऊंड मला आयुक्तांकडून माहिती पाहिजे की महानगरपालिकेचे आहे की अजून शांती स्टार बिल्डरच्या हातात आहे कारण साहेब असं झालेले आहे की, तिथे एका कार्यक्रामाला मी त्यासंस्थेची मॅबर असून उपस्थित होते, त्याशिवाय मी तिकडे गेस्ट, म्हणून उपस्थित होते ते एकच ग्राऊंड २ संस्थांना भाड्यावर दिले गेले आहे.

एकाच दिवशी एका समाजाला असं सांगितले की हे महानगरपालिकेचे ग्राऊंड आहे त्याच्याकडून ३५०० रुपये घेतले गेलेले आहे माझ्याकडे त्याची रिसिप्ट आहे आणि दुसऱ्या समाजाला हे सांगितले गेले आहे की हे आमच्या हातात नाही तुम्ही शांती स्टार बिल्डरची एन.ओ.सी. आणा. त्यावेळेला तिकडचे दोन्ही समाजाचे लोक आपसात भांडायला लागले होते मी प्रभाग ३६ च्या सन्मा. नगरसेवकांना फोन करण्याचा प्रयत्न केला कारण माझा प्रभाग नाही. तर एक कार्पोरेटर ते आऊट ऑफ स्टेशन होते आणि एकाचा फोन लागला नाही तर हा हरकतीचा मुद्दा मला उत्तर पाहिजे आपल्याकडून कारण हे १००-२०० लोकांच फंक्शन होता आणि तिकडे मी काहीतरी समाधान काढू शकले. आयुक्त महोदय आय नीड यूअर अटेंशन प्लीज. १००-१५० लोकांचा हा प्रोग्राम होता. मी तिथे बसून एक समाधान तेवढा काढला की दोघांनी तो प्रोग्राम चालु ठेवा कोणाचेही नुकसान होता कामा नये. परंतु जर एखाद्या समाजाने ५००-१००० लोकांकरिता हे असं ग्राऊंड घेतले असेल आणि तुम्ही २ समाजांना त्यावेळी दिलेले असेल तर तुम्ही कुठल्या समाजाची फजिती कराल. एक डॉक्टर असोसिएशन आहे. आज पंडित भिमसेन जोशी रुग्णालयाकरिता आपण डॉक्टरच्या पुढे हात करतो की तुम्ही ऑनररी सर्विस द्या आणि काल त्याच डॉक्टरच्या प्रोग्रामला आपण त्रास दिला आहे महानगरपालिकेद्वारा. सर अजुन एक सांगते दुसऱ्या समाजाने श्री. नारायण समिती त्यांच्याकडे शांती स्टार बिल्डरची एन.ओ.सी. आहे. जर ते ग्राऊंड शांती स्टार बिल्डरच्या हातात आहे तर मग महानगरपालिकेचे अधिकारी तिकडे साफसफाई का करतात. मग तो खर्च आपण का भोगायचा. त्याचे फोटोग्राफ्स आहेत माझ्याकडे. आणि अजुनही कुठल्याही समाजाचा फंक्शन मला खराब करायचा नाही. ज्यू रिस्पेक्ट टू श्री नारायण समिती त्यांना हे ग्राऊंड शांती स्टार बिल्डरने २४ तारखेला सुध्दा दिलेले आहे. म्हणजे तो प्रोग्राम आता त्यांचा उरकून द्यावा. पण माझ्या माहितीप्रमाणे २४ तारखेला सुध्दा महानगरपालिकेने दुसऱ्या एका व्यक्तीला सुध्दा ते ग्राऊंड दिले आहे. मग त्या दिवशी परत त्यांची फजिती करावी आपण.

**मा. आयुक्त :-**

संबंधित अधिकारी बोलावलेत आल्यावर उत्तर देतील.

**जुबेर इनामदार :-**

आयुक्त साहेब २०१४ मार्चमध्ये शांती नगरचा जो पूर्ण प्रकल्प आहे त्यांनी पालिकेला अॅग्रीमेंट करून हॅन्डओव्हर केलेले आहे. आर.जी. म्हणजे त्याच्यामध्ये आर.जी. रस्ते आपण करतो दिवेबत्ती पालिका करते, पाणीपुरवठा पालिका करते हे सगळ झाल्यानंतर आधी ही प्रथा असायची की त्या जागेवर कुठलाही कार्यक्रम करायचा असला तर त्याची एन.ओ.सी. लागायची. आता ही म्हणजे मधल्या काळामध्ये सन्मा. सदस्या नयना मॅडमने आणला आहे. असाच विषय माझ्याकडे आला होता. आमच्या प्रभाग समितीचा मी तिथे होतो. योगायोगाने त्यांनी एन.ओ.सी आणायला पाठवले. ते लोक माझ्याकडे आले साहेब त्यांनी आम्हाला एन.ओ.सी. आणायला पाठवले. मी प्रभाग अधिकाऱ्यांना विचारले एन.ओ.सी. ची गरज काय? पालिकेला हस्तांतर झालेल्या विषयाला विकासकाच्या एन.ओ.सी. ची गरज काय? आम्हाला त्याची कल्पना नाही तेव्हा धनेगावे साहेब होते. धनेगावे साहेबांना मी फोन करून सांगितले. धनेगावे साहेबांनी प्रभाग अधिकाऱ्याला सुचना दिली की तुम्ही परस्पर एन.ओ.सी. ची परवानगी देवू शकता का? साहेब कुठे तरी हा विषय प्रलंबित आहे. नगररचना आणि बाकीच्या प्रभाग क्षेत्रामध्ये तो विषय गेलेला नाही. डिपार्टमेंटली तो विषय त्याचा संबंधित नसल्यामुळे तो विषय अडकलेला आहे त्याची जरा चौकशी करा.

**अश्विन कासोदरिया :-**

महापौर मॅडम आपकी परवानगीसे बोल रहा हूँ, आयुक्त साहेब जो विषय आया है वो ग्राऊंड मेरे प्रभाग के अंदर आता है। और वो ग्राऊंड की शांती स्टार बिल्डरने आर.जी. जगह जितनी भी है हॅन्डओव्हर किया है। मैं आपसे जानना चाहता हूँ की आर जी प्लॉट है। पालिका को हॅन्डओव्हर किया है तो निर्णय पालिका लेगी या शांती स्टार बिल्डर लेगा कौन चलाएगा।

**मा. आयुक्त :-**

महानगरपालिकेला जर ग्राऊंड हॅन्डओव्हर केले असेल तर त्या संबंधित बिल्डरचा काही संबंध नाही.

**अश्विन कासोदरिया :-**

मैं यह पूछना चाहता हूँ की फिर यहाँ के जो नगररचना विभाग के अधिकारी है उसने अॅग्रीमेंट क्यों किया है शांती नगर बिल्डर से आर.जी. जगह पे की उसने अन्य संस्था को चलाने दिया है। वो कौन होता है शांती स्टार बिल्डर जो आर जी. जगह पे वो चलाने देगा। और वो जगह हॅन्डओव्हर किया है पालिकाके ताबेमें है। मैं वहाँ पे हर एक फंक्शन के अंदर पैसा पे करके फंक्शन करता हूँ। जब पालिकाके की जगह है तो शांती स्टार की एन.ओ.सी. क्यों लगती है। अभी आगे उधर देखो काम भी किया है। माजी सभापती शरद पाटीलजी के निधी से सब लादी बिठाया सुशोभिकरण किया वहाँपे पुरी जगह महानगरपालिका की है और उसमें जो भी संबंधित अधिकारी नगररचना विभाग के उसने गलत अॅग्रीमेंट किया है की अलग अलग संस्था को खुद चलाने दे दिया है। शांती स्टार बिल्डर ने वो अधिकारी जिसने भी उसके साथ मिली भगत से जो काम किया है। पेहले तो उनको सस्पेंड करना चाहिए। क्योंकि वो पालिका के जगह है पालिका महासभा निर्णय करेगी क्या करना क्या नहीं करना पालिका उसको कैसे खुद चलायेगी की उसको चलाने देगा वा पालिका निर्णय करेगी। महसभा निर्णय करेगी तो मैं आपसे चाहता हूँ इसकी पूरी चौकशी होनी चाहिए। क्योंकि उसके वजह से आज वहाँपे कुछ काम भी अनलिगल हो रहा है। और पूरा शांती स्टार बिल्डर ने मंदिर बनाया लेकीन उसकी आर जी जगह के अंदर उसने मंदिर निर्माण किया है। ट्रस्टी वो खुद है। जिसकी

एफ.एस.आय होती है वो खूद उसने यूज कर ली है। और दूसरा वहाँपे बहोत प्रोब्लेम चल रहा है। तो उसपे ध्यान दिजीए सर। उसकी पूरी इनक्वायरी करो जहाँ अपण गये थे बारिश के टाईम पे महापौर मॅडम मै जो अनैतिक बांधकाम है, स्पोर्ट क्लब जो वहाँ पे वो क्रिकेट पैसा लेके कोचिंग दे रहे है। तो मैं चाहता हूँ वो इलिगल बांधकाम वहाँसे हटाए और वहाँपे जो भी एक प्लान मंजुर किया है आमदार निधी से मंदिर हॉल करने जा रहे उधर और सर आपसे एक विनंती है उसी तरह अपनी जितनी भी जगह है आर जी जगह उसमे एक भी पालिका का एक भी बोर्ड नहीं है तो मैं आपसे चाहता हूँ कल के कल महानगरपालिका का आर जी का बोर्ड लगना चाहिए की यह जगह महानगरपालिका की है तो मैं आपसे विनंती करता हूँ जितनी जगह आर जी है उसके उपर कल के कल महानगरपालिका का बोर्ड लगना चाहिए। धन्यवाद।

**सीमा शहा :-**

मा. महापौर मॅडम यह जो अनुसंधान चल रहा है। कल नयनाजी का फोन आया वो ही बात मुझे पता चली एन.ओ सी दिया गया है. यह आज पहली बार का नहीं हुआ है बारी बारी हो रहा है हम एक खुल्ला विरोध करते हैं, शांती स्टार बिल्डर के यह बात को लेके की यह आर जी ग्राऊन्ड की कोई भी एन ओ सी नहीं दि जाए दूसरी बात वहाँ पे इलिगल बोल के भी जो युनिवर्सल क्लब चल रही है उसके फोटोग्राफ्स आज तक हम ६ बार पालिका को दे चुके है। की जो इलिगल है एन ओ सी जो टाईम पे उनको मिली होगी वो पालिका के और से मिली थी या शांती स्टार से मिली थी वो हमारे पास रेकॉर्ड नहीं है। आज हम वो हटाने का भी बारी बारी एक ही बात कह रहे है तो भी आज तक नहीं हुआ है। मेरी विनंती है सभागृह के सामने आप जितना हो सके जल्दी वो इलिगल टोटल स्ट्रक्चर हटाए। जितनी भी जरूरत है आर जी ग्राऊन्ड के लिए मैं ऑलरेडी लेटर दे चुकी हूँ की आर जी है तो हमें उसके लिए वहाँपे बोर्ड चाहिए की पालिका का आर जी ग्राऊन्ड है। नथिंग एल्स और कोई यूज ना कर सके कल नयना जी को जितनी तकलीफ पडी वो असोसिएशन को पडी या सामने नांबियार जी को जो संस्था चल रही है उसको पडी वो सबके लिए कही ना कही कसुरवार हम ही है। और कोई पार्टी है वहाँपे कितने सालोंसे लकडीओंका काम पडा हुआ है। कोई उठानेवाला नहीं है हर प्रभाग अधिकारी भी यह बात सुनते नहीं है। आर.जी. ग्राऊन्ड के अंदर जमावडा बोलके नहीं बोलके १० साल से पडा है। वो चिज वहाँसे उठती नहीं है। बारी बारी कम्पलेन्ट करने के बाद तो जितना हो सके उतने जल्दी हो सके उतने जल्दी यह सुविधा हमे करके दिजीए।

**नयना वसाणी :-**

सेक्टर नं. ६ हा माझा प्रभाग नाही पण दोन्ही सन्मा. नगरसेवक अट्टेलेबल नव्हते आणि मी गेस्ट म्हणून तिथे होते. पण गेस्ट म्हणून नाही तर लोकप्रतिनिधी म्हणून मला तिकडे पुढाकार घ्यावा लागला. आणि आज आपण डॉ. असोसिएशनला विनंती करतो की तुम्ही पंडित भिमसेन जोशी साठी आम्हाला मदत करा. हॉस्पिटल साठी आणि त्याच असोसिएशनला त्याचा त्रास झालेला आहे सेक्टर ६ चे जे ग्राऊन्ड आहे ते बिल्डरचे आहे का आपल्या ताब्यात आहे.

**दिपक खांबित :-**

शांती नगरमध्ये आर जी च्या ज्या जागा आहेत त्या आर जी रस्ते आणि ओपन स्पेस जागा आहे त्या विकासकाने आपल्याकडे २००७ आणि २०१४ ला अॅग्रीमेन्ट करून हॅन्डओव्हर केली आहे.

**नयना वसाणी :-**

मग पालिकेने श्री. नारायण समितीला अस का सांगावे प्रभाग अधिकारी नी की ते आमच्या हातात नाही. आणि तुम्ही शांती स्टार बिल्डरची एन.ओ.सी घेऊन या.

**दिपक खांबित :-**

त्याच्यामध्ये बघायला पाहिजे त्यांनी जे ड्रॉइंगवरती मार्क करून दिले त्याच्यावर ते आहे की नाही असेल तर मग.....

**नयना वसाणी :-**

आणि जर मग ते मार्क करून दिलेले नसेल त्याच्या ताब्यात असेल तर मग महानगरपालिकेच्या अधिकारी तिकडे रोज साफसफाई करून आपण का खर्च करावा?

**मा. महापौर :-**

प्रश्न यह है प्रभाग अधिकारी को यह मालूम नहीं है की उनका है उनका है तो फिर एक संस्थासे उसने ३५०० लिए क्यूँ। अगर नहीं मालूम है इफ इज इट नॉट शुअर ही शुडन्ट टेक द मनि.

**नयना वसाणी :-**

मा. महापौर मॅडम आणि आज ते संपणार नाही २४ तारखेला सुध्दा श्री. नारायण समितीला दिलेले आहे. आणि माझ्या माहितीप्रमाणे २४ तारखेला श्री. सुधीर कांबले यांना सुध्दा प्रोग्रामसाठी तेच ग्राऊन्ड दिले गेलेले आहे. आता तुम्ही कोणाला नाही सांगणार.

**दिपक खांबित :-**

मा. महापौर मॅडम जस्ट विषय आला वॉर्ड ऑफिसरला बोलावून घेतो आणि माहिती देतो सकाळी १०.०० वाजता.

**नयना वसाणी :-**

माझ अस म्हणण आहे की २४ तारखेला ज्यांना दिलेले आहे त्यांना ते वापरू द्यावे कारण त्यांनी त्यांचे पॅम्पलेटस वाटलेले आहेत. त्यांच नुकसान करू नका. दोन्ही संस्थाचे पण ज्या संस्थाला त्रास झालेला आहे

मिरारोड मेडिकल प्रॅक्टीशनर असोसिएशन त्यांना तुम्ही त्यांचे पैसे परत करा. तुम्हाला अधिकार नाही त्यांचा पैसा वापरायला.

**दिपक खांबित :-**

ठिक आहे वॉर्ड ऑफिसरना बोलावून घेतो. ते आले की लगेच उत्तर देतो मिटींग चालू असताना.

**मर्लिन डिसा:-**

मॅडम याच अनुषंगाने बोलते सेम थिंग शितल नगरमध्ये पण जो आर.जी प्लॉट आहेत त्या बिल्डरला वारंवार बोलून सांगितलेले आहे सगळ कमिशनर साहेबांनी सांगितलेले आहे. ७३२ आणि ७३३ पण जेव्हा पण काम करायच असत आपल्या पालिकेची माणसे जाऊन करतात ही हॅज टू प्रिपेर द ग्राऊन्ड अॅन्ड द गिव्ह इट टू द लोकल पिपल देअर पण आपली माणसे तिकडे जाऊन काम करतात आणि आपल्या पालिकाचे पैसे वेस्ट होत आहेत तिकडे हॅन्डओव्हर नाही केलेले पण ज्यावेळी हेयरिंग असते साहेबांना माहित आहे आता दोन महिन्याचा टाईम दिला आहे. तो करून देणार म्हणून अजिबात काही काम केलेले नाही. आपल्या पालिकेची माणसे जाऊन तेथे काम करतात आणि नवरात्रीपण मोठया स्केलवर त्यांनी केली होती. पैसे घेऊन केली होती तिकडे

**रोहिदास पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम याच्यावर आयुक्त साहेब स्पष्ट निर्देश द्या. ज्या आपल्या मालमत्ता आहेत आर जी तिथे आपले बोर्ड असले तर हा विषय येणार नाही. महानगरपालिकेची मालमत्ता आहे ही आर जी महानगरपालिकेचा आहे. ज्या आर जी आपल्या ताब्यात आल्यात आपल्याला त्याचा काही फार मोठा खर्च नाही. त्या सगळ्या नगरसेवकाना या आर जी महानगरपालिकेच्या ताब्यात आहेत मग प्रश्नच येणार नाही. लोकांमध्ये गैरसमज होणार नाही. आम्ही सत्ताधारी असून गैरसमज होतो ना ह्यांच्यामध्ये काही कारण नसताना काही हेतू नाही काही कारण नाही.

**मा. आयुक्त :-**

खांबित ज्या आर जी आपल्या ताब्यात आल्या आहेत तिथे आपल्या महानगरपालिकेचा बोर्ड लावून टाकावेत आणि ही शांतीस्टार बिल्डरची जी आरजी ताब्यात आलेली असेल तर त्यांची एन ओ सी घेण्याची मला वाटते काही आवश्यकता नाही.

**सिमा शाह :-**

आयुक्त साहेब युनायटेड स्पोर्ट्स क्लब करके जो है उनको जितना जल्द हो सके आप कहो तो हम अनशन करने को तयार है। वहाँ बैठके क्योंकि सच्चा ढाई साल हो गया प्लीज जो भी है उनको यहाँ से हटाने की जल्द से जल्द कोशिश की जाए।

**अश्विन कासोदरिया :-**

जो अॅग्रीमेंट किए है शांती स्टार बिल्डरने अपने नगररचना विभाग के अधिकारी के साथ उसकी चौकशी होनी चाहिए। वो कौन होता है की यह आर.जी. प्लॉट है तो दो कोई भी संस्था को चलाने के लिए।

**मर्लिन डिसा :-**

साहेब ते शितल नगरचे पण त्यांनी जर या महिन्याच्या अखेरपर्यंत नाही केले तर आपण हॅन्ड ओव्हर करून घ्या आणि आपल्या ताब्यात घ्या ते बारीकगेट लावून त्याने बंदी घातली आहे मुलांना खेळायला नाही सोडत तो माणूस.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १२९, दि. १३/०७/२०१५ व दि. २२/०७/२०१५ रोजीच्या मा. विशेष महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

**रोहिदास पाटील :-**

दि. १३/०७/२०१५ व दि. २२/०७/२०१५ रोजीच्या मा. महासभांच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या सुचना व दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

**शरद पाटील :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**मदन उदित नारायण सिंह :-**

महापौर मॅडम, अनुपालन का क्या हुआ? अनुपालन अहवाल मागच्या वेळी पण मी बोललो होतो साहेब.

**मा. महापौर :-**

आपण सांगितले आम्ही अनुपालन अहवाल सादर करणार ते दिले नाही.

**नगरसचिव :-**

अनुपालन अहवाल हा प्रशासनाकडून येतो.

**भगवती शर्मा :-**

यह विषय बहुत पहले ठराव के द्वारा हुआ था यह निर्णय की प्रत्येक महासभा में जो भी ठराव होते हैं इसके अलावा जैसे अभी नयना वसाणी मॅडमने बोला था ऐसे कई सदस्य हैं जो मुद्दे उठाते हैं। उनका अगली महासभा के अंदर में अनुपालन अहवाल आना चाहिए। मेरे खयाल से ५-७ मिटींग में आया भी था उसके बाद

पिछले साल भर से में देख रहा हूँ की कोई भी अनुपालन अहवाल आ नहीं रहा। महापौर मॅडम सचिव साहेब हमेशा जब भी यह प्रश्न उठाते हैं तो वो आयुक्त साहब की तरफ देखते हैं की, प्रशासन कोई कारवाई करके मेरे को देते नहीं है तो मैं क्या करु। इसका उत्तर तो आज ठोस मिलना चाहिए।

**मा. आयुक्त :-**

सचिव साहेब संबंधित डिपार्टमेंटकडून माहिती कलेक्ट करुन आपल्या येणा-या सभागृहामध्ये ते सादर करावे.

**मदन उदित नारायण सिंह :-**

आयुक्त साहब यह जो अभी पिछली महासभा में गोषवारा हुआ है। आयुक्त साहब यह बहुतसे विषय है। आप हमसे प्रस्ताव लेते हो आप हमसे ठराव करके लेते हो और हमने ठराव भी दिया मंजूरी भी दिया और बाद में क्या होता है। हम ठराव कुछ करते हैं और आप कर कुछ देते हैं ऐसा हुआ है। अभी प्रकरण क्र. ७५ आपने हम लोगो से ठराव रखा था जगदाले, कुरळेकर, सावंत इन तिनों पे कारवाई करने की हमने ठराव में मंजूरी दिया की कारवाई करो, आपने कारवाई किया भी और बादमें आपने उनको कब वापस रख लिया सभागृह को पताही नहीं चला। आप जो बोलो खाली प्रस्ताव पे हा करे बादमें आप अपनी मनमानी करो ऐसा कैसा चलेगा। ठराव ७५ में पुरी महासभा में एक सर्वानुमते से मंजूरी दिया है। और उसी प्रस्ताव पे आपने कारवाई करके बाद में वापस रख लिया तो इसमें सबको शंका आती है की, क्या हो गया? कुछ गडबड है की कुछ उपर निचे है और अगर आपने कुछ चेंजेस किया तो महासभा को फिरसे विश्वास में आपने क्यों नहीं लिया? और विश्वास में नहीं लेना था तो आपने ठराव लाया क्यों? केबीन में ही कर देते उसे।

**मा. आयुक्त :-**

येणा-या महासभेमध्ये अनुपालन अहवाल देण्यात येईल.

**मदन उदित नारायण सिंह :-**

मागचे पण सर.

**प्रकरण क्र. १२९ :-**

दि. १३/०७/२०१५ व दि. २२/०७/२०१५ रोजीच्या मा. विशेष महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

**ठराव क्र. ९७ :-**

दि. १३/०७/२०१५ व दि. २२/०७/२०१५ रोजीच्या मा. महासभांच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या सुचना व दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

**सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील**

**अनुमोदक :- श्री. शरद पाटील**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३०, मतदार याद्यांतील नावे वगळणेबाबत. संदर्भ :- मा. जिल्हाधिकारी व जिल्हा निवडणुक अधिकारी, ठाणे यांचे कार्यालयाकडील क्रमांक/सामान्य/का-१/टे-३/कावि, दिनांक :- ०५/१२/२०१५ रोजीचे पत्र.

**प्रशांत दळवी :-**

मा. जिल्हाधिकारी व जिल्हा निवडणुक अधिकारी, ठाणे यांनी वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादी सर्वसाधारण बैठकीत पटलावर आणून सदर यादी सन्मा. महापालिका सदस्यांच्या निदर्शनास आणून दिलेबाबतचा ठराव करणेबाबतच्या सुचना दिलेल्या आहेत.

त्या अनुषंगाने १४५ - मिरा भाईदर व १४६ - ओवळा माजिवडा विधानसभा मतदार संघातील वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादी मिरा भाईदर महानगरपालिका, नगरसचिव कार्यालय, तिसरा मजला, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, भाईदर (प.) येथे सन्मा. महापालिका सदस्यांना पडताळणीसाठी उपलब्ध करण्यात आलेली आहे.

वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादी सर्वसाधारण बैठकीत विषय पटलावर आणून सदर यादी सन्मा. महापालिका सदस्यांच्या निदर्शनास आणून दिलेबाबतचा ठराव पारित करणेसाठी मा. आयुक्त, मिरा भाईदर महानगरपालिका यांनी शिफारस केलेली आहे. १४५ मिरा भाईदर व १४६ ओवळा माजिवडा विधानसभा मतदार संघातील वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादीचे अवलोकन करण्यात आले. तसेच यापुढे जिल्हा निवडणुक मतदार नोंदणी अधिकारी नविन मतदार यादी तयार करतील व ती प्रसारीत करतील त्यावेळी त्यांनी प्रसारीत केलेली यादी आधी आगावू महानगरपालिकेकडे उपलब्ध करुन द्यावी जेणेकरुन सर्व सन्मा. सदस्यांना ती देवून त्यांचेकडुन हरकती सुचना घेवून त्यावर कार्यवाही करुन व तसे यादीत सुधारणा करता येईल अशी दक्षता घेण्यात यावी असा मी ठराव मांडत आहे. तसेच ज्या कोणाला वगळणी केलेली नावाची यादी हवी असल्यास त्यांनी नगरसचिव कार्यालयातुन पेन ड्राईव्ह, ई-मेल अथवा सी.डी. (सॉफ्ट कॉपी) द्वारे घ्यावी असा ठराव मांडत आहे.



## प्रशांत केळुसकर :-

माझे अनुमोदन आहे.

## भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम, पहली बात तो ऐसा विषय आजतक इस हाऊस के अंदर कभी आया नहीं। इलेक्शन कमिशनरने या जिल्हाधिकारी कार्यालय ने दिया है। विषय लाया ठिक है। लेकिन यह विषय के अंदर में, मेरे खयाल से किसी भी सदस्यों को मालुम नहीं होगा की उनके वॉर्ड के अंदर में कितने लोगो का नाम इसके अंदर में काटा गया है उनकी कोई जानकारी नहीं होगी और आज बिना जानकारी के अंदर में मेरे खयाल से इस हाऊस के अंदर में अगर हम मंजुरी देंगे तो गलत होगा। कही वॉर्ड के अंदर में किसी का भी नाम अगर हटा दिया गया है और कोई व्यक्ति बोलेगा मेरा नाम क्यों हटाया गया जब की मैं वहाँ का मतदार हूँ। तो वहाँ पे जवाब देना भारी पड़ेगा। पहले तो यह मंजुरी आज नहीं दे करके जब तक इन्होंने लास्ट में लिखा है की सबको ई-मेल के द्वारा या सचिव के कार्यालय के अंदर जानकारी ली जाए वो जानकारी लेने के बाद के अंदर में पुरा अध्ययन करने के बाद में ही इस ठराव को मंजुरी दिया जाए तो ही उचित होगा।

## मा. महापौर :-

भगवतीजी ठराव ही इस तरह का है की एक महिने के अंदर आपकी जो सुचनाए है वो भेजी जाए। वो सूचनाओं को वहाँ भेजा जाएगा।

## भगवती शर्मा :-

मॅडम आनेवाले की बात है उसके अंदर में अभीवाले जो भी आए उसको हम मान्यता दे रहे है। तो हमारा एकही कहना है। आज हम उसको मान्यता न दे आज तक किसी भी सदस्य के पास यादी नहीं होगी। किसी के पास भी मेल द्वारा नहीं गई होगी। सचिव महोदय को बोला था की मेरे को ईमेल के माध्यम से भेजीए आज तक उन्होंने नहीं भेजा।

## मा. महापौर :-

सचिव साहेब खुलासा करा.

## नगरसचिव :-

ज्या प्रस्तावाबाबत चर्चा चालु आहे. या अगोदर ऑक्टोबरमध्ये निवडणुक निर्णय अधिकारी जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्यामार्फत यादी प्रसिध्द होऊन त्याच्यावर ऑब्जेक्शन, सजेशन लावून ती यादी अंतिम झालेली आहे. ती यादी माहिती करिता त्यांनी आपल्याकडे दिलेली होती. अवलोकन करण्यासाठी त्यासाठी हा प्रस्ताव आलेला आहे. या प्रस्तावात आता म्हटलेले आहे त्यामुळे पुढील जेव्हा यादी प्रसिध्द होईल प्रसिध्द व्हायच्या अगोदर आपल्याकडे कळवावी म्हणजे त्याच्यावरून आपल्याला नावे तपासून ऑब्जेक्शन घेता येईल असे आपण या ठरावात टाकलेले आहे.

## भगवती शर्मा :-

नही प्रसिध्द हुआ उसकी किसको जानकारी है। किसी के भी जानकारी में नहीं है की यादी प्रसिध्द हुई है।

## जुबेर इनामदार :-

वगळलेले नावे त्याला आम्ही मंजुरी देणारे होतो कोण?

## भगवती शर्मा :-

साहब अवलोकन है। लेकिन जब तक हमारे पास में यादी ही नहीं है अभी इन्होंने कहाँ ऑक्टोबर के अंदर में वो ऑलरेडी हो करके उसको मान्यता दि गई है। तो हमारे पास वो यादी ही नहीं है। आज हम सदन में चर्चा करेंगे कल को वॉर्ड में जाएंगे की आपके हाऊस के अंदर में ऐसी चर्चा हुई और हमारा नाम क्यों काटा गया। क्या जवाब देंगे उसको हम। जो नहीं आनेवाली यादी है उसके बारे में आपने कहाँ वो एकदम उचित है। लेकिन जो पुरानी है उसका अवलोकन करने का कोई मतलबही नहीं है।

## जुबेर इनामदार :-

सचिव महोदय यादीचे अवलोकन आता नरेंद्र मेहता साहेबांचा मी नाव रद्द किंवा कट झाले असेल, वगळ्यात आले असेल ती यादी अवलोकन करणारा मी होतो कोण? आम्हाला अधिकार कोणी दिला.

## नगरसचिव :-

यादी शासनाने ऑलरेडी मतदान नोंदणी अधिकारी यांनी यादी यापूर्वीच प्रसिध्द केलेली आहे. त्यावर ऑब्जेक्शन सजेशन सर्व झालेले आहे. फक्त ती यादी आम्ही एवढे नाव आम्ही हे वगळलेले लोक नगरपालिका महानगरपालिकेला भविष्यात त्या याद्या बनवायच्या असेल त्यासाठी त्यांना ते शासनाने केली आहे. सर्वांना लोकांना नगरसेवकांना माहिती असावी की यादीत किती नावे कमी केली काय किती माहिती असावी. ही नावे ऑलरेडी वगळून त्यांच्या वेबसाईटवर प्रसिध्द केलेली आहे. आपण यादी बनवत नाही. फक्त आपल्याकडे जिल्हाधिकारी कडून प्रस्ताव आला की तुम्ही लोकांना अवलोकन .....

## जुबेर इनामदार :-

आमचही तेच मत आहे की, जिल्हाधिकारी निवडणुक निर्णय अधिकारी यांनी परस्पर निर्णय घ्यावा. आम्ही अवलोकन करणारे कोण? उद्या एखाद्या नागरिकाचे नाव वगळ्यात आले असेल तर तो उद्या मला विचारेल तुम्हाला माहिती होते तुम्ही मला सांगितले नाही.

**नगरसचिव :-**

ऑलरेडी ते वगळलेलेच आहे.

**भगवती शर्मा :-**

आमची सूचना अशी आहे की आमची मान्यता नाही. जे वगळलेली यादी आहे.

**आसिफ शेख :-**

प्रकरण क्र. १३०, १४५ मिरा भाईंदर विधानसभा संघ आणि १४६ ओवळा भाजीवडा विधानसभा संघ या विधानसभा मतदार संघातील जी नावे आहेत ती वगळ्या संदर्भात सन्मा. जिल्हाधिकारी महोदयांनी या ठिकाणी स्पष्टपणे आपल्याला आयुक्त महोदयांच्या निदर्शनास आणून की सदर बाबी मा. महासभेच्या निदर्शनास आणली पाहिजे. आयुक्त साहेबांनी स्वयंस्पष्ट या ठिकाणी गोषवारा दिला आहे. त्या गोषवा-यामधील पहिले दोन आणि शेवटचे पॅरेग्राफ वाचून दाखवतो की मा. जिल्हाधिकारी व जिल्हा निवडणूक अधिकारी ठाणे यांनी वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादी सर्वसाधारण बैठकी पटलावर आणून सदर यादी सन्मा. महानगरपालिका सदस्यांच्या निदर्शनास आणून दिल्याबाबतचा ठराव. आपण सांगितले सर्व सदस्यांच्या निदर्शनास आपण आणून दिलेली नाही. आणि असाच ऑटोमेटिक आपण आपल्या स्तरावर ठराव घेतो बहुमताच्या जोरावर ते योग्य नाही ते अयोग्य आहे. चुकीचा संदेश जाईल आणि हा ठाणे जिल्हाधिकारीने जो निर्णय घेतला आहे. शासनाने जो निर्णय घेतला आहे की सर्व सन्मा. सदस्यांनी त्याचे अवलोकन केले पाहिजे त्यांना दाखवायला पाहिजे कुणाची वगळावी कुणाची नाही किती नावे शिल्लक राहिलेली आहेत ते अॅक्चुअल आहेत का नाही जेनीयुन आहे का नाही हे तपासायला पाहिजे. सर्व सदस्य तपासतील ते लोकप्रतिनिधी आहेत त्या विभागातले. अस परस्पर आपण जर ठराव केला तर कृपया तो निवडणूक निर्णय आयोगाचा जे निर्देश दिले त्याचे उल्लंघन होईल आणि त्या विरुद्ध आपल्यावर कारवाई होऊ शकते. त्यामुळे आपण अशी चुकीची प्रथा पाडू नये. जे सांगितलेले आहे जे निर्देश आहेत आयोगाचे आहेत ते त्या प्रमाणेच आपण निर्णय घ्यायला पाहिजे अशाप्रकारे चुकीचा ठराव करण्यात येऊ नये. सन्मा. सदस्यांना यादी दाखवण्यात यावी.

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम, ठराव केला आहे. यादी जी ऑलरेडी ऑक्टोबर, नोव्हेंबर महिन्यात प्रसिध्द झाली, फायनल होऊन ते जानेवारीला किंवा डिसेंबरला बाहेर पडली. मला सुध्दा वाटत असेल की माझे नाव त्याच्यात नाही तरी मी या सभागृहामध्ये काही करू शकत नाही. त्याला कुठलही बदल करू शकणार नाही ती फाइनल झाली ऍंड झाली. हे फक्त केल आहे तर तुम्हाला एक पोचवली म्हणजे त्यात काही झाल असेल हे बघा माझं नाव तरी मी सांगू शकत नाही की ठराव करतोय. उदाहरण ओनली फॉर युअर इन्फॉर्मेशन म्हणून दिली. भविष्यात जर यादी प्रसिध्द होईल आणि ज्यावेळी आपल्याकडे उपलब्ध होईल त्यावेळी आम्ही ठराव केले आहे की जे एक महिन्याचा कालावधी असतो ऑब्जेक्शन, सजेशनचा त्यावेळी नगरसेवकांना सी.डी. च्या माध्यमातून द्यावे म्हणजे आम्हाला आमची भूमिका त्यामध्ये कमीत कमी मांडता येईल आणि येणा-या याच्यामध्ये आमचे ऑब्जेक्शन, सजेशन जे काही असेल सचिवांकडून जी माहिती प्राप्त होईल सर्व त्या संबंधीत इलेक्शन ऑफिसर असेल, जिल्हाधिकारी असेल तिकडे आपण पाठवा. आजचा जो विषय आहे ते झालेल्या यादीचा काही संबंधच नाही. त्याचे आपण काही करू शकत नाही. म्हणजे उद्या ठरवलेल्या सगळ्या सदस्यांची नावे नाही तरी आपण काही करू शकत नाही. तुम्हाला परत नोंदणी किंवा जे काही अपील आहे तेच करावे लागेल. फक्त ऑलरेडी ती पूर्ण झाली फाइनल झाली पब्लिश झाली आता त्याच्यात काही नाही ते सगळ जरी केले खाली माहितीसाठी आपल्याला एक कॉपी दिली बघून घ्या म्हणजे सचिव कार्यालयात असतील येणा-या काळात भविष्यात ज्या-ज्या वेळी अशाप्रकारची यादी प्रसिध्द होईल ज्यावेळी प्रसिध्द होतात ऑब्जेक्शन, सजेशन हरकती सुचनेला ज्यावेळी एक कॉपी सी.डी. च्या माध्यमातून ई-मेलच्या माध्यमातून सर्व सदस्यांना आपण पोहचवावे आणि त्यामध्ये आम्हाला एखादा वाटल ऑब्जेक्शन सजेशन आम्ही ते देवू ते ही सचिवांनी त्या संबंधीताकडे पाठवावे यासाठी आजचा तो ठराव आहे. बाकी त्या यादीची आपण कुठलाही निर्णय घेत नाही. आपण त्याला मान्यही करत नाही. आपण अमान्य ही करत नाही. त्याच्यावर आम्ही कुठलही भाषण करत नाही आणि सभागृहात तो काही निर्णयच घेत नाही. जर सांगितल याच नाव गेल आम्ही जबाबदार तरी करुन टाका. फाइनल मी जर एखादा निदर्शनास आणतो की नरेंद्र मेहताचे नाव नाही. सभागृह काय करणार मला सांगा.

**जुबेर इनामदार :-**

मान्य आहे झालेल्या वस्तुला आपल्याला फक्त ठराव करायचा त्याला कायम करायचे.

**नरेंद्र मेहता :-**

कायम नाही करायचे.

**जुबेर इनामदार :-**

तसच दिले आहे त्यांनी. प्रशासनाचाच गोषवारा मी वाचून दाखवतो.

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम, त्या ठरावात आमची सूचना घ्या. सभागृहाची केलेले आम्हाला मान्य किंवा अमान्य मोघम आम्हाला त्याबद्दलची माहिती नाही.

**सुहास रकवी :-**

आमदार साहेबांनी सांगितले ते योग्य आहे. परंतु काय होणार आहे अॅक्च्युअली आपण जरी मान्यता दिली तरी लोक आपल्याला बोलणार आमची नावे वगळली तरी तुम्ही आम्हाला का सांगितल नाही. म्हणून तुम्ही आमची एक सुचना घ्या ना. तुम्ही या शहरामध्ये प्रसिध्द करा ज्यांची नावे वगळली असतील. नसतील तर त्यांच्या ही याद्या तुम्ही बघायला लावा महानगरपालिकेत.

**नरेंद्र मेहता :-**

या ठरावामध्ये माझी सुचना आहे नावे कमी करण्याची यादी प्रसिध्द झालेली आहे त्यामध्ये सभागृहात कुठल्याही प्रकारचे त्याचे अवलोकन केले नाही म्हणून जबाबदार नाही अशी सुचना घ्यावी.

**सुहास रकवी :-**

जबाबदार नाही मग विषय आणायचाच नव्हतं ना साहेब.

**नरेंद्र मेहता :-**

सुहासजी आम्ही पुढच्यासाठी ठराव दिला.

**सुरेश खंडेलवाल :-**

महापौर मॅडम, आपने जो यह प्रस्ताव लाया है उसमें क्लिअर कट यह दिया हुआ है की सिर्फ अवलोकन करने के लिए ही आया है। लेकिन एक गलती यहाँ पर है की सभी सदस्यों को मतदार यादी से जो नाम निकाले है यदी उसकी एक कॉपी, सीडी के माध्यम से यदी सब सदस्यों को दे दी होती और बोल दिया होता की आप अवलोकन कर लीजिए यह मॅटर खाली इतना ही है ना तो नाम आने है ना जाने है ना अपने को कोई पावर है सिर्फ अवलोकन सर आपने यहाँ पे लिखा है की अवलोकन करने के लिए सब सदस्यों को जिनके नाम निकाले है।

**मा. महापौर :-**

खंडेलवालजी निचे यह भी लिखा है की आप वहाँ ई-मेल द्वारा लेकर अवलोकन कर सकते है। पेन ड्राइव्ह में लेके जा सकते है।

**वंदना चक्रे :-**

महापौर मॅडम या विषयाला धरून माझा विषय आहे सभागृहाला सांगु इच्छिते की ह्या विषयावर मला बोलायचं नव्हत. पण मी का बोलते की ही नावे डावलण्याचे आपलेच कोणीतरी जाऊन शहाणे हुशारी मारण्यासाठी आपल्याकडे मत येण्यासाठी, जातिवाद करण्यासाठी तिथे जाऊन सांगतात. पैसे देवूनही सारी काम करतात. हा मुद्दा नाही परंतु मी का सांगते माझ्या घरातले १२ जणांचे नाव चक्रे फॅमिलीतले गायब केले. पहिल्या यादीत, दुसऱ्या यादीत नाव नाही असे कितीतरी मतदारांचे नाव गायब झाले आहेत हे का होते कसे होते. मी ऑब्जेक्शन घेतले होते माझ्या वॉर्डातल्या ३००० नाव कमी केले. २०१२ तर मी निवडून आलेलीच आहे. मी पहिली नगरसेविका होती २००७ लाही. २०१२ साली माझं नाव गायब कसं झाल म्हणजे मनमानी कारभार चाललेला आहे. हे कारभार बंद झाले पाहिजे. तुम्ही निवडणुक अधिकाऱ्यांना सांगा कलेक्टरला सांगा. नाहीतर हे डिसिजन घेऊ नका. मॅडम उत्तर द्या मला.

**मा. महापौर :-**

जो आपला विषय नाही त्याला मी काय उत्तर देवू.

**वंदना चक्रे :-**

विषय नाही तर यादीवर चर्चा कशाला करता मग.

**मा. महापौर :-**

आपल अवलोकन जे करायचे आहे आपल्याला अवलोकन करायला जमलं तर करा. नाही जमल तर ते ही करु नका. विषय माझा नाही त्यात मी काहीच सांगू शकत नाही.

**वंदना चक्रे :-**

कशाला आणला मग महासभेला विषय. चर्चा कशाला करता मग चर्चा करता म्हणून मी बोलते.

**प्रकरण क्र. १३० :-**

मतदार याद्यांतील नावे वगळणेबाबत. संदर्भ :- मा. जिल्हाधिकारी व जिल्हा निवडणुक अधिकारी, ठाणे यांचे कार्यालयाकडील क्रमांक/सामान्य/का-१/टे-३/कावि, दिनांक :- ०५/१२/२०१५ रोजीचे पत्र.

**ठराव क्र. ९८ :-**

मा. जिल्हाधिकारी व जिल्हा निवडणुक अधिकारी, ठाणे यांनी वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादी सर्वसाधारण बैठकीत पटलावर आणून सदर यादी सन्मा. महापालिका सदस्यांच्या निदर्शनास आणून दिलेबाबतचा ठराव करणेबाबतच्या सुचना दिलेल्या आहेत.

त्या अनुषंगाने १४५ - मिरा भाईंदर व १४६ - ओवळा माजिवडा विधानसभा मतदार संघातील वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादी मिरा भाईंदर महानगरपालिका, नगरसचिव कार्यालय, तिसरा मजला, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, भाईंदर (प.) येथे सन्मा. महापालिका सदस्यांना पडताळणीसाठी उपलब्ध करण्यात आलेली आहे.

वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादी सर्वसाधारण बैठकीत विषय पटलावर आणून सदर यादी सन्मा. महापालिका सदस्यांच्या निदर्शनास आणून दिलेबाबतचा ठराव पारित करणेसाठी मा. आयुक्त, मिरा भाईंदर महानगरपालिका यांनी शिफारस केलेली आहे. १४५ मिरा भाईंदर व १४६ ओवळा माजिवडा विधानसभा

मतदार संघातील वगळणी करण्यात आलेली मतदार यादीचे अवलोकन करण्यात आले. तसेच यापुढे जिल्हा निवडणुक मतदार नोंदणी अधिकारी नविन मतदार यादी तयार करतील व ती प्रसारीत करतील त्यावेळी त्यांनी प्रसारीत केलेली यादी आधी आगावू महानगरपालिकेकडे उपलब्ध करून द्यावी जेणेकरून सर्व सन्मा. सदस्यांना ती देवून त्यांचेकडून हरकती सुचना घेवून त्यावर कार्यवाही करून व तसे यादीत सुधारणा करता येईल अशी दक्षता घेण्यात यावी असा मी ठराव मांडत आहे. तसेच ज्या कोणाला वगळणी केलेली नावाची यादी हवी असल्यास त्यांनी नगरसचिव कार्यालयातून पेन ड्राईव्ह, ई-मेल अथवा सी.डी. (सॉफ्ट कॉपी) द्वारे घ्यावी असा ठराव मांडत आहे.

**सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी**                      **अनुमोदन :- श्री. प्रशांत केळूसकर**  
**सदर ठरावामध्ये सुचक श्री. नरेंद्र मेहता व अनुमोदक श्री. शरद पाटील ह्यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.**

सदर जिल्हाधिकारी व जिल्हा निवडणुक अधिकारी, ठाणे यांनी वगळणी केलेल्या मतदार यादीसाठी कोणताही ठराव करण्यात येत नाही.

**ठराव सुचनेसह सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**  
**महापौर**  
**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३१, भारतरत्न पंडित भिमसेन जोशी रुग्णालयासाठी वैद्यकीय अधिकारी संवर्गातील पदांकरीता निवड केलेल्या उमेदवारांच्या नियुक्तीस मान्यता मिळणेबाबत.

**प्रशांत दळवी :-**

मा. उच्च न्यायालय, मुंबई यांच्या आदेशानुसार भाईदर (प.) येथील भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी रुग्णालय हे मिरा भाईदर महानगरपालिकेने तातडीने कार्यान्वित करणे आवश्यक आहे. त्याअनुषंगाने विविध संवर्गातील वैद्यकीय अधिकारी (वर्ग-०१) पदावर भरती करणेकरीता दि. ०८/१२/२०१५ रोजी दै. लोकसत्ता, दै. लोकमत, दै. दि फ्री प्रेस जनरल व दै. महाराष्ट्र जनमुद्रा वृत्तपत्रात व महानगरपालिकेच्या संकेत स्थळावर जाहिरात प्रसिद्धी केलेली होती.

त्यानुसार पात्र उमेदवारांची दि. २३/१२/२०१५ रोजी थेट मुलाखत घेऊन गुणानुक्रमे उमेदवारांची निवड केलेली आहे. सदर निवड केलेल्या उमेदवारांची निवड व प्रतिक्षा यादी त्याच दिवशी प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे. या निवड व प्रतिक्षा यादीमधील उमेदवारांची नावे खालीलप्रमाणे आहे.

अ.क्र.	निवड झालेल्या उमेदवारांचे नाव	पद	प्रवर्ग
१.	डॉ. निखाते शरद शामराव	वैद्यकीय अधिकारी (शस्त्रक्रिया) (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<b>प्रतिक्षा यादी</b>			
१.	डॉ. अमोल सुरेश पाटील	वैद्यकीय अधिकारी (शस्त्रक्रिया)	-
<b>निवड यादी</b>			
१.	डॉ. सोमाणी मिथुन प्रकाशचंद्र	वैद्यकीय अधिकारी (बालरोग तज्ञ) (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<b>प्रतिक्षा यादी</b>			
१.	डॉ. मानसी अर्पित देऊळकर	वैद्यकीय अधिकारी (बालरोग तज्ञ)	-
<b>निवड यादी</b>			
१.	डॉ. आनंदकुमार मंगलदास पंचाल	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<b>प्रतिक्षा यादी</b>			
१.	डॉ. अमित साहेबराव वाघ	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
२.	डॉ. राहूल भास्करराव पाटील	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
३.	डॉ. आकाश प्रेमलाल रंगारी	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
४.	डॉ. जितेंद्र नंदकिशोर इरकल	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
<b>निवड यादी</b>			
१.	डॉ. चैताली विजय धुरी	मनोविकृती चिकित्सक (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<b>निवड यादी</b>			
१.	डॉ. रिया उज्वल राठोड	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	खुला

२.	डॉ. स्नेहल चंद्रकांत नरवाडे	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	खुला
३.	डॉ. अमोल भिमराव दवणे	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	अ.जा.
४.	डॉ. सचिन दत्तात्रय जगताप	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	इमाव
५.	डॉ. प्रशांत युवराज सोनार	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	इमाव
<b>प्रतिक्षा यादी</b>			
१.	डॉ. इशा अकबर शिकलगार	वैद्यकीय अधिकारी	खुला
२.	डॉ. अमर विलास पाटील	वैद्यकीय अधिकारी	खुला
३.	डॉ. शंतनु सुरेश शुक्ल	वैद्यकीय अधिकारी	खुला
४.	डॉ. सुशांत बबन बगाडे	वैद्यकीय अधिकारी	अ.जा.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाच्या कलम ५३(१) नुसार “महानगरपालिकेचा जो अधिकारी सहा. आयुक्त या पदाशी समतुल्य असलेले किंवा त्यापेक्षा उच्च दर्जाच्या पदावर आहे. मग असे अधिकारी तात्पुरते असोत किंवा कायम असोत त्यांची नेमणूक करण्याचा अधिकार महानगरपालिकेकडे निहित आहेत.”

त्यामुळे वरील निवड व प्रतिक्षा यादीतील उमेदवार वैद्यकीय अधिकारी (वर्ग-०१) या संवर्गातील असल्यामुळे त्यांचे नियुक्तीस ही सभा मान्यता देत आहे.

**राकेश शहा :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

महापौर मॅडम, मंजुरी द्यायच्यात कुठलाही विरोध नाही. आयुक्त महोदय फक्त निदर्शनास आणून देतो. त्यांची कागदोपत्राची तांत्रिक चाचपणी त्यांच्या कागदोपत्रावरील डिग्रीज त्याच्यावर विशेष लक्ष द्या. आपल्याकडे इतिहास झालेला पटना युनिव्हर्सिटीचे येतात. सर्टिफिकेट तो नंतर तसा भाग होता कामा नये. का आम्ही मंजुरी दिली. आमच्याकडून मंजुरी मागता आम्ही मंजुरी देतो. आज जे राज्यामध्ये चाललेले आहे ज्यांनी मंजुरी दिल्यास त्यांनाच कामावर लागले ते कोर्टाचे धक्के खात फिरतात तसे होता कामा नये म्हणून जे काही आहे त्यांच्या कागदोपत्राची तांत्रिक चाचपणी, डॉक्टर्स पाहिजेत आपल्याला आणायचे त्यांची पडताळणी व्यवस्थित करून घ्या धन्यवाद.

**प्रभात पाटील :-**

महापौर मॅडम या विषयाला अनुसरून म्हणजे या विषयाला विरोध नाही आपली ही गरज आहे ती पूर्ण व्हायला पाहिजे परंतु मा. महापौर मॅडम, आयुक्त साहेब आपण कालच्या नवाकाळध्ये एक जाहिरात दिली त्या जाहिरातीमध्ये आपल्याला काही पदे भरायचे आहेत. वैद्यकीय अधिकारी आहे आणि अधिपरिचारिका आहे. आता ही पदे भरताना आपण ठोक मानधनावर घेत आहोत. परंतु तरी देखील आपण आरक्षण लावले आहे रिझर्व्हेशन लावले अनुसूचित जाती, जमाती किंवा ओ.बी.सी. वगैरे सगळे लावले. चांगली गोष्ट आहे त्याच्यासाठी परंतु ते २७ टक्के आरक्षण आहे ओ.बी.सी. समाजाला अधिपरिचारिका जागा ३४ भरायच्या आहे आणि ओ.बी.सी. ला एकच सिट दिली. २७ प्रमाणे तिथे ९ ओ.बी.सी. घ्यायला पाहिजे. शिवाय आजची जी यादी आहे ना मॅडम त्यात पण बघा तुम्ही ओपनच्या जागा सर्वाधिक भरल्या आहेत. इतर मागसाच्या २ आहेत. आणि अनुसूचित जाती जमाती २ आहेत. हे कुठले रिझर्व्हेशन लावता तुम्ही रोस्टर कुठच लावता तुम्ही. एकीकडे तुम्ही दाखवता पेपरवर आम्ही रोस्टरप्रमाणे चाललो आहे. पण निकष काय आहे तुमचा. दुसरी अजून एक गोष्ट मॅडम, तुम्हाला सांगते की याच्यामध्ये तुम्ही कॅटेगरी लिहिली ही अधिपरिचारिकासाठी की १२ वी विज्ञान शाखेची परिक्षा उत्तीर्ण आणि ते मिडवॉईज वगैरे जे आहे ते अॅक्च्युअलमध्ये याचा जी.आर आहे शासनाचा १६/४/२०१५ चा की तिथे बी.एस.सी पाहिजे आणि तुम्ही इथे १२ वी म्हटले आहे. काय प्रकार काय आहे म्हणजे. ही जाहिरात एकतर कॅन्सल करा जर तुम्ही रोस्टर लावत असाल तर ते नियमाप्रमाणे लावा. ओबीसीचा तक्ता कमी होतो ना. या शहरातल्या आणि इतर ओ.बी.सी. नी जायचे कुठे? साहेब मानधनावर आहे पण तुम्ही क्रायटेरिया लावला ना तो परिपूर्ण लावा.

**मा. आयुक्त :-**

रोस्टरचे रजिस्टर मागवले आहे खुलासा करतो.

**भगवती शर्मा :-**

महापौर मॅडम १० जानेवारी को टेंभा हॉस्पिटल को उद्घाटन हुआ। मा. मंत्री महोदयजी आए थे। बड़े जोर शोर से प्रचार प्रसारके माध्यम से उद्घाटन हुआ। बहुत अच्छी बात की, हमने कुछ उस समय के अंदर में आक्षेप भी लिए थे। कुछ विरोध भी किया था। ज्ञापन दिया था मंत्री महोदय को आप भी समय के अंदर बैठी थी हमने जो जो मुद्दे उठाये आपको मालुम है। अभी आप भरती करने जा रहे है डॉक्टर की अच्छी बात है। भरती होंगी डॉक्टर की तभी वहाँपे इलाज होगा। लेकिन उसी दिन १० जानेवारी को मा. महापौर मॅडम

आपने उद्घाटन के बाद तुरत मा. मंत्री महोदय को एक ज्ञापन दिया था लेटर दिया था। पंडित भीमसेन जोशी रूग्नालय ताब्यात देऊन राज्य शासनमार्फत चालविण्याबाबत की उद्घाटन होते ही एक घंटे के अंदर में आपने वस्तुस्थिती को अवलोकन करके उनको ज्ञापन दिया। की महानगरपालिका के द्वारा स्थिती ऐसी नही है की इस हॉस्पिटल को चला सके। आपने अच्छी स्थिती का अवलोकन करते हुए मा. मंत्री महोदयको पत्र लिखा जिसका अवलोकन करने के लिए हमने बार बार मुद्दा उठाया था। की यह हॉस्पिटल हमारे बस की स्थिती नही है। महानगरपालिका की अब स्थिती नही है की हम चला सके।उसके लिए हमने मे २०१३ मे प्रयास किया था। उस समय तत्कालिन आयुक्तने भी पत्र लिखा था। उसी समय बेंजामिन साहब इसके सचीव थे उस समय भी उन्होने उस संचालक आरोग्य सेवा मंडल ठाणे उस समय तत्कालिन महापौर मॅडम कॅटलीन परेरा भी थी।उन्होने उस समय भी फोन पे निर्देश किया था कि हाथोहाथ उस हॉस्पिटल का जाके अवलोकन करे और उसके अंदर में कितना खर्चा होने वाला है और क्या क्या स्थिती है उसका अवलोकन करते हुए भेजा जाए। १०/०९/२०१३ को नगर विकास ने उस चीज का अवलोकन करने के बाद पत्र आयुक्त साहब को भी दिया था। महासभा में भी वो चर्चा की थी। मै इसलिए आपको बताना चाहता हूँ। कि हमारी भी भावना वही थी की हमारी महानगरपालिका की आर्थिक स्थिती नही है की इसको हम आगे लॉग लाईप रन कर सके तो मेरा निवेदन आपसे इतना ही है यह भरती करिए आगे की भरती आप जो करना चाहते हो वो करिए लेकीन इन भरती के बाद में अगर गव्हरमेन्ट ने भी अडरंटेक करने की सुचना दि जैसे मंत्री महोदय ने उस समय भी कहाँ था की एक महिने के अंदर में हम राज्य शासन के मार्फत हॉस्पिटल को चलाने की प्रक्रिया करके हंस्तातर कर लेंगे। तो कल को यह जो स्टाफ आप भरती कर रहे है। और जो स्टाफ भरती किया हुआ है ऐसी स्थिती में उसका क्या होगा। उस स्थिती के अंदर में महानगरपालिकाद्वारा वो इमारत बनाई गई है, जिस टेंबा हॉस्पिटल की जमीन हमने पैसे देके खरीदी है। इन सब चीजों का भी कुछ आपने अवलोकन किया क्या? और ऐसी स्थिती ऐसी के अंदर में अगर हंस्तातर हुआ राज्य सरकार चलायेगी तो यह जो स्टाफ अभी नियुक्त कर रहे है उसको क्या होगा। क्या वो हॉस्पिटल के अंदर इन स्टाफ को आगे रनिंग करेंगे क्या करेंगे?तो मेरा आपसे यह कहना है की सभी चिजो का अवलोकन करते हुए मा. आयुक्त साहब इसका स्पष्टीकरण करे.

**मा. आयुक्त :-**

मा. उच्च न्यायालयाच्या निर्देशाप्रमाणे ५०-५० बेडचे हॉस्पिटल टप्प्याटप्प्याने करावे असे निर्देश देण्यात आले होते. त्या अनुशंगाने आपण परवाच १०० बेडचे हॉस्पिटल चे उद्घाटन केले आहे. आणि मार्च अखेर पर्यंत आपण १८० बेडचे हॉस्पिटलचे उद्घाटन केले आहे. आणि मार्च पर्यंत १८० बेडचे माझ्या माहितीनुसार मार्च पर्यंत १८० बेडची व्यवस्था होणार आहे. आणि आपण जो मुद्दा काढलेला आहे की हे भरती केलेले डॉक्टर शासनाकडे जर भविष्यामध्ये शासनाने हे हॉस्पिटल चालवायला घेतले तर शासनाचे जे काही निकष आहेत त्यासाठी १०० बेडसाठी किती स्टाफ पाहिजे २०० बेडसाठी किती पाहिजे ५० बेडसाठी किती पाहिजे हा स्टाफ जो आहे तो शासन त्यांच्या आस्थापनेवर घेतो. परंतु त्यांच्या आस्थापनेवर घेईपर्यंत महानगपालिकेला त्यांचे पेमेन्ट करावे लागते कारण भिवंडीला मी असताना असच महानगपालिका चालवित होती हॉस्पिटल आणि ते हॉस्पिटल शासनाने ताब्यात घेतले त्याला सुपर स्पेशालीटी हॉस्पिटल शासनाने ताब्यात घेतले त्यावेळी शासनाचे जे काही निकष होते. तिकडचे पण २०० बेड चे हॉस्पिटल होते त्याप्रमाणे त्यांनी २०० कर्मचारी तिथे जे कामाला २५० कर्मचारी होते. परंतु त्याच्यामध्ये ऑप्शन विचारला जातो. जर समजा तुमच्याकडे दूसरे हॉस्पिटल असेल काही कर्मचारी ऑप्शन देतात की आम्हाला महाराष्ट्र शासनाकडे वर्ग व्हायचा आहे काही कर्मचारी म्हणतात की म्हणजे आपआपली परिस्थिती लक्षात घेऊन कुणाचे आईवडील आजारी असतील मग तो शासनाकडे गेला तर त्याची बदली होऊ शकते दूसरीकडे. आपल्याकडे इंदिरा गांधी हॉस्पिटल आहे त्या हॉस्पिटल मध्ये पण आपण काही कर्मचा-याना मर्ज करू शकतो. परंतु कम्पलसरी आपण हे जे कर्मचारी भरती करतो जे डॉक्टर आहेत ते शासनाच्या आस्थापने वरती जातात आणि शासन त्याला पगार देते.

**नरेंद्र मेहता :-**

आता शर्मा साहेबांनी चांगली सुचना मांडली ते भाजपाच्या त्या ठरावामध्ये समावेश करून घ्यावी की भविष्यात ज्यांना आपण आता अपोईन्टमेन्ट लेटर देणार त्यांना या कन्डीशन द्या की, उद्या ते शासनाकडे गेल्यावर त्यांना तिकडे वर्ग व्हावे लागेल ती सुचना त्यामध्ये समाविष्ट करावी.

**भगवती शर्मा :-**

सर हमारी सुचना है हमारे गटनेता किसी के भी नाम से लो।

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मा. महापौर मॅडम एक शंका अशी आहे उद्या जर समजा राज्य सरकारने हे हॉस्पिटल चालवायला घेतले आणि जर हे डॉक्टर त्यांनी नाही घेतले मग या डॉक्टरचा आपण काय करायचे?

**मा. महापौर :-**

बोलले ना आता.

**भगवती शर्मा :-**

मा. महापौर मॅडम इन्होने मुझे डॉक्टर के सवाल का जो जवाब दिया लेकिन जो मालमत्ता वैगेरे है तो जब भी ऐसे हस्तांतर होगा उस समय इसका व्हॅल्यूएशन की क्या प्रोसेस रहेगी?दो शब्द मे जानकारी देगे तो अच्छा रहेगा।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त)**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, शासनाची त्यावर चर्चा होणार डिटेल मध्ये स्टाफ किती भरला आतापर्यंत खर्च किती केला. जमिनीला किती खर्च केला, बांधकामाला किती खर्च केला, इन्स्ट्रुमेंटवर , औषधावर किती खर्च केला, चर्चा होऊन नंतर निर्णय होईल. आता सांगता येत नाही.

**मा. आयुक्त :-**

महासभेच्या परवानगीशिवाय होणारच नाही ना.

**गोविंद परब :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो ठाणे जिल्ह्यासाठी एस.टी.साठी २२ टक्के आरक्षण असल्यामुळे ओबीसी चे आरक्षण हे १९ टक्के आहे १९ टक्के आरक्षण प्रमाणे हे ४६ पदाचे आरक्षण काढलेले आहे. ओ.बी.सी. ची पदे पहिली १२ मध्ये भरलेली असल्यामुळे आता ते १ आलेले आहे.

**प्रभात पाटील :-**

या प्रश्नाचे उत्तर मी तुम्हाला लंच ब्रेकमध्ये विचारले होते. तर तुम्ही म्हणता पहिल्यांदा आपण इथे आरक्षण लावतो. आधी कधी भरली पहिली पद.

**गोविंद परब :-**

पहिली पद मला वाटते २६ डिसेंबर का त्याच्या आधी भरलेली आहेत.

**प्रभात पाटील :-**

तुम्ही मगाशी काय उत्तर दिलं.

**गोविंद परब :-**

मॅडम त्यावेळी तुम्हाला मी बोललो पण नंतर मी दातीरला विचारले.

**प्रभात पाटील :-**

मी काल त्यांना विचारून तो प्रश्न उपस्थित केला त्यांच्याशी बोलले बर १९ नुसार तुमची पद किती होतात.

**गोविंद परब :-**

४ होणार.

**प्रभात पाटील :-**

मग तुम्ही आज इथे एकच पद भरत आहेत.

**गोविंद परब :-**

पहिली १२ मध्ये भरलेली आहेत ना.

**मा. आयुक्त :-**

पूर्वी जे भरले आहेत त्याच्यामध्ये भरली आहेत.

**प्रभात पाटील :-**

म्हणजे तुम्ही अनुशेष भरत आहेत.

**गोविंद परब :-**

हो.

**प्रभात पाटील :-**

आणि अनुशेष भरताना तुम्हाला महासभेची मंजूरी आवश्यक आहे. तुम्ही आस्थापनेवर घेत आहात. मानधनावर घेत आहात. त्या अनुषंगाने तुम्ही पद भरत आहेत. आणि अस करत असताना अनुशेष भरताना तुम्हाला महासभेची परवानगी घेणे आवश्यक आहे. त्याच्यामुळे एक तर तुम्ही महासभेची परवानगी घ्या की आम्ही अनुशेष भरतो. आणि जी ४ पद भरत आहेत ती ४ पद भरा. एक नाही कोणत्याही समाजावर, आरक्षणावर अन्याय करता येणार नाही.

**मा. आयुक्त :-**

त्याच्यामध्ये ओ.बी.सी चा कोटा भरलेला आहे. एक पद राहिलेले आहे. ते आता त्याच्यामध्ये आलेले आहे असं त्यांच म्हणणे आहे.

**प्रभात पाटील :-**

नाही. त्यांनी ४ पद भरले आहेत ना.

**रोहिदास पाटील :-**

मा. आयुक्त साहेब तस नाही होत. त्यावेळी जी रिक्तमेंट झाली असेल ती ओपन मध्ये भरली गेली असेल. ओबीसी. मध्ये काऊंट नाही करता येणार. पुर्नविचार करा त्यांचा नीट अभ्यास करा. आयुक्त साहेब तुमच्या समोर नविन विषय आला आहे. आम्हाला त्याचा अनुभव असा आहे की आजपर्यंत नगरपरिषदेपासुन हा भरतीचा घोळ होतो. त्याच्यामध्ये ओबीसी किंवा एसटी, एससी. एनटी यांना नीट न्याय मिळत नाही. सोयीनुसार ती पद भरली जातात.

**प्रभात पाटील :-**

मॅडम तुम्ही आजचं बघा. सगळी पदे ही ओपनची भरली आहेत.

**रोहिदास पाटील :-**

आणि त्यांचा हक्क असतो तो हक्क ते कोर्टात जातांना त्याचा नीट अभ्यास घ्या. तुमच्या निर्णय खाली घ्या साहेब आता तुम्ही टोटली अनाभिज्ञ आहात तुमच्या काही लक्षात आलेले नाही. तुमच्याकडे पेपर आले तुम्ही त्याला हो म्हणतात अशी स्थिती नको. हा विषय परत घ्या नीट आणा.

**प्रभात पाटील :-**

काका कालच्या पेपरला त्यांची जाहिरात आहे ती जाहिरात मागे घ्यायला लागेल त्यांना. जाहिरात आहे त्यांची नवाकाळला. तुम्हाला पद भरता येणार नाहीत. ती जाहिरात मागे घ्या. सगळ समोर आणा किती भरली गेली किती भरायची आहेत किती अनुशेष आहे आपला आणि त्यानुसार भरा ना तुम्ही आमच नाही नाही आम्हाला हवी आहे माणस.

**मा. महापौर :-**

ठराव सुचनेसह मंजूर.

**प्रकरण क्र. १३१ :-**

भारतरत्न पंडित भिमसेन जोशी रुग्णालयासाठी वैद्यकीय अधिकारी संवर्गातील पदांकरीता निवड केलेल्या उमेदवारांच्या नियुक्तीस मान्यता मिळणेबाबत.

**ठराव क्र. ९९ :-**

मा. उच्च न्यायालय, मुंबई यांच्या आदेशानुसार भाईदर (प.) येथील भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी रुग्णालय हे मिरा भाईदर महानगरपालिकेने तातडीने कार्यान्वित करणे आवश्यक आहे. त्याअनुषंगाने विविध संवर्गातील वैद्यकीय अधिकारी (वर्ग-०१) पदावर भरती करणेकरीता दि. ०८/१२/२०१५ रोजी दै. लोकसत्ता, दै. लोकमत, दै. दि फ्री प्रेस जनरल व दै. महाराष्ट्र जनमुद्रा वृत्तपत्रात व महानगरपालिकेच्या संकेत स्थळावर जाहिरात प्रसिद्धी केलेली होती.

त्यानुसार पात्र उमेदवारांची दि. २३/१२/२०१५ रोजी थेट मुलाखत घेऊन गुणानुक्रमे उमेदवारांची निवड केलेली आहे. सदर निवड केलेल्या उमेदवारांची निवड व प्रतिक्षा यादी त्याच दिवशी प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे. या निवड व प्रतिक्षा यादीमधील उमेदवारांची नावे खालीलप्रमाणे आहे.

अ.क्र.	निवड झालेल्या उमेदवारांचे नाव	पद	प्रवर्ग
१.	डॉ. निखाते शरद शामराव	वैद्यकीय अधिकारी (शस्त्रक्रिया) (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<u>प्रतिक्षा यादी</u>			
१.	डॉ. अमोल सुरेश पाटील	वैद्यकीय अधिकारी (शस्त्रक्रिया)	-
<u>निवड यादी</u>			
१.	डॉ. सोमाणी मिथुन प्रकाशचंद्र	वैद्यकीय अधिकारी (बालरोग तज्ञ) (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<u>प्रतिक्षा यादी</u>			
१.	डॉ. मानसी अर्पित देऊळकर	वैद्यकीय अधिकारी (बालरोग तज्ञ)	-
<u>निवड यादी</u>			
१.	डॉ. आनंदकुमार मंगलदास पंचाल	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<u>प्रतिक्षा यादी</u>			
१.	डॉ. अमित साहेबराव वाघ	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
२.	डॉ. राहूल भास्करराव पाटील	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
३.	डॉ. आकाश प्रेमलाल रंगारी	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
४.	डॉ. जितेंद्र नंदकिशोर इरकल	अस्थिव्यंग शल्य चिकित्सक	-
<u>निवड यादी</u>			
१.	डॉ. चैताली विजय धुरी	मनोविकृती चिकित्सक (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.६६००)	खुला
<u>निवड यादी</u>			
१.	डॉ. रिया उज्वल राठोड	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	खुला
२.	डॉ. स्नेहल चंद्रकांत नरवाडे	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	खुला
३.	डॉ. अमोल भिमराव दवणे	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	अ.जा.



४	डॉ. सचिन दत्तात्रय जगताप	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	इमाव
५.	डॉ. प्रशांत युवराज सोनार	वैद्यकीय अधिकारी (वेतनश्रेणी - १५६००-३९१०० ग्रे.पे.५४००)	इमाव
<b>प्रतिक्षा यादी</b>			
१.	डॉ. इशा अकबर शिकलगार	वैद्यकीय अधिकारी	खुला
२.	डॉ. अमर विलास पाटील	वैद्यकीय अधिकारी	खुला
३.	डॉ. शंतनु सुरेश शुक्ल	वैद्यकीय अधिकारी	खुला
४.	डॉ. सुशांत बबन बगाडे	वैद्यकीय अधिकारी	अ.जा.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाच्या कलम ५३(१) नुसार “महानगरपालिकेचा जो अधिकारी सहा. आयुक्त या पदाशी समतुल्य असलेले किंवा त्यापेक्षा उच्च दर्जाच्या पदावर आहे. मग असे अधिकारी तात्पुरते असोत किंवा कायम असोत त्यांची नेमणूक करण्याचा अधिकार महानगरपालिकेकडे निहित आहेत.”

त्यामुळे वरील निवड व प्रतिक्षा यादीतील उमेदवार वैद्यकीय अधिकारी (वर्ग-०१) या संवर्गातील असल्यामुळे त्यांचे नियुक्तीस ही सभा मान्यता देत आहे.

**सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी**                      **अनुमोदक :- श्री. राकेश शाह**  
**सदर ठरावामध्ये सुचक श्री. नरेंद्र मेहता व अनुमोदक श्री. प्रशांत केळूसकर ह्यांनी खालीलप्रमाणे**  
**सुचना मांडली.**

सदर नियुक्ती करण्यापूर्वी त्यांना शासनाकडे वर्ग करण्याबाबत त्यांच्याकडून हमीपत्र लिहून घ्यावे. किंवा शासनाकडे वर्ग करण्याच्या अटीवर त्यांची नियुक्ती करण्यात यावी. जेणेकरून भविष्यात त्यांना महाराष्ट्र शासनाकडे वर्ग करण्यात येईल. तसेच सदर भरती पैकी आरक्षणात ज्या असतील त्यानुसारच पदे भरण्यात यावीत.

**ठराव सुचनेसह सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**  
**महापौर**  
**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३२, मिरा भाईदर महानगरपालिकेची विकास योजना सुधारित करण्यासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम २४ अन्वये नगररचना अधिका-याची नियुक्ती करण्याबाबत.

**प्रशांत केळूसकर :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्राची विकास योजना महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३८ नुसार सुधारीत करण्याबाबत मा. महासभा ठराव क्र. ७६, दि. १५/१०/२०१५ अन्वये मंजूरी दिलेली असून कलम २३(१) नुसार तसा इरादा जाहिर केल्यासंबंधी स्थानिक वृत्तपत्रात प्रसिध्द करून शासन राजपत्रासाठी पाठविलेली आहे.

नियोजन प्राधिकरण म्हणून मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे सुधारीत विकास योजना तयार करण्याकामी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम २४ प्रमाणे “नगररचना अधिकारी” ची नेमणूक करण्याचा ठराव करणे आवश्यक आहे. सबब शासनाकडून प्रतिनियुक्तीवर असलेले महानगरपालिकेचे विद्यमान नगररचनाकार यांना शासनाच्या पुर्वमंजूरीने “नगररचना अधिकारी” म्हणून नेमणूक करण्यासाठी ही सभा मंजूरी देत आहे.

**राकेश शहा :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्राची विकास योजना महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३८ नुसार सुधारीत करण्याबाबत मा. महासभा ठराव क्र. ७६, दि. १५/१०/२०१५ अन्वये मंजूरी दिलेली असून कलम २३(१) नुसार तसा इरादा जाहिर केल्यासंबंधी स्थानिक वृत्तपत्रात व शासन राजपत्रात सुचना प्रसिध्द केलेली आहे.

नियोजन प्राधिकरण म्हणून मिरा भाईदर महानगरपालिकेचे सुधारीत विकास योजना तयार करण्याकामी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम २४ प्रमाणे “नगररचना अधिकारी” ची नेमणूक करण्याचा ठराव करणे आवश्यक आहे. शासनाकडून प्रतिनियुक्तीवर आलेले महानगरपालिकेचे विद्यमान नगररचनाकार श्री. दिलीप घेवारे यांना राज्य शासनाच्या पुर्वमंजूरीने नगररचना अधिकारी म्हणून नेमणूक करण्यासाठी मा. महासभेमध्ये गोषवारा प्रस्तावित केलेला आहे. श्री. दिलीप घेवारे यांना नगरविकास विभाग शासनक्र. टिपीव्ही-२४१३/१०२५/प्र.क्र.१७८/नवि-२७, दि. ०३ फेब्रुवारी २०१५ प्रमाणे मिरा भाईदर

महानगरपालिका येथील दर्जोन्नत नगररचनाकार या पदावर प्रथमतः एक वर्षाकरीता तात्पुरत्या स्वरूपात, महाराष्ट्र नागरी सेवा (पदग्रहण अवधी, स्वीच्येत्तर सेवा, इ.) नियम, १९८१ मधील अटी व शर्तीस अधीन राहून, प्रतिनियुक्तीने नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. सदरच्या नियुक्तीची मुदत दि. ६ फेब्रुवारी २०१६ रोजी संपत आहे.

तरी तात्पुरत्या स्वरूपात भरण्यात आलेल्या नगररचनाकार या पदाचा निर्णय महाराष्ट्र शासन यांच्याकडून आधी प्राप्त करावा तदनंतरच नगररचना अधिकारी नेमणूक करण्याचा विषय मंजूरीसाठी मा. महासभेमध्ये प्रस्तावित करावा, असा मी ठराव मांडत आहे.

**अशरफ शेख :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

नगररचनाकार यांची मुदत ६ तारखेला संपत आहे. त्यांना तात्पुरती पदोन्नती देण्यात आली होती आणि प्रशासनाने गोषवा-यामध्ये त्यांच्या नावाचा मुद्दाम उल्लेख केलेला आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

प्रशासनाने केला आहे तरी माझ्या माहितीप्रमाणे फेब्रुवारीनंतर जो कोणी त्या पदावर येतील त्यांना मुदतवाढ मिळतील.

**जुबेर इनामदार :-**

तुम्ही नाव घेतले आहे.

**नगरसचिव :-**

ठराव वाचन.

**नरेंद्र मेहता :-**

जो कोणी नगररचनाकार येईल आज हे आहे उद्या दुसरे येतील, परवा तिसरे येतील आम्ही त्यांना देतोय.

**जुबेर इनामदार :-**

आम्ही आमचा स्पष्ट ठराव केला आहे.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३२ करिता दोन ठराव आलेले आहेत. प्रथम श्री. प्रशांत केळुसकर आणि दुसरा श्री. जुबेर इनामदार यांचा ठराव मतदानास टाकत आहे. श्री. जुबेर इनामदार यांच्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. सुचक श्री. प्रशांत केळुसकर यांच्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी.

**मा. महापौर :-**

सुचक श्री. प्रशांत केळुसकर यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने ४० विरोधात १३, तटस्थ २३ इतकी मते पडली आहेत. सुचक श्री. प्रशांत केळुसकर यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यांत येत आहे.

**प्रकरण क्र. १३२ :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची विकास योजना सुधारित करण्यासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम २४ अन्वये नगररचना अधिकाऱ्याची नियुक्ती करण्याबाबत.

**ठराव क्र. १०० :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्राची विकास योजना महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३८ नुसार सुधारीत करण्याबाबत मा. महासभा ठराव क्र. ७६, दि. १५/१०/२०१५ अन्वये मंजूरी दिलेली असून कलम २३(१) नुसार तसा इरादा जाहिर केल्यासंबंधी स्थानिक वृत्तपत्रात प्रसिध्द करून शासन राजपत्रासाठी पाठविलेली आहे.

नियोजन प्राधिकरण म्हणून मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे सुधारीत विकास योजना तयार करण्याकामी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम २४ प्रमाणे “नगररचना अधिकारी” ची नेमणूक करण्याचा ठराव करणे आवश्यक आहे. सबब शासनाकडून प्रतिनियुक्तीवर असलेले महानगरपालिकेचे विद्यमान नगररचनाकार यांना शासनाच्या पुर्वमंजूरीने “नगररचना अधिकारी” म्हणून नेमणूक करण्यासाठी ही सभा मंजूरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. प्रशांत केळुसकर**

**अनुमोदन :- श्री. राकेश शाह**

अ.क्र.	ठरावाच्या बाजूने	अ.क्र.	ठरावाच्या विरोधात	अ.क्र.	तटस्थ
१	नरेंद्र एल. मेहता	१	प्रभात प्रकाश पाटील	१	कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा
२	शरद केशव पाटील	२	पाटील सुनिता कैलास	२	ध्रुवकिशोर पाटील
३	पाटील रोहिदास शंकर	३	झिनत रऊफ कुरेशी	३	डिमेलो बर्नड अल्बर्ट
४	म्हात्रे कल्पना महेश	४	विराणी रेखा अनिल	४	ग्रिटा स्टिफन फॅरो
५	भानुशाली वर्षा गिरीधर	५	पुजारी कांचना शेखर	५	असेन्ला मेन्डोसा परेरा
६	मिरादेवी रामलाल यादव	६	पिसाळ मनिषा नामदेव	६	शिल्पा भावसार

७	कोठारी सुमन रमेश	७	डिसा मर्लिन मर्विन	७	सँन्द्रा जेफ्री रॉड्रीक्स
८	डॉ. नयना मनोज वसाणी	८	काझी रशीदा जमील	८	रॉड्रीक्स बाबरा डॉनल्ड
९	सिमा कमलेश शहा	९	इनामदार जुबेर	९	दक्षता राजेंद्र ठाकूर
१०	जैन गिता भरत	१०	वेतोसकर राजेश शंकर	१०	पाटील वंदना विकास
११	अरोरा दिपीका पंकज	११	शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम	११	शबनम लियाकत शेख
१२	रावल भगवती जयशंकर	१२	सामंत प्रमोद जयराम	१२	वंदना रामदास चक्रे
१३	मेहता डिंपल विनोद	१३	पांडे हंसुकुमार कमलकुमार	१३	अनिता जयवंत पाटील
१४	मेघना दिपक रावल			१४	गोविंद हेलन जॉर्जी
१५	शर्मा सुनिला सत्येंद्र			१५	खण्डेलवाल सुरेश
१६	प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील			१६	वेंचर गिल्बर्ट मेन्डोसा
१७	पाटील प्रेमनाथ गजानन			१७	मेन्डोसा स्टिवन जॉन
१८	सिंग मदन उदितनारायण			१८	डॉ. आसिफ शेख
१९	कांगणे यशवंत ठकाजी			१९	नरेश तुकाराम पाटील
२०	अनिल बाबुराव भोसले			२०	भोईर कमलेश यशवंत
२१	कासोदरीया अश्विन श्यामजी			२१	रविंद्र भिमदेव माळी
२२	जैन दिनेश तेजराज			२२	वंदना मंगेश पाटील
२३	जैन रमेश धरमचंद			२३	अशोक तिवारी
२४	डॉ. राजेंद्र जैन				
२५	तारा विनायक घरत				
२६	जयमाला किशोर पाटील				
२७	परमार अनिता भरत				
२८	पाटील प्रणाली संदिप				
२९	गावंड मंदाकिणी आत्माराम				
३०	संध्या प्रफुल्ल पाटील				
३१	म्हात्रे प्रभाकर प्रदमाकर				
३२	दळवी प्रशांत ज्ञानदेव				
३३	शाह राकेश रतिशचंद्र				
३४	जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील				
३५	केळुसकर प्रशांत नारायण				
३६	भोईर भावना राजू				
३७	भोईर राजू यशवंत				
३८	जाधव मोहन महादेव				
३९	मुन्ना सिंग				
४०	मयेकर सरस्वती रजनीकांत				

### ठराव बहुमताने मंजूर

सही/-  
महापौर  
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

#### नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १३३, राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ८ वर दिल्ली दरबार नाल्यावर सर्व्हीस रस्ता रुंदीकरणासाठी कल्वर्ट बांधणे कामाच्या खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणे.

#### दक्षता ठाकूर :-

महापौर मॅडम माझा प्रश्न आहे. मॅडम हा जो प्रश्न आहे तो माझ्या वॉर्डचा आहे. वॉर्ड क्र. ४७ मला खांबित साहेबांशी बोलायचे होते या संदर्भात.

#### मा. महापौर :-

बसा खांबितला बोलावते.

#### प्रशांत दळवी :-

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ८ वरील दहिस्सर चेक नाका ते काशिमीरा नाल्यापर्यंत रस्त्यावर मोठ्या प्रमाणावर वाहतुक होत असून सदर रस्त्यावरील दोन्ही बाजूतील सर्व्हीस रस्त्याचे रुंदीकरण करण्याचे काम महानगरपालिकेमार्फत हाती घेण्यात आलेले आहे. सदर कामांतर्गत दिल्ली दरबार येथील नाल्यावर कल्वर्ट बांधून रस्ता रुंद करावयाचा आहे. त्यासाठी रु.१,३२,६३,०००/- रकमेचे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आलेले आहे. सदर कामाच्या खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देण्यात येत आहे.

**प्रभाकर म्हात्रे :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**दक्षता ठाकूर :-**

खांबित साहेब हा जो प्रश्न आहे दिल्ली दरबार नाल्यावर सर्विस रस्ता बांधणे आणि हा क्लवर्ट हे कुठून कुठपर्यंत कारण ह्याचे पत्रव्यवहार आम्ही पण केलेले आहे.

**दिपक खांबित :-**

तुम्ही म्हणता तो दिल्ली दरबार नाही. दिल्ली दरबार इकडे काशीमिरा नाक्यावरती.

**दक्षता ठाकूर :-**

काशीमिरा नाक्यावरचा.

**दिपक खांबित :-**

तो जुना तिकडे दिल्ली दरबार हॉटेल होता ना तिकडचा.

**दक्षता ठाकूर :-**

म्हणजे जे घोडबंदर रोड टर्निंग आहे तिकडचे नाही आहे हे.

**दिपक खांबित :-**

नाही तो नाही.

**मा. महापौर :-**

ठराव मंजूर.

**प्रकरण क्र. १३३ :-**

राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ८ वर दिल्ली दरबार नाल्यावर सर्विस रस्ता रुंदीकरणासाठी क्लवर्ट बांधणे कामाच्या खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणे.

**ठराव क्र. १०१ :-**

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात राष्ट्रीय महामार्ग क्र. ८ वरील दहिसर चेक नाका ते काशीमिरा नाल्यापर्यंत रस्त्यावर मोठ्या प्रमाणावर वाहतुक होत असून सदर रस्त्यावरील दोन्ही बाजूतील सर्विस रस्त्याचे रुंदीकरण करण्याचे काम महानगरपालिकेमार्फत हाती घेण्यात आलेले आहे. सदर कामांतर्गत दिल्ली दरबार येथील नाल्यावर क्लवर्ट बांधून रस्ता रुंद करावयाचा आहे. त्यासाठी रु.१,३२,६३,०००/- रकमेचे अंदाजपत्रक तयार करण्यात आलेले आहे. सदर कामाच्या खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देण्यात येत आहे.

**सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी**

**अनुमोदक :- श्री. प्रभाकर म्हात्रे**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३४, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमार्फत विविध सेवा संस्थांनी डक्ट / केबलसाठी आकारण्यात येणाऱ्या दरात वाढ करणे व आवश्यक इतर कामासाठी दर आकारणेबाबत.

**प्रमोद सामंत :-**

२ तारखेला एक परवानगी दिली ३००० मीटरची आणि ४ तारखेला एक परवानगी दिली आहे. पावणे तीन हजार मीटरचे. ७ तारखेला विषय आला आहे. ५ दिवस थांबू शकलो नसतो.

**दिपक खांबित :-**

ही परवानगी या दराप्रमाणे आहे या दराप्रमाणेच चार्ज घेतो आम्ही.

**प्रमोद सामंत :-**

अजून ठरले नाही दर मग त्या दराने कसे दिले.

**जुबेर इनामदार :-**

जे ठरले नाही त्या दराने तुम्ही देवू शकता का?

**भगवती शर्मा :-**

कायदे के हिसाब से होगा ना हमको तो रिक्वेन्सू आ रहा है अच्छी बात है। लेकिन उसको कोई चॅलेंज करके उसको यह नहीं बोले की आपने उसको मंजूरी बाद में दि पहले लगाई। आयुक्त साहेब महानगरपालिका का कोई भी फायदा होता है तो अच्छी बात है लेकिन प्रश्न वो होता है।

**प्रमोद सामंत :-**

केलेल्या चुकांना मंजूरी द्यायची अस बोलुन मंजूरी देता येईल का.

**जुबेर इनामदार :-**

दिली नसेल तर देता येईल का वाढ. करता येईल का दरामध्ये वाढ.

**दिपक खांबित :-**

ऑलरेडी या रेटनेच दिले आहे. कमी रेटने दिलेले नाही. उद्या जर तुम्ही रेट वाढवले ना त्याप्रमाणे त्यांच्याकडून पैसे वसूल करणार.

**जुबेर इनामदार :-**

महापौर मॅडम, विषय समजून घ्यावा. दर मंजुरीसाठी आज आला आहे. ४ दिवस आधी आय.एस.डी., एसटीडी. केबल कापण्यासाठी परमिशन आपण दिली. त्यांना देताना तुम्ही कुठलेही दर लावले एकतर वाढीव कर लावले तुम्हाला तस करता येईल का? कायद्यात तुम्हाला ते करता येईल का शक्य आहे का? उद्या ते तुमच्या विरोधात गेले कोर्टात तर तुम्हाला ते परत करावे लागेल की हे दर होते तुमचे निश्चित दर, वाढीव दर तुमच्या १८ तारखेच्या महासभेमध्ये.....

**दिपक खांबित :-**

साहेब कस आहे या ज्या एजन्सी खोदतात ना यांच्याकडून वास्तविक जेवढे आपलं खोदकाम रस्ता दुरुस्तीला खर्च व्हायला पाहिजे. तेवढेच पैसे घ्यायला पाहिजे फक्त. तरी सुध्दा आपण आपली स्थानिक परिस्थिती बघून ३ पट त्यांच्याकडून पैसे घेता साहेब.

**जुबेर इनामदार :-**

साहेब तुम्हाला अधिकार नव्हता कमिशनरला ऑप्टिकल केबल फायबर संदर्भात तुम्हाला त्याचा अधिकार आहे. तुम्हाला पाहिजे ते धोरण ठरवू शकता त्यांच्या विरोधात. पाहिजे तितक्या फोडा तुम्ही आकारू शकता तुम्हाला अधिकार आहे.

**प्रमोद सामंत :-**

महापौर मॅडम, कायम आपण ठेकेदार त्याच्या बाजूने आपले अधिकारी बोलत असतात. कशाला अस करतात हो. कशाला ठेकेदाराला पाठिशी घालतात.

**दिपक खांबित :-**

सर फायबर ऑप्टिकलमध्ये जी आर आहे त्याच्यामध्ये स्पष्ट म्हटले आहे की ते गव्हरमेन्ट..... प्लस महानगरपालिकेला

**प्रमोद सामंत :-**

फायबर ऑप्टिकलमध्ये जी आर मध्ये कुठेही म्हटलेले नाही डक्ट बनवायचे आहे डक्ट चे पैसे घेतले ना. नाही डक्ट चे पैसे घेत नाहीत.

**दिपक खांबित :-**

नाही ना ते नाहीच जी आर मध्ये

**जुबेर इनामदार :-**

सर तुम्हाला ते डी.सी रूल नियमामध्ये तो आपल्याला अधिकार प्राप्त आहे तुम्हाला त्याच्यामध्ये तुम्ही घेऊ शकता तुम्ही तुमच्या अधिकारात त्यांना डक्टचे पैसे त्यांच्याकडून दूसरे अधिक त्याच्यापेक्षा शुल्क तुम्ही आकारू शकता.

**प्रमोद सामंत :-**

३ वर्षापासूनचा विषय आहे डक्ट जी आर मध्ये नाही ते डक्ट काढायला कसे देतात काय कारण आहे. आणि कोणत्या नियमामध्ये.

**निलम ढवण :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील सार्वजनिक रस्ते विविध सेवा वाहीन्या टाकण्यासाठी सेवा संस्था मार्फत खोदण्यात येतात. त्यासाठी महानगरपालिकेमार्फत ठरलेले दर आकारून परवानग्या देण्यात येतात व सदर रस्ते महानगरपालिकेमार्फत दुरुस्ती करण्यात येतात सद्यस्थितीत आकारण्यात येणाऱ्या दरात वाढ करण्याची आवश्यकता असून ठाणे महानगरपालिकेच्या धर्तीवर इतर अत्यावश्यक कामे व दंड रक्कम आकारण्याचा प्रस्ताव खालील प्रमाणे सादर करण्यात आला आहे.

अ.क्र	रस्त्याचा प्रकार/ पुर्नपृष्ठीकरण पृष्ठभाग	प्रस्तावित दर
१	२	३
१.	रस्त्याखालुन भुयारी मार्गाने ड्रिलींग करणे	रु. २०००/-प्रति रनिंग मिटर
२.	ग्राऊंटींग केलेला रस्ता	रु. ३९००/-प्रति चौ.मी
३.	कच्चा रस्ता	रु. २०९०/-प्रति चौ.मी
४.	डब्ल्यु बी.एम.रस्ता	रु. ३३००/-प्रति चौ.मी
५.	कॉक्रीट रस्ता	रु. ११७००/-प्रति चौ.मी
६.	डांबरी रस्ता	रु. ९६००/-प्रति चौ.मी
७.	कॉक्रीट पदपथ	रु. ५५००/-प्रति चौ.मी
८.	फ्लायओव्हर	रु. १३००००/-प्रति चौ.मी
९.	सब-वे	रु. ७८००००/-प्रति चौ.मी
१०.	कल्हर्ट	रु. ५७२००/-प्रति चौ.मी
११.	पदपथ	

	१) पेव्हर ब्लॉक वगळता इतर पृष्ठभाग (पुर्नपृष्ठीकरण पेव्हर ब्लॉक) २) पेव्हर ब्लॉक वगळता इतर पृष्ठभाग (पुर्नपृष्ठीकरण लॅक कॉटेड पेव्हर ब्लॉक) ३) पेव्हर ब्लॉक ४) लॅकर कॉटेड पेव्हर ब्लॉक (पुर्नपृष्ठीकरण लॅकर कॉटेड पेव्हर ब्लॉक)	सर्व पदपथासाठी रु. ५५००/- प्रति चौ.मी
१२.	रस्ता १) मास्टीक अस्फाल्ट २) डांबरी ६०/७० ग्रेड ३) डांबरी ३०/४० ग्रेड ४) पेव्हर ब्लॉक ८०मी.मी ५) पेव्हर ब्लॉक १००मी.मी	रु.७९००/- प्रति चौ.मी रु.९६००/-प्रति चौ.मी रु.९६००/-प्रति चौ.मी रु.५५००/-प्रति चौ.मी रु.५५००/-प्रति चौ.मी
१३.	केबल अंतरण्यासाठी अस्तीत्वातील डक्ट वापरणे	रु. ३०००/- प्रति मी/ प्रति केबल
१४.	जास्त क्षेत्रफळाच्या डक्ट केबलसाठीचे दर	६ इंच (१८२.३२ चौ.सेमी) साठी वरील प्रमाणे प्रमाणीत दर त्यापुढील क्षेत्रफळासाठी रस्ता खोदाईमध्ये प्रो रेटा प्रमाणे येणारे अतिरीक्त रस्ता खोदाई आकारणी
१५.	एच.डी.डी /ओपन कट मधील चेंबर्स	वरील अ क्र २ ते १२ प्रत्यक्ष मोजमापाप्रमाणे अधिक ५०s
१६.	शिवाजी महाराज मार्ग	रु.१०,३३०/-
१७.	रस्त्याची खोलीचे खोदाईचे दर	१) १ मी किंवा त्यापेक्षा कमी खोली खोदाईसाठी – १मी खोली खोदाईप्रमाणे असणारे वरीलप्रमाणे प्रमाणीत दर २) १ मी पेक्षा जास्त खोली खोदाईसाठी वरील १ मी प्रमाणे प्रमाणीत दर अधिक वाढीव खोलीसाठी प्रो रेटा प्रमाणे वाढीव दर
१८.	रस्त्याच्या रुंदीकरीता दर	१) १ मी किंवा त्या पेक्षा कमी रुंदीसाठीचे खोदाईसाठी १ मी रुंदी प्रमाणे असणारे वरील प्रमाणे प्रमाणीत दर २) १ मी पेक्षा जास्त रुंदी खोदाईसाठी वरील १ मी प्रमाणे प्रमाणीत दर अधि वाढीव रुंदीसाठी प्रो रेटा प्रमाणे येणारे वाढीव दर
१९.	दोषदायित्व कालावधीमध्ये आकारावयाचे दर,	१) दोषदायित्व कालावधीचे १ ले वर्ष वरील दराप्रमाणे येणारी रक्कम अधिक १०० sजास्त २) दोषदायित्व कालावधीचे २ रे वर्ष वरील दराप्रमाणे येणारी रक्कम अधिक ५०sजास्त ३) दोषदायित्व कालावधीचे ३ रे वर्ष वरील दराप्रमाणे येणारी रक्कम अधिक २५sजास्त
२०.	दंडात्मक आकारणी १) पुर्नपृष्ठीकरण फी चा भरणा केला नाही / परंतु विना परवानगी रस्ते खोदाई केली नाही. (बदल नाही) २) पुर्नपृष्ठीकरण फी चा भरणा केला आहे. / परवानगी पत्र दिले नाही / परंतु विना परवानगी रस्ते खोदाई केली आहे (बदल नाही) ३) पुर्नपृष्ठीकरण फी चा भरणा केला आहे. / परवानगी पत्र दिले आहे. / परंतु विहित मुदतीत काम पुर्ण केले नाही. ४) डक्ट केबल टाकण्याचे काम झाले आहे. परंतु अतिरीक्त माती उचलण्यात आलेली नाही ५) रस्ता खोदाई परवानगी मधील अटी व शर्ती	१) पुर्नपृष्ठीकरण फी अधिक पुर्नपृष्ठीकरण फी च्या ५०sदंडात्मक रक्कम २) पुर्नपृष्ठीकरण फी च्या २५sदंडात्मक रक्कम ३) मुदत संपल्यानंतर रु. १३००/- प्रति दिन ४) प्रति ट्रक / डंपर फे-यास रु.२६००/- प्रमाणे दंड आकारणी ५) सुरक्षा अनामत रक्कमेपासुन वसुल करण्यात येईल ६) सुरक्षा अनामत रक्कमेपासुन वसुल करण्यात येईल



## प्रभात पाटील :-

हा जो विषय आहे याच्यातून नक्कीच रिव्हेंयू मिळेल. आपल्याला असा विषय होता आणि त्याची गरज पण आहे. मी अगदी छोट्याशा मुदयाकडे तुमचे लक्ष वेधते जो आपल्या सर्वांसाठीच आहे. सगळ्या नगरसेवकांसाठी आहे या शहरामध्ये गणपती उत्सव असो नवरात्री उत्सव असो कोणाकडे लग्न असो काहीही असो शहरामध्ये कुठेही रस्ते खोदतात हा विषय सगळ्यांचा आहे. कुठेही खोदतात मग त्यांना काय शिक्षा. बर त्या खोदलेल्या मंडपांना जर कोणाच्या गाडीचा धक्का लागला बाईकचा धक्का लागला तर तिथे मारामारी होते हाणामारी होते तो वेगळा भाग आपला रस्ता किती कवर करतात किती पादचाऱ्यांना चालण्यासाठी ठेवतात किती वाहनांना जायला सोडतात याकडे आपल्या पालिका प्रशासनाचे जराही लक्ष नसतं. अशा लोकांकडून तुम्ही काय आकारणार त्यांना काय दंडात्मक कारवाई करणार. आज कित्येक महिने झाले आमदार साहेब तुमच्या वॉर्डातून म्हणजे इंद्रलोकमधून उपमहापौरांच्या केबीनमध्ये जायचा रस्ता वॉर्डाकडे जायचा रस्ता एक महिना झाला बंद आहे किती फेरी मारून जावे लागते. नवघर रोडला किंवा स्टेशनला जायचे तर १ महिना झालं बंद आहे. नवघररोडवरून रिश्वावाले आणत नाही जायलाच मार्ग नाही यांच्याकडे माझा स्वतःचा नियमित रस्ता आहे तो याच्यावर आपल नियंत्रण ही नाही आपण किती दिवस कुणाला परवानग्या दिल्या आहेत. किती दिवसात ते पूर्ण व्हायला पाहिजे सार्वजनिक रूपाप्रमाणे आपण परवानग्या देतो की नाही की ते बिना परवानग्याने ते लोक तिथे काम करतात याच्यावर आपल्या प्रशासनाचे जराही लक्ष नाही. मात्र याच्यामध्ये आपण एक वाक्य टाकून ठेवले आहे छानपैकी की बिना परवानगी तसे अटीशर्तीवरती सुरक्षिततेच्या नियमांचे पालन न करता खोदाई काम करणाऱ्यावर दंडात्मक कारवाई करू शकेल हे आपण कधी करणार हे फक्त आमचं समाधान आहे का? ही खूप छोटी गोष्ट आहे पण सगळ्यांना या गोष्टीचा त्रास होतो.

## प्रमोद सामंत :-

आता पुढचे जे परमिशन देतील ना त्या प्रत्येक परमिशनमध्ये महानगरपालिकेचे एक डक्ट टाकायला कम्पलसरी करा. सी.सी.टी.व्ही. कॅमेरा शहरात लावायचे आहे. एक डक्ट ठेवायला सांगा महानगरपालिकेसाठी.

## शिल्पा भावसार :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलु इच्छिते आयुक्त साहेब मला एवढच सांगायचे आहे की सिव्हरेज जे गटार पाईपलाईनचे जे काम आपले चालु आहे त्यामुळे जो रस्ता खोदला जातो त्याच्यानंतर ते रस्ता पॅक करण्याची जबाबदारी त्यांचीच असते पण त्यांनी ती जबाबदारी नीट निभावलेली नाही पूर्ण मिरा भाईदरमध्ये माझ्या वॉर्डात सुध्दा माझे हे म्हणणे आहे. आम्ही पत्र टाकतो पण त्याचे उत्तर काय आम्हाला व्यवस्थित भेटत नाही. पॅचवर्क असेच सोडून ते निघून गेलेले आहे त्याच्यावर कोणी बघणारे आपल्याकडे माणूस नाही. पालिकेतून की त्यांनी ते काम केले आहे नाही केले कसे केले परत ते स्पीड ब्रेकर जे ऑलरेडी होते रोडवर.

## मा. महापौर :-

विषयाला धरून बोला विषय आता आपला दरवादीचा आहे.

## शिल्पा भावसार :-

पण मॅडम ज्याला आपण पैसे देतो तो माणूस काम करत नाही. तर त्याला आपण बोलू शकतो ना. आपण विषयालाच धरून आहेना.

## मा. महापौर :-

नाही आपला फक्त दरवादीचा आहे.

## शिल्पा भावसार :-

हे बोलायला आपल्याला कधी वेळ भेटणार. कारण अस आम्ही पत्रव्यवहार करतो त्याचे उत्तर आम्हाला भेटत नाही आणि त्यामुळे आमच्या वॉर्डात ॲक्सीडेंट होतात आणि जवान तर जवान मुले वयस्कर बाई वगैरेचे ॲक्सीडेंट होतात आणि ते पठारीमध्ये पडलेले आहेत. स्पीडब्रेकर जे असतात ना त्यांनी ते स्पीड ब्रेकर बनवून घ्यायला पाहिजे ते स्पीड ब्रेकर ते बनवत नाही.

## मा. महापौर :-

शिल्पा मॅडम तस काही असेल तर माझ्या केबीनमध्ये या. तुमचे समाधान मी करून देणार मी बोलवते संबंधित अधिकाऱ्यांना.

## शिल्पा भावसार :-

सिव्हरेजवाल्यांना बोलवून तुम्ही ती कारवाई करा.

## मा. महापौर :-

ठराव सुचनेसह मंजूर. पुढचा विषय घ्या.

## प्रकरण क्र. १३४ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेमार्फत विविध सेवा संस्थांनी डक्ट / केबलसाठी आकारण्यात येणाऱ्या दरात वाढ करणे व आवश्यक इतर कामासाठी दर आकारणेबाबत.

## ठराव क्र. १०२ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील सार्वजनिक रस्ते विविध सेवा वाहीन्या टाकण्यासाठी सेवा संस्था मार्फत खोदण्यात येतात. त्यासाठी महानगरपालिकेमार्फत ठरलेले दर आकारून परवानग्या देण्यात



येतात व सदर रस्ते महानगरपालिकेमार्फत दुरुस्ती करण्यात येतात सद्यस्थितीत आकारण्यात येणा-या दरात वाढ करण्याची आवश्यकता असून ठाणे महानगरपालिकेच्या धर्तीवर इतर अत्यावश्यक कामे व दंड रक्कम आकारण्याचा प्रस्ताव खालील प्रमाणे सादर करण्यात आला आहे.

अ.क्र	रस्त्याचा प्रकार/ पुर्नपृष्ठीकरण पृष्ठभाग	प्रस्तावित दर
१	२	३
१.	रस्त्याखालुन भुयारी मार्गाने ड्रिलिंग करणे	रु. २०००/-प्रति रनिंग मिटर
२.	ग्राऊंटींग केलेला रस्ता	रु. ३९००/-प्रति चौ.मी
३.	कच्चा रस्ता	रु. २०९०/-प्रति चौ.मी
४.	डब्ल्यु बी.एम.रस्ता	रु. ३३००/-प्रति चौ.मी
५.	काँक्रीट रस्ता	रु. ११७००/-प्रति चौ.मी
६.	डांबरी रस्ता	रु. ९६००/-प्रति चौ.मी
७.	काँक्रीट पदपथ	रु. ५५००/-प्रति चौ.मी
८.	फ्लायओव्हर	रु. १३००००/-प्रति चौ.मी
९.	सब-वे	रु. ७८००००/-प्रति चौ.मी
१०.	कल्हर्ट	रु. ५७२००/-प्रति चौ.मी
११.	पदपथ १) पेव्हर ब्लॉक वगळता इतर पृष्ठभाग (पुर्नपृष्ठीकरण पेव्हर ब्लॉक) २) पेव्हर ब्लॉक वगळता इतर पृष्ठभाग (पुर्नपृष्ठीकरण लॅक कॉटेड पेव्हर ब्लॉक) ३) पेव्हर ब्लॉक ४) लॅकर कॉटेड पेव्हर ब्लॉक (पुर्नपृष्ठीकरण लॅकर कॉटेड पेव्हर ब्लॉक)	सर्व पदपथासाठी रु. ५५००/- प्रति चौ.मी
१२.	रस्ता ६) मास्टीक अस्फाल्ट ७) डांबरी ६०/७० ग्रेड ८) डांबरी ३०/४० ग्रेड ९) पेव्हर ब्लॉक ८०मी.मी १०) पेव्हर ब्लॉक १००मी.मी	रु.७९००/- प्रति चौ.मी रु.९६००/-प्रति चौ.मी रु.९६००/-प्रति चौ.मी रु.५५००/-प्रति चौ.मी रु.५५००/-प्रति चौ.मी
१३.	केबल अंथरण्यासाठी अस्तीत्वातील डक्ट वापरणे	रु. ३०००/- प्रति मी/ प्रति केबल
१४.	जास्त क्षेत्रफळाच्या डक्ट केबलसाठीचे दर	६ इंच (१८२.३२ चौ.सेमी) साठी वरील प्रमाणे प्रमाणीत दर त्यापुढील क्षेत्रफळासाठी रस्ता खोदाईमध्ये प्रो रेटा प्रमाणे येणारे अतिरिक्त रस्ता खोदाई आकारणी
१५.	एच.डी.डी /ओपन कट मधील चेंबर्स	वरील अ क्र २ ते १२ प्रत्यक्ष मोजमापाप्रमाणे अधिक ५०९
१६.	शिवाजी महाराज मार्ग	रु.१०,३३०/-
१७.	रस्त्याची खोलीचे खोदाईचे दर	३) १ मी किंवा त्यापेक्षा कमी खोली खोदाईसाठी – १मी खोली खोदाईप्रमाणे असणारे वरीलप्रमाणे प्रमाणीत दर ४) १ मी पेक्षा जास्त खोली खोदाईसाठी वरील १ मी प्रमाणे प्रमाणीत दर अधिक वाढीव खोलीसाठी प्रो रेटा प्रमाणे वाढीव दर
१८.	रस्त्याच्या रुंदीकरीता दर	३) १ मी किंवा त्या पेक्षा कमी रुंदीसाठीचे खोदाईसाठी १ मी रुंदी प्रमाणे असणारे वरील प्रमाणे प्रमाणीत दर ४) १ मी पेक्षा जास्त रुंदी खोदाईसाठी वरील १ मी प्रमाणे प्रमाणीत दर अधि वाढीव रुंदीसाठी प्रो रेटा प्रमाणे येणारे वाढीव दर
१९.	दोषदायित्व कालावधीमध्ये आकारावयाचे दर,	४) दोषदायित्व कालावधीचे १ ले वर्ष वरील दराप्रमाणे येणारी रक्कम अधिक १०० ऽजास्त ५) दोषदायित्व कालावधीचे २ रे वर्ष वरील दराप्रमाणे येणारी रक्कम अधिक ५०९जास्त ६) दोषदायित्व कालावधीचे ३ रे वर्ष वरील दराप्रमाणे

		येणारी रक्कम अधिक २५sजास्त
२०.	दंडात्मक आकारणी ७) पुर्नपृष्ठीकरण फी चा भरणा केला नाही / परंतु विना परवानगी रस्ते खोदाई केली नाही. (बदल नाही) ८) पुर्नपृष्ठीकरण फी चा भरणा केला आहे. / परवानगी पत्र दिले नाही / परंतु विना परवानगी रस्ते खोदाई केली आहे (बदल नाही) ९) पुर्नपृष्ठीकरण फी चा भरणा केला आहे. / परवानगी पत्र दिले आहे. / परंतु विहीत मुदतीत काम पुर्ण केले नाही. १०) डक्ट केबल टाकण्याचे काम झाले आहे. परंतु अतिरीक्त माती उचलण्यात आलेली नाही ११) रस्ता खोदाई परवानगी मधील अटी व शर्ती नियमांचे पालन न केल्यास १२) दंडात्मक रक्कम न भरल्यास	१) पुर्नपृष्ठीकरण फी अधिक पुर्नपृष्ठीकरण फी च्या ५०sदंडात्मक रक्कम २) पुर्नपृष्ठीकरण फी च्या २५sदंडात्मक रक्कम ३) मुदत संपल्यानंतर रु. १३००/- प्रति दिन ४) प्रति ट्रक / डंपर फे-यास रु.२६००/- प्रमाणे दंड आकारणी ५) सुरक्षा अनामत रक्कमेपासुन वसुल करण्यात येईल ६) सुरक्षा अनामत रक्कमेपासुन वसुल करण्यात येईल
२१.	भुईभाडे आकारणी	रु. १०/- प्रति वर्ष प्रति मीटर या प्रमाणे २० वर्षासाठी एकरकमी रु २००/- प्रति मीटर
२२.	मायक्रोट्रेन्चींग	मायक्रोट्रेन्चींगद्वारे परवानगी देऊ नये
२३.	सुरक्षा अनामत	एकूण आय आय चार्जेसच्या १० टक्के
२४.	पर्यवेक्षक फी	एकूण आर आय चार्जेसच्या १५ टक्के

वर नमुद केलेल्या रस्त्याचे प्रकारात तसेच उपरोक्त नविन प्रस्तावित केलेल्या दरात इतर स्वायत्त संस्था आकारत असलेल्या दराप्रमाणे दर आकारल्यास महानगरपालिकेच्या उत्पन्नात वाढ होणार आहे व विना परवानगी तसेच अटीशर्ती व सुरक्षिततेच्या नियमांचे पालन न करात खोदाई कामे करणा-यावर दंडात्मक कारवाई करता येऊ शकेल. जे रस्ते नव्याने तयार करण्यात आले आहेत. त्यावर खोदाई करणेस शक्यतो मनाई करण्यात यावी. तथापी अपवादात्मक स्थितीमध्ये परवानगी देणे आवश्यक असल्यास दोषदायित्वाचा कालावधीस अनुसरून रक्कम आकारणी करावी.

वरील कामामध्ये खोदाईसाठी सरासरी १.०० मीटर रुंदीसाठी दर आकारण्यात यावेत. विविध सेवा संस्थामार्फत डक्ट/ केबल साठी आकारण्यात येणा-या रस्ता फोड फी मधील सुरक्षा अनामत ही १ वर्षानंतर परत करण्यात यावी.

वरीलप्रमाणे दर आकारण्यास मान्यता देण्यात येत आहे.

**सुचक :- सौ. निलम ढवण**

**अनुमोदक :- सौ. अनिता परमार**

**सदर ठरावामध्ये सुचक श्री. जुबेर इनामदार व अनुमोदक श्री. ध्रुवकिशोर पाटील ह्यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.**

मिरा भाईदर महानगरपालिकेमार्फत विविध सेवा संस्थाना डक्ट/ केबलसाठी आकारण्यात येणा-या रस्ता फोड फी दर सुधारीत करणेबाबत महानगरपालिकेच्या प्रस्तावित गोषवा-यामध्ये अनुक्रमांक २१ “भुईभाडे” या शिर्षकामध्ये उल्लेखनिय बाबींचा समावेश करावा.

विविध कंपनीच्या माध्यमातून केबलच्या तांत्रिक बाबीसाठी बांधण्यात येणा-या चेंबर्सवर प्रतीवर्ष प्रतीमीटर रु. २४,०००/- शुल्क आकारण्यात यावे. १ मीटर ते २ मीटर पर्यंत रु. ४८,०००/- व याचप्रमाणे अधिक क्षेत्रफळानुसार वाढीव शुल्क आकारण्यात यावे. तसेच तुटलेल्या चेंबर्सची डागडुजी करण्याची व त्याच्यावरती झाकणे बदलण्याची जबाबदारी संबंधीत संस्थांनी काटेकोरपणे करावी व सदर कामामध्ये त्यांनी हलगर्जीपणा केल्यास त्यांच्यावर प्रतीदिन रु. ३,०००/- प्रमाणे दंडाची रक्कम आकारावी, अशी मी सुचना मांडत आहे. तसेच सदर कंपनीने या अगोदर तयार केलेल्या डक्ट (चेंबर्स) चे शुल्क उपरोक्त दराप्रमाणे आकारून वसुल करण्यात यावेत.

**ठराव सुचनेसह सर्वानुमते मंजुर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३५, महानगरपालिका आकृतीबंधास व सुधारीत सेवा प्रवेश नियमांना मंजुरी मिळणेबाबत. (मा. महासभा दि. ०४/१२/२०१५ रोजीचे तहकुब प्रकरण क्र. ११२)

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम, विनंती आहे सभागृहाच्या माध्यमातून हा विषयनंतर घेण्यात यावा.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३६, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या विविध शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित करणेबाबत.

**रोहिदास पाटील :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात महानगरपालिकेच्या एकूण ३५ शाळा कार्यान्वित आहेत. या शाळांमधील विद्यार्थ्यांच्या सुरक्षेच्या दृष्टीने शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित केलेस देखरेख ठेवणे सोईचे होईल. याकामी सी. सी. टी. व्ही. कॅमेरे, डी. व्ही. आर खरेदी व इन्स्टॉलेशन याकामी अंदाजे ५० लाखापर्यंत खर्च अपेक्षित आहे. उपरोक्त कामी संगणक विभागाच्या “संगणक सॉफ्टवेअर, हार्डवेअर साहित्य खरेदी” या लेखाशिर्षा अंतर्गत रु. २.५० कोटी इतकी तरतूद करण्यात आलेली आहे. प्राप्त तरतूदीतून मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या ३५ शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित करणेकामी होणाऱ्या खर्चास ही महासभा मंजूरी देत आहे.

याशिवाय महानगरपालिका क्षेत्रातील सर्व अनुदानित, विना-अनुदानित, खाजगी शाळा, संस्था संचलित शाळा, महाविद्यालये व लहान-मोठ्या सर्व शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. कॅमेरे लावणे महानगरपालिकेने बंधनकारक करावे. तसेच महानगरपालिकेच्या ताब्यातील सर्व इमारतींमध्ये देखिल महानगरपालिकेने सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित करावी.

**नयना वसाणी :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मॅडम एक सूचना आहे. ३५ शाळांच्या सर्व वर्गात कॅमेरे बसवावेत, त्यामध्ये आवाज रेकॉर्ड करण्याची सुविधापण असावी. सर्व कॅमेऱ्यांचे नेटवर्किंग करून मा. शिक्षण अधिकारी व मा. आयुक्त यांना त्यांच्या कार्यालयात बसून पहाता येईल अशी व्यवस्था करावी. यामुळे शिक्षक कसे शिकवतात व त्यांची उपस्थिती, शाळेचा कारभार कसा चालत आहे हे पहाता येईल, याने शिक्षणाचा दर्जा सुधारणेस मदत होईल अशी मी सूचना मांडत आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

सूचना चांगली आहे आणि ती करायलाच पाहिजे. पण या ठरावामध्ये आपण अँड केले तर बाकीचे पण काम कुठेतरी डायव्हरशन होईल.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

सूचना अतिशय चांगली आहे आम्ही अस म्हणत नाही ना की तुमच बजेट कमी करा.

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम असं आहे की या मिरा भाईंदरमध्ये उत्तन ते चेणापर्यंत आपल्या शाळा आहेत ३३ आणि एकूण ८० कि.मी. आपली ती सूचना घ्यावी पण दोन्ही प्रस्ताव वेगळे करा नाहीतर याच्यामुळे तेही अडकून राहतील. कारण की हा पूर्ण ७९ कि.मी. लिंक यांच्यामुळे कॅमेराच नाही तर आपल्या सगळ्या गोष्टी येणार आहे. आणि हे एक दिवसाचे काम नाही त्याला कमीत कमी आज सुरुवात केली तरी ६-८ महिने त्याला लागणार आहे. फुल प्लॅस्ट ते अंडरग्राऊड टाकायला सांगितले डक्ट घ्यायचे सगळी कनेक्टीविटी टाकायला करावी लागणार आहे. सूचना आपली चांगली आहे परंतु हे आपण नंतर याचे इस्टीमेट करून सादर करावे.

**भगवती शर्मा :-**

समाविष्ट करके रखलो जैसे आगे सुविधा बैठती है वैसे इसका इम्प्लीमेंटेशन करो।

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

साहेब तुम्ही ज्यावेळी हे काम सुरु करणार त्यावेळी त्या ठेकेदाराला तुमच्या अधिकाऱ्याला की याची प्रोव्हिजन करून ठेवायला पाहिजे. नाहीतर अस नाही उद्या आपण कॅमेरा लावू अन त्याची प्रोव्हिजनच नाही. भविष्यात आपल्याला नेटवर्किंग करायचे आहे. शिक्षण अधिकाऱ्यांच्या ऑफिसमध्ये बसून त्या शाळेमध्ये शिक्षक आहेत की नाही त्या वर्गात मुले आहेत की नाही हजेरी किती आहे काय कारभार चालू आहे.

**मा. महापौर :-**

ठराव मंजूर. सुचनेसह करणे जाणगे तो अपना काम लंबा हो जाएगा। प्रायमरी स्टेज पे हम कॅमेरा करते है प्रोव्हिजन जरूर उनको बोला जाएगा रखने के लिए।

**भगवती शर्मा :-**

लेकिन सूचना को इन्क्लूड किया है ना आपने।

**मा. महापौर :-**

सूचना सेकंड फेज के लिए।

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

आम्ही तुम्हाला सजेशन दिलेले आहे एक्सेप्ट करा ना.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम याचे जे नेटवर्किंगची सूचना मांडली तर इस्टीमेट करुन विषय पुढच्या मिटींगला सादर करावे.

**भगवती शर्मा :-**

मॅडम तुमचे तसे डायरेक्शन पाहिजे.

**मा. महापौर :-**

ध्रुवकिशोर साहेब आपली सुचनेसह इस्टीमेट करुन पुढच्या सभेत मंजूरीसाठी आणा.

**बर्नड डिमेलो :-**

महापौर मॅडम तो प्रश्न कसा आहे आता जर आपण सिस्टम डिव्हीआर वगैरे बसवणार ना त्याला इंटरनेटवर कनेक्टिंग करण्यासाठी ती साधन तशी बसवा म्हणजे परत ती बदलावी लागणार नाही असा विषय आहे तो. आम्ही दिला तरी तुमच नाव कमी होणार नाही.

**प्रकरण क्र. १३६ :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या विविध शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित करणेबाबत.

**ठराव क्र. १०४ :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रात महानगरपालिकेच्या एकूण ३५ शाळा कार्यान्वित आहेत. या शाळांमधील विद्यार्थ्यांच्या सुरक्षेच्या दृष्टीने शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित केलेस देखरेख ठेवणे सोईचे होईल. याकामी सी. सी. टी. व्ही. कॅमेरे, डी. व्ही. आर खरेदी व इन्स्टॉलेशन याकामी अंदाजे ५० लाखापर्यंत खर्च अपेक्षित आहे. उपरोक्त कामी संगणक विभागाच्या “संगणक सॉफ्टवेअर, हार्डवेअर साहित्य खरेदी” या लेखाशिर्षा अंतर्गत रू. २.५० कोटी इतकी तरतूद करण्यात आलेली आहे. प्राप्त तरतूदीतून मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या ३५ शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित करणेकामी होणाऱ्या खर्चास ही महासभा मंजूरी देत आहे.

याशिवाय महानगरपालिका क्षेत्रातील सर्व अनुदानित, विना-अनुदानित, खाजगी शाळा, संस्था संचलित शाळा, महाविद्यालये व लहान-मोठ्या सर्व शाळांमध्ये सी. सी. टी. व्ही. कॅमेरे लावणे महानगरपालिकेने बंधनकारक करावे. तसेच महानगरपालिकेच्या ताब्यातील सर्व इमारतींमध्ये देखिल महानगरपालिकेने सी. सी. टी. व्ही. यंत्रणा कार्यान्वित करावी.

**सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील**

**अनुमोदक :- श्री. नयना वसाणी**

**सदर ठरावामध्ये सुचक श्री. ध्रुवकिशोर पाटील व अनुमोदक श्री. जुबेर इनामदार ह्यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.**

३५ शाळांच्या सर्व वर्गात कॅमेरे बसवावेत, त्यामध्ये आवाज रेकॉर्ड करण्याची सुविधापण असावी. सर्व कॅमेऱ्यांचे नेटवर्किंग करुन मा. शिक्षण अधिकारी व मा. आयुक्त यांना त्यांच्या कार्यालयात बसून पहाता येईल अशी व्यवस्था करावी. यामुळे शिक्षक कसे शिकवतात व त्यांची उपस्थिती, शाळेचा कारभार कसा चालत आहे हे पहाता येईल, याने शिक्षणाचा दर्जा सुधारणेस मदत होईल अशी मी सुचना मांडत आहे.

**ठराव सुचनेसह सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३७, महापौर चषक २०१६ आयोजित करणेसाठी खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणेबाबत.

**शरद पाटील :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिका शहरातील विविध शाळा, विद्यालये, महाविद्यालयातील होतकरू खेळाडूंच्या सुप्त गुणांना प्रोत्साहन मिळावे तसेच सदर खेळाडूंना एक नविन व्यासपीठ उपलब्ध होऊन त्यामधील काही खेळाडू पुढे येऊन राज्य, राष्ट्रीय तसेच जागतिक स्तरावर आपले, आपल्या शहराचे नाव गौरांन्वित करतील या हेतूने मिरा भाईदर महानगरपालिकेमार्फत महापौर चषक क्रिडा स्पर्धा अंतर्गत शालेय क्रिडा स्पर्धेचे आयोजन करण्यासाठी मा. महापौर यांनी कळविलेले आहे.

सदर स्पर्धेचे मोठ्या स्वरूपात व अतिशय कमी वेळेत आयोजन करावयाचे असल्याने या कामाच्या आयोजनाचा अनुभव असलेल्या संस्थांना सर्व कामासाठी नेमावे लागेल (छद्दद्वय'न्न कङ्कदद्य ग्हुदङ्कङ्कङ्कदद्य ऋङ्कङ्कदङ्क)

सदर महापौर चषक स्पर्धेतर्गत खालील खेळ आयोजित करावयाचे आहेत.

- १) कबड्डी
- २) खो-खो
- ३) बास्केट बॉल
- ४) व्हॉली बॉल
- ५) फुटबॉल
- ६) लंगडी
- ७) क्रिकेट

- ८) बुध्दीबळ
- ९) टेबल टेनिस
- १०) बॅडमिन्टन
- ११) शरीर सौष्ठव
- १२) गायन
- १३) चित्रकला
- १४) नाच
- १५) एकांकीका स्पर्धा
- १६) धावणे (ऋणाण्ठुघर्त्रुडघ)
- १७) कुस्ती
- १८) वकृत्व स्पर्धा

वरील स्पर्धांच्या आयोजनासाठी सर्व साधारणपणे रोख बक्षिसे, ट्रॉफी यावर रु.१२.०० लक्ष, पंच, रेफरी, जज यांच्यावर रु.२३.०० लक्ष एवढा खर्च होईल. तसेच स्टेशनरी, स्कोअर शीट, खेळाचे साहित्य यावर रु.६.०० लक्ष एवढा तर खानपान, चहापाण्यावर रु.३.०० लक्ष, मिडीया पब्लिसिटी वर रु.१०.०० लक्ष, मंडप, खुर्च्या, माईक सिस्टीम व इतर साहित्य, फोटोग्राफी, व्हिडीयो शुटींग, टी-शर्ट कॅप, इ. वर रु.१३.०० लक्ष असे मिळून ६७.०० लक्ष एवढा खर्च होऊ शकेल. सदर कामावर होणाऱ्या खर्चासाठी सन २०१५-१६ या वर्षाच्या अर्थसंकल्पात “महापौर चषक” या लेखाशिर्षातर्गत रु.१.०० कोटी तरतूद उपलब्ध आहे. तथापी (चदृद्धघ'न्न कडुदघ गडुदुदुद्धुद्धुदघ) ची नेमणूक करुन त्यांच्यामार्फत व स्पर्धेच्या आयोजनाची जबाबदारी टाकण्यासाठी निविदा मागवाव्या लागतील व सदर निविदा मा. स्थायी समितीने मान्य केल्यानंतर संस्थेस कार्यादेश देऊन पुढील कामे करावी लागतील. तसेच स्पर्धेच्या विविध स्तरावरील नियंत्रणासाठी विविध विभागप्रमुख, अधिकारी कर्मचारी यांना कामे नेमून द्यावी लागतील.

महापौर चषक - २०१६ स्पर्धेतील प्रत्येक खेळातील विजेता खेळाडूंना बक्षिस स्वरूपात रोख रक्कम देणेस्तव अग्रीम रक्कम उपलब्ध करुन देणे व बक्षिसाची रक्कम ठरविण्याचे अधिकार मा. आयुक्त साो. यांना देण्यात येत आहेत. सदर महापौर चषक - २०१६ याकरीता अंदाजित रक्कम रु.६७ लक्ष किंवा त्यापेक्षा अधिक खर्च अपेक्षित असून येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यात येत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

#### वर्षा भानुशाली :-

माझे अनुमोदन आहे.

#### आसिफ शेख :-

माझी यात सुचना आहे. या ठिकाणी आपण जो महापौर चषकाच्या माध्यमातून विविध स्पर्धेचे आयोजन केले आहे त्यासाठी सर्वप्रथम आपले मी या ठिकाणी अभिनंदन करतो या ठिकाणी आणखी दोन स्पर्धा अॅड करण्यात याव्या एकतर मिरा भाईंदर सुंदरी आहे दुसरी वकृत्व स्पर्धा अशी आमची सूचना आहे.

#### प्रेमनाथ पाटील :-

महापौर मॅडम माझी सूचना आहे यामध्ये क्रिकेटमध्ये मागे जेवढे महापौर चषक झाले आहेत त्याच्यामध्ये डॉक्टर, वकील, सी.ए. पोलिस, महानगरपालिका नगरसेवक यांच्यातर्फे एक क्रिकेटची टीम असते त्यांना पण त्याच्यामध्ये समावेश करणे.

#### ध्रुवकिशोर पाटील :-

मॅडम एक सूचना आहे मिरा भाईंदर शहरातील बहुतेक खाजगी शाळांमध्ये विद्यार्थ्यांना विविध खेळांमध्ये मार्गदर्शन करण्याकरिता प्रशिक्षित शिक्षक असतात व ते विद्यार्थ्यांना विविध खेळ शिकवून नित्यनियमाने ठराव करुन घेतात तसेच त्या विद्यार्थ्यांना विविध स्पर्धेमध्ये त्यांच्या शाळेच्या माध्यमातून जिल्हा, राज्य व राष्ट्रीय स्पर्धेत खेळविले जाते अशा प्रकारची सुविधा आपला महानगरपालिकेच्या शाळांमध्ये नाही त्यामुळे महानगरपालिकेतर्फे आयोजित केलेल्या महापौर चषकात त्यांचा टिकाव लागणार नाही असे दिसते त्यामुळे महानगरपालिका शाळेच्या विद्यार्थ्यांना याच स्पर्धेबरोबर स्वतंत्र महापौर चषक या विद्यार्थ्यांकरिता आयोजित करावा जेणेकरुन त्यांना दोन्ही स्पर्धेत भाग घेता येईल अशी मी सूचना मांडत आहे.

#### जुबेर इनामदार :-

माझे अनुमोदन आहे.

#### प्रभात पाटील :-

एक उल्लेख करायचा होता त्यातील एक तुम्ही कुस्ती घेतली बर वाटल. मला महाराष्ट्राच्या मातीतील खेळ आहे तो पण एक विषय इथे राहतो. तो म्हणजे मल्लखांब जो पूर्णपणे दुर्लक्षित आहे आणि बहुतेक ठिकाणी घेतला जात नाही पण आपण मल्लखांबचे आयोजन करुन शहराचे मध्ये जर कोणी मल्लखांब खेळाडू असेल तर आपल्या नजरेसमोर येतील आणि छोटे शालेय विद्यार्थ्यांसाठी तुम्ही त्याच्यामध्ये लेखन स्पर्धा आयोजित नाही केली ते एक स्किल आहे. विद्यार्थ्यांचे तर लेखन स्पर्धांचे आयोजन करा आणि मल्लखांब नक्कीच त्याच्यामध्ये समाविष्ट करा आणि एक सूचना अशी आहे सगळ्याच्या सगळ्या स्पर्धा या नेताजी सुभाषचंद्रला न घेता सगळीकडे डिव्हाईड करा म्हणजे तिथल्या लोकांना त्यांचा आनंद घेता येईल.

**जुबेर इनामदार :-**

खर्च जो अपेक्षित खर्च दाखवला आहे तो कुणी स्पेसिफाय केला २३ लाख रुपये. ऑलम्पीकचे जज आणणार आहे का?

**मा. महापौर :-**

जितनी स्पर्धा है सभी जज आएंगे। खाली १ जज नहीं है।

**जुबेर इनामदार :-**

मॅडम कितनी भी स्पर्धा हो २३ लाख रुपया रेफरीच्या नावावर खर्च होणार आहे.

**प्रमोद सामंत :-**

खर्च होऊ द्या १८ खेळ आहेत आणि २३ लक्ष प्रत्येक खेळामध्ये १ लाख रु. रेफरीसाठी देणार आहे. जरा प्रॉपर इस्टीमेट बनवा. खर्च करा खेळण्यासाठी झाले पाहिजेसांस्कृतीक वातावरण तयार झाले पाहिजे शहरात पण तेही करताना नीट बघून करा.हे चुकीचे आहे.

**मा. आयुक्त :-**

या सगळ्यांचे ई-टेंडरींग होणार आहे तो अंदाजित खर्च आपण म्हटले आहे.

**राजेंद्र जैन :-**

एक गेम के अंदर भी क्रिकेट के २० गेम होंगे। एक गेम नहीं है।

**मा. आयुक्त :-**

एका गेममध्ये काय एक माणूस येणार नाही. ४-४,५-५ माणसे राहतात.

**जुबेर इनामदार :-**

२३ लक्ष हे पटत नाही म्हणून तुमच्या निदर्शनास आणून दिले.

**नरेंद्र मेहता :-**

महानगरपालिकाकी जितनी स्कूल है त्याची वेगळी आपण स्पर्धा आयोजित करावे. महानगरपालिका चषकच्या नावाने आणि त्यांना प्रोत्साहन द्यावे.

**मा. महापौर :-**

ठराव मंजूर.

**प्रकरण क्र. १३७ :-**

महापौर चषक २०१६ आयोजित करणेसाठी खर्चास प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देणेबाबत.

**ठराव क्र. १०५ :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका शहरातील विविध शाळा, विद्यालये, महाविद्यालयातील होतकरू खेळाडूंच्या सुप्त गुणांना प्रोत्साहन मिळावे तसेच सदर खेळाडूंना एक नविन व्यासपीठ उपलब्ध होऊन त्यामधील काही खेळाडू पुढे येऊन राज्य, राष्ट्रीय तसेच जागतिक स्तरावर आपले, आपल्या शहराचे नाव गौरांचित करतील या हेतूने मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमार्फत महापौर चषक क्रिडा स्पर्धा अंतर्गत शालेय क्रिडा स्पर्धेचे आयोजन करण्यासाठी मा. महापौर यांनी कळविलेले आहे.

सदर स्पर्धेचे मोठ्या स्वरूपात व अतिशय कमी वेळेत आयोजन करावयाचे असल्याने या कामाच्या आयोजनाचा अनुभव असलेल्या संस्थांना सर्व कामासाठी नेमावे लागेल (चंद्रद्वय'च ऋद्धद्य गृददृद्धदृद्धदद्य ऋद्धददृद्ध)

सदर महापौर चषक स्पर्धेतर्गत खालील खेळ आयोजित करावयाचे आहेत.

- १) कबड्डी
- २) खो-खो
- ३) बास्केट बॉल
- ४) व्हॉली बॉल
- ५) फुटबॉल
- ६) लंगडी
- ७) क्रिकेट
- ८) बुध्दीबळ
- ९) टेबल टेनिस
- १०) बॅडमिन्टन
- ११) शरीर सौष्ठव
- १२) गायन
- १३) चित्रकला
- १४) नाच
- १५) एकांकीका स्पर्धा
- १६) धावणे (ऋद्धदद्य'च ऋद्धदद्य)
- १७) कुस्ती
- १८) वकृत्व स्पर्धा

वरील स्पर्धांच्या आयोजनासाठी सर्व साधारणपणे रोख बक्षिसे, ट्रॉफी यावर रु.१२.०० लक्ष, पंच, रेफरी, जज यांच्यावर रु.२३.०० लक्ष एवढा खर्च होईल. तसेच स्टेशनरी, स्कोअर शीट, खेळाचे साहित्य यावर रु.६.०० लक्ष एवढा तर खानपान, चहापाण्यावर रु.३.०० लक्ष, मिडीया पब्लिसिटी वर रु.१०.०० लक्ष, मंडप, खुर्च्या, माईक सिस्टीम व इतर साहित्य, फोटोग्राफी, व्हिडीयो शुटींग, टी-शर्ट कॅप, इ. वर रु.१३.०० लक्ष असे मिळून ६७.०० लक्ष एवढा खर्च होऊ शकेल. सदर कामावर होणा-या खर्चासाठी सन २०१५-१६ या वर्षाच्या अर्थसंकल्पात “महापौर चषक” या लेखाशिर्षातर्गत रु.१.०० कोटी तरतूद उपलब्ध आहे. तथापी (चंद्रद्वंद्व'च कञ्जदद्य ग्जदद्वद्वदद्य) ची नेमणूक करून त्यांच्यामार्फत व स्पर्धेच्या आयोजनाची जबाबदारी टाकण्यासाठी निविदा मागवाव्या लागतील व सदर निविदा मा. स्थायी समितीने मान्य केल्यानंतर संस्थेस कार्यादेश देऊन पुढील कामे करावी लागतील. तसेच स्पर्धेच्या विविध स्तरावरील नियंत्रणासाठी विविध विभागप्रमुख, अधिकारी कर्मचारी यांना कामे नेमून द्यावी लागतील.

महापौर चषक - २०१६ स्पर्धेतील प्रत्येक खेळातील विजेता खेळाडूंना बक्षिस स्वरूपात रोख रक्कम देणेस्तव अग्रीम रक्कम उपलब्ध करून देणे व बक्षिसाची रक्कम ठरविण्याचे अधिकार मा. आयुक्त साो. यांना देण्यात येत आहेत. सदर महापौर चषक - २०१६ याकरीता अंदाजित रक्कम रु.६७ लक्ष किंवा त्यापेक्षा अधिक खर्च अपेक्षित असून येणा-या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यात येत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

**सुचक :- श्री. शरद पाटील**

**अनुमोदक :- श्रीम. वर्षा भानुशाली**

**सदर ठरावामध्ये सन्मा. सदस्य श्री. प्रेमनाथ पाटील ह्यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.**

२०१५/१६ मध्ये होणा-या महापौर चषकामध्ये क्रिकेट स्पर्धेमध्ये पोलीस, नगरसेवक, सी.ए. डॉक्टर, मनपा कर्मचारी, पत्रकार, वकील यांचे सामने समाविष्ट करावे अशी माझी सुचना आहे.

**सदर ठरावामध्ये सुचक श्री. ध्रुवकिशोर पाटील व अनुमोदक श्री. जुबेर इनामदार ह्यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.**

मिरा भाईंदर शहरातील बहुतेक खाजगी शाळांमध्ये विद्यार्थ्यांना विविध खेळांमध्ये मार्गदर्शन करण्याकरीता प्रशिक्षित शिक्षक असतात व ते विद्यार्थ्यांना विविध खेळ शिकवून नित्यनियमाने सराव करून घेतात. तसेच त्या विद्यार्थ्यांना विविध स्पर्धेमध्ये त्यांच्या शाळेच्या माध्यमातून जिल्हा, राज्य व राष्ट्रीय स्पर्धेत खेळविले जाते. अशाप्रकारची सुविधा आपल्या महानगरपालिकेच्या शाळेमध्ये नाही. त्यामुळे महानगरपालिकेतर्फे आयोजित केलेल्या मनपा चषकात त्यांचा टिकाव लागणार नाही असे दिसते. त्यामुळे मनपा शाळेच्या विद्यार्थ्यांना याच स्पर्धे बरोबर स्वतंत्र महापौर चषक या विद्यार्थ्यांकरीता आयोजित करावा. जेणेकरून त्यांना दोन्ही स्पर्धेत भाग घेता येईल अशी मी सुचना मांडत आहे.

**ठराव सुचनेसह सर्वानुमते मंजूर.**

**ठराव वाचून कायम केला आहे.**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**मा. आयुक्त :-**

विषय क्र. १३८ प्रशासनाने मागे घेतला आहे.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १३९, महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील कर्मचा-यांना देण्यात येणा-या विविध लाभाच्या दरात वाढ/सुधारणा करणेस मान्यता मिळणेबाबत.

**निलम ढवण :-**

महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील विविध पदावर कार्यरत असलेल्या कर्मचा-यांना विविध वेतनेतर लाभ देण्यात येतात. महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना सहावा वेतन आयोग लागू झाल्यानंतर वेतनेतर लाभाच्या दरात वाढ/सुधारणा करणे आवश्यक होते. याबाबत कर्मचारी यांचेकडून तसेच कर्मचारी संघटनेकडून सदर लाभाच्या दरात वाढ करणेबाबत वारंवार मागणी होत आहे. या अनुषंगे महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना खालीलप्रमाणे वेतनेतर लाभाच्या दरात वाढ/सुधारणा करणेचे प्रस्तावित करण्यात येत आहे.

अ.क्र.	वेतनोत्तर लाभाचा प्रकार	ज्या कर्मचा-यांना सदरचा लाभ देण्यात येतो त्याचा तपशिल	सध्या देण्यात येत असलेला दर	वाढ/सुधारणा करावयाचे लाभाचे दर
१.	धुलाई भत्ता	अग्निशमन विभागातील अधिकारी /कर्मचारी, वाहन चालक, व्हॉलमन, प्लंबर, फिटर, शिपाई, मजूर, वैद्यकीय सेवेतील कर्मचारी इत्यादी. ज्या कर्मचा-यांना गणवेश देण्यात येतो ते अधिकारी/कर्मचारी	रु.३०/- प्रती महिना	रु.१५०/- प्रती महिना

२.	घाण भत्ता	प्रत्यक्ष साफसफाईचे काम करतात अशा सफाई कामगारांना	रु.३०/- प्रती महिना	रु.१००/- प्रती महिना
३.	फिरती भत्ता	महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील तृतीय व चतुर्थ श्रेणी या संवर्गातील कर निरीक्षक, वरिष्ठ लिपीक, सर्व्हेअर, स्वच्छता निरीक्षक, इमारत निरीक्षक, कनिष्ठ अभियंता, तसेच शिपाई व इतर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यांना महानगरपालिकेच्या कामकाजानिमित्त, कार्यालय सोडून मनपा क्षेत्रात अथवा मनपा क्षेत्राच्या बाहेर मुंबई, ठाणे येथे ज्या कर्मचा-यांना फिरती करावी लागते तसेच ज्या कर्मचा-यांना वाहन उपलब्ध करून दिले जात नाही, अशा कर्मचा-यांना.	रु.१०००/-प्रती महिना	रु.१२००/- प्रती महिना
४.	सायकल भत्ता	पाणीपुरवठा विभागातील व्हॉलमन, प्लंबर,फिटर इत्यादी व सार्वजनिक बांधकाम विभागातील चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यांना दैनंदिन कामानिमित्त महानगरपालिकेच्या क्षेत्रात फिरावे लागते अशा कर्मचा-यांना सायकली देण्याचे प्रस्तावित आहे. अशा कर्मचा-यांना सायकल भत्ता देणे आवश्यक आहे.	सद्यस्थितीत सायकल भत्ता अदा केला जात नाही.	रु.२००/- प्रती महिना

वरीलप्रमाणे नमुद पदावरील कर्मचा-यांना दि.०१ जानेवारी २०१६ पासून वेतनेतर लाभ दरात वाढ/सुधारणा करून, लाभ अनुज्ञेय करणेस हि सभा मान्यता देत आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**मा. महापौर :-**

ठराव मंजूर पुढचा विषय घ्या.

**जुबेर इनामदार :-**

आयुक्त महोदय गोषवा-यामध्ये लेखापालचा त्यांचा कुठेही अभिप्राय देण्यात आलेला नाही हे आपल्याला करता येईल की नाही एक बजेट प्रोव्हिजन आहे का?

**मा. आयुक्त :-**

करता येईल ना. जे कर्मचा-यांचे वेतन आणि भत्ते आहेत त्याच्यामध्ये.

**जुबेर इनामदार :-**

तरतूद आहे का? हा कर्मचा-यांचा अधिकार आहे त्यांना प्राप्त झालाच पाहिजे.

**मा. आयुक्त :-**

वेतन आणि भत्त्यामध्ये तरतूद आहे म्हणूनच प्रशासनाने विषय दिलेला आहे. करता येईल आणि ही काय जास्त अमाऊंट येणार नाही.

**जुबेर इनामदार :-**

ठिक आहे साहेब. गोषवा-यामध्ये असा विषय कधी आल्यानंतर लेखापालचा त्याच्यामध्ये कमीत कमी त्यांचा रिमार्क असणे गरजेचे आहे. ते कुठेच नसतात त्यांची दक्षता घेण्यात यावी.

**आसिफ शेख :-**

सन्मा. महापौर मॅडम, राज्यशासनाने जे युएलसी चे फ्लॅट असतात त्या युएलसीच्या फ्लॅटपैकी ५० टक्के फ्लॅट जे आहेत ते शासकीय कर्मचा-यांना अधिका-यांना देण्याची एक तरतूद नव्याने केली आहे.

**मा. महापौर :-**

आयुक्त साहेब तुम्ही विषयाला धरून बोला फ्लॅट कुठून आले यात.

**आसिफ शेख :-**

शासनाची जी योजना आहे युएलसीचे फ्लॅट आहेत आता ४-५ दिवसांपूर्वी जी.आर निघाला आहे की ५० टक्के जे फ्लॅट आहेत ते मुख्यमंत्री देणार. ५० टक्के फ्लॅट शासकीय कर्मचारी, अधिका-यांना देणार त्याच पध्दतीने त्याच धर्तीवर मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे कर्मचारी आहेत अधिकारी आहेत त्यांना देखील रेन्टल हौसिंग आपल्या मिरा भाईंदर परिसरात मोठमोठ्या रेन्टल हौसिंग तयार होणार आहेत. आगामी काळात तर



मला रेन्टल हौसिंगमध्ये देखील ५० टक्के फ्लॅट जे आहेत ते आपण आपल्या कर्मचारी अधिकाऱ्यांसाठी राखीव ठेवावे. रिटायर्ड झाल्यावरती पुन्हा ताब्यात घ्यायचे महानगरपालिकेने.

**मा. महापौर :-**

आसिफ शेखजी आपण बसून घ्या हा विषय नाहीच आहे.

**प्रकरण क्र. १३९ :-**

महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील कर्मचाऱ्यांना देण्यात येणाऱ्या विविध लाभाच्या दरात वाढ/सुधारणा करणेस मान्यता मिळणेबाबत.

**ठराव क्र. १०६ :-**

महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील विविध पदावर कार्यरत असलेल्या कर्मचाऱ्यांना विविध वेतनेतर लाभ देण्यात येतात. महानगरपालिकेतील कर्मचाऱ्यांना सहावा वेतन आयोग लागू झाल्यानंतर वेतनेतर लाभाच्या दरात वाढ/सुधारणा करणे आवश्यक होते. याबाबत कर्मचारी यांचेकडून तसेच कर्मचारी संघटनेकडून सदर लाभाच्या दरात वाढ करणेबाबत वारंवार मागणी होत आहे. या अनुषंगे महानगरपालिकेतील कर्मचाऱ्यांना खालीलप्रमाणे वेतनेतर लाभाच्या दरात वाढ/सुधारणा करणेचे प्रस्तावित करण्यात येत आहे.

अ.क्र.	वेतनोत्तर लाभाचा प्रकार	ज्या कर्मचाऱ्यांना सदरचा लाभ देण्यात येतो त्याचा तपशिल	सध्या देण्यात येत असलेला दर	वाढ/सुधारणा करावयाचे लाभाचे दर
१.	धुलाई भत्ता	अग्निशमन विभागातील अधिकारी /कर्मचारी, वाहन चालक, व्हॉलमन, प्लंबर, फिटर, शिपाई, मजूर, वैद्यकीय सेवेतील कर्मचारी इत्यादी. ज्या कर्मचाऱ्यांना गणवेश देण्यात येतो ते अधिकारी/कर्मचारी	रु.३०/- प्रती महिना	रु.१५०/- प्रती महिना
२.	घाण भत्ता	प्रत्यक्ष साफसफाईचे काम करतात अशा सफाई कामगारांना	रु.३०/- प्रती महिना	रु.१००/- प्रती महिना
३.	फिरती भत्ता	महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील तृतीय व चतुर्थ श्रेणी या संवर्गातील कर निरीक्षक, वरिष्ठ लिपीक, सर्व्हेअर, स्वच्छता निरीक्षक, इमारत निरीक्षक, कनिष्ठ अभियंता, तसेच शिपाई व इतर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यांना महानगरपालिकेच्या कामकाजानिमित्त, कार्यालय सोडून मनपा क्षेत्रात अथवा मनपा क्षेत्राच्या बाहेर मुंबई, ठाणे येथे ज्या कर्मचाऱ्यांना फिरती करावी लागते तसेच ज्या कर्मचाऱ्यांना वाहन उपलब्ध करून दिले जात नाही, अशा कर्मचाऱ्यांना.	रु.१०००/-प्रती महिना	रु.१२००/- प्रती महिना
४.	सायकल भत्ता	पाणीपुरवठा विभागातील व्हॉलमन, प्लंबर,फिटर इत्यादी व सार्वजनिक बांधकाम विभागातील चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यांना दैनंदिन कामानिमित्त महानगरपालिकेच्या क्षेत्रात फिरावे लागते अशा कर्मचाऱ्यांना सायकली देण्याचे प्रस्तावित आहे. अशा कर्मचाऱ्यांना सायकल भत्ता देणे आवश्यक आहे.	सद्यस्थितीत सायकल भत्ता अदा केला जात नाही.	रु.२००/- प्रती महिना

वरीलप्रमाणे नमुद पदावरील कर्मचाऱ्यांना दि.०१ जानेवारी २०१६ पासून वेतनेतर लाभ दरात वाढ/सुधारणा करून, लाभ अनुज्ञेय करणेस हि सभा मान्यता देत आहे.

**सुचक :- श्रीम. निलम ढवणअनुमोदक :- श्री. नरेंद्र मेहता**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर.**

**ठराव वाचुन कायम केला आहे.**

**सही/-**

**महापौर**  
**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १४०, कनकिया हॉस्पिटल आरक्षण क्र. ३०२ राज्य सरकारकडे चालविणेबाबत प्रस्ताव देणे.

**नरेंद्र मेहता :-**

मिरा भाईंदर शहराच्या मंजूर विकास योजनेमध्ये मौजे नवघर, स.क्र. (जुना) ४५२पै., ३९२पै., ३९०पै., ३९१पै., ३९३पै. (नविन) १५२पै., १५३पै., १५४पै., १६१पै., १६२पै. या जागेमध्ये आ.क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल) हे आरक्षण दर्शविलेले असून मंजूर विकास योजनेप्रमाणे सदर आरक्षणाचे एकूण क्षेत्र १३६०० चौ.मी. आहे. यापैकी महानगरपालिकेच्या ताब्यातील क्षेत्र ९५०.०३ चौ.मी. असून उर्वरित क्षेत्र खाजगी मालकीचे आहे.

सदरचे आरक्षण समावेशक आरक्षणाच्या तरतुदी अन्वये जागामालकास विकसीत करणेसाठी यापुर्वी जा.क्र. मनपा/नर/८६०/२००७-०८, दि.११/०६/२००७ अन्वये रेखांकन नकाशे मंजूरीसह अकृषिक परवानगी प्राप्त करण्यासाठी नाहरकत दाखला दिलेला असून सदरच्या परवानगीसाठी दि.१७/१०/२००८ रोजी १ वर्षाची मुदतवाढ दिलेली आहे. सदरच्या परवानगीची मुदत संपलेली असून परवानगी व्यपगत झालेली आहे.

मिरा भाईंदर शहरासाठीच्या मंजूर विकास नियंत्रण नियमावलीप्रमाणे आरक्षणाच्या क्षेत्राच्या २५५ प्रमाणेचे बांधीव क्षेत्र महानगरपालिकेस हस्तांतरीत करणेच्या अटीवर जागामालक / अधिकारपत्रधारक आरक्षणाचा विकास करू शकतो.

तसेच विकास योजनेमधील आरक्षणे समावेशक आरक्षणाच्या माध्यमातून विकास योजनेची अंमलबजावणी संदर्भात नविन विनियम अंतर्भूत करण्यासाठी शासनाने महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ नुसार दि.३०/०४/२०१५ अन्वये प्रस्तावित केलेले असून त्याप्रमाणे आ.क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल) या आरक्षणाच्या क्षेत्रापैकी ५०५ प्रमाणेचे बांधीव क्षेत्र जागामालकांनी महानगरपालिकेस हस्तांतरीत करणे आवश्यक आहे तथापि सदरचे फेरबदल अद्याप मंजूर झालेले नाहीत.

वरील दोन्ही प्रमाणे पैकी जागामालक / अधिकारपत्रधारक यांनी महानगरपालिकेस बांधीव क्षेत्र महानगरपालिकेस हस्तांतरित केल्यास महानगरपालिकेस फक्त बांधीव इमारत मिळणार आहे. त्यानंतर सदर इमारतीमध्ये अंतर्गत सजावटीसह यंत्र सामुग्री व अधिकारी, कर्मचारी वर्ग लागणार असून त्यासाठीचा खर्च महानगरपालिकेस परवडणारा नाही.

यास्तव आ.क्र.३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल) या आरक्षणाने बाधीत जागा महानगरपालिकेने ताब्यात घेऊन त्या जागेवर शासनमार्फत हॉस्पिटल बांधून चालविण्यासाठीचा प्रस्ताव शासनास सादर करणेस व सदर आरक्षण क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल) या जागेत बांधण्यात आलेल्या वास्तुस स्व. श्री. धर्मवीर आनंद दिघे असे नाव देण्यात येत आहे.

मा. उच्च न्यायालयाच्या आदेशानुसार मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी रुग्णालय हे टप्पाटप्प्याने चालू करण्याचा निर्णय घेतला आहे. त्यानुसार सद्यस्थितीत रुग्णालयातील १०० खाटा कार्यान्वित करण्यात आल्या आहेत. उर्वरित १०० खाटा मार्च २०१८ पर्यंत कार्यान्वित करावयाच्या आहेत. सदर रुग्णालयाच्या बांधकामापोटी आजपर्यंत रु. १८.३६ कोटी खर्च झाला असून उपकरणे व साहित्य यासाठी रु. ५.४० कोटी खर्च झाला आहे. सदर २०० खाटांचे रुग्णालय चालविण्यासाठी महानगरपालिकेस वार्षिक अंदाजे रु. २०-२५ कोटी खर्च अपेक्षित आहे. सद्यस्थितीत स्थानिक संस्था कर बंद झाल्याने महानगरपालिकेची आर्थिक स्थिती नाजूक आहे. तसेच रुग्णालयासाठी आवश्यक तज्ज्ञांची पदे तीन वेळा जाहिरात देऊन, भरती प्रक्रिया राबवूनही महानगरपालिकेस मिळालेली नाहीत. त्यामुळे वैद्यकीय तज्ज्ञांच्या अभावी रुग्णालय सुरळीतपणे चालविणे शक्य होणार नाही व नागरिकांना दर्जेदार वैद्यकीय सुविधा मिळणार नाहीत.

सदर रुग्णालयाच्या उद्घाटन प्रसंगी राज्याचे सन्मा. आरोग्यमंत्री डॉ. दिपक सावंत यांनी, राज्याच्या विधी मंडळात शासनाने दिलेल्या आश्वासनानुसार, महानगरपालिकेचे हे रुग्णालय उप-जिल्हा रुग्णालयाचा दर्जा देऊन शासनमार्फत चालविले जाईल, असे आश्वासन दिले आहे. तसेच राज्याचे सन्मा. वित्त आणि नियोजन, वने मंत्री, श्री. सुधीर मुनगंटीवार यांनीही सदर उद्घाटन प्रसंगी रुग्णालय चालविण्यासाठी आवश्यक निधीची शासन तरतूद करेल असे आश्वासन दिले आहे.

महानगरपालिकेच्या नाजूक आर्थिक स्थिती लक्षात घेता, तसेच महानगरपालिकेतील इतर पायाभूत सुविधा विकसित करण्यासाठी शासन विविध योजना व अनुदानांच्या स्वरूपात मदत करत आहे, ही वस्तुस्थिती पाहता, सदर रुग्णालय चालविण्यासाठीही शासनाकडून मदत घेणे आवश्यक आहे.

सबब, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी रुग्णालय पूर्ण क्षमतेने व सुरळीतपणे चालविण्यासाठी शासनाकडून प्रतिनियुक्तिने वैद्यकीय तज्ज्ञ, तंत्रज्ञ, उपकरणे, साहित्य व औषधे तसेच आर्थिक मदत या स्वरूपात मदत मागण्यासाठी शासनाकडे विनंती प्रस्ताव पाठविण्यास व शासनाच्या निर्णयाप्रमाणे उचित कार्यवाही करण्यास ही महासभा मंजूरी देत आहे.

**निलम ढवण :-**

माझे अनुमोदन आहे.

### नरेंद्र मेहता :-

मा. महापौर मॅडम, मिरा भाईंदरमध्ये एकमेव डी.पी.मध्ये आरक्षण आहे ३०२ हॉस्पिटलसाठी आपण जे आता सध्या भारतरत्न पंडीत भिमसेन जोशी रुग्णालय चालु केले ती जागा झेड.पी. ची होती. आपण ते पैसे भरून त्यांच्याकडून घेतलेली आहे. आजची लोकसंख्या साधारण १२ लाखाच्या आसपास आहे. भविष्यात अजून ५ वर्षांनंतर ही लोकसंख्या साधारण १७-१८ लाखापर्यंत जाण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. यानंतर ही लोकसंख्या वाढणार आहे. आणि भविष्यात ही लोकसंख्या मिरा भाईंदरची ३० लाखापर्यंत होणार आहे. आणि आता एकही दुसरे कुठले आरक्षण शहरात नाही. की जेथे भविष्यात आपण कुठले हॉस्पिटल बांधू शकतो. हा एकमेव ३०२ हॉस्पिटल आहे. महानगरपालिकेचा डी.सी. रुलप्रमाणे एखादा विकासक आपल्याला २५ टक्के बांधून बाकीचे स्वतःसाठी बांधू शकतो. आता नविन जे फेरबदल झाले त्यामध्ये ५० टक्के त्यांनी बांधून द्यायचे बाकीचे तो स्वतः कर्मशिल बांधू शकतो. पण कितीही केले तर तो फक्त आपल्याला स्ट्रक्चर बांधून देणार आर.सी.सी. आतलं सगळं काम आपल्याला करायचं आणि मोठ्या प्रमाणात तो खर्च आपल्याला लागणार आहे. आणि मिरा भाईंदरमध्ये एक सिव्हिल हॉस्पिटल असावे. सिव्हिल दर्जाचे हॉस्पिटल असावे यासाठी भविष्यासाठी आपण आता सुरुवात केली तर कदाचित येणा-या ३-४ वर्षात दुसरे एक हॉस्पिटल तयार होईल. तिप्पट लोकसंख्या सुध्दा वाढणार आहे. झोपडपट्टीधारकांची आपण संख्या बघितली तर साधारण ते दीड लाखपेक्षा जास्त आहे. ज्यांना या रुग्णालयाची आवश्यकता आहे. मध्यमवर्गीय परिवार आपण बघितलं त्यांना सरकारी हॉस्पिटल किंवा महानगरपालिका हॉस्पिटलची आवश्यकता आहे ती साधारण दीड ते दोन लाखापर्यंत आहे. म्हणजे या लोकांना गरज आहे आणि आपले १८० बेड जरी असले भविष्यात तरी पुरणार नाही. ही लोकसंख्या अजून झपाट्याने वाढणार नाही हे ही आपण आज सांगू शकत नाही. या धर्तीवर मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे आरक्षण क्र. ३०२ हॉस्पिटलचा महानगरपालिकेने जागा ताब्यात घेऊन टी.डी.आर च्या माध्यमातून शासनाला प्रस्ताव पाठवावा त्यांनी या ठिकाणी इमारत बांधावे आणि सिव्हिल दर्जाचे हॉस्पिटल चालु करावे यासाठी आरोग्यमंत्री आणि फायनान्स मिनिस्टर दोघांनी आपल्याला शब्द दिला आहे की आपण हे पाठवा आमची नक्की याच्यावर पॉझिटिव्ह भुमिका राहिल आणि हे आम्ही करू. दुस-या बाजूला पंडित भिमसेन जोशी रुग्णालय ज्यावेळी भगवती शर्माने सांगितले की त्याच दिवशी आम्ही निवेदन दिले शेवटी हे सत्य आहे की वारंवार या महानगरपालिकेमध्ये या हॉस्पिटलचा विषय आला. सत्ताधारी ते असू द्या की आम्ही असू द्या हॉस्पिटल चालवणे हे म्हणजे हिंदी मध्ये म्हण आहे की, सफेद हाथी पालने के बराबर. परंतु शेवटी या शहराच्या नागरिकांना गरजू लोकांना आपण किती दिवस आश्वासन द्यायचे कधी आपण निर्णय घेतले पब्लिक प्रायव्हेट कधी आपण घेतले गर्हमेंट, कधी आपण स्वतः अनेकवेळा कोर्टाने आपल्याला फटकारले ते हॉस्पिटल आता काही झाले तरी महानगरपालिकेला चालु करावे लागेल आणि नागरिकांच्या सुविधेसाठी मग किती ते तिजोरीवर बर्डन पडत असेल तरी ते आपल्याला चालु करणे बंधनकारक होते. भविष्यात सरकारने नाकारल तरी आपल्याला ते चालवायचेच आहे कोर्टाचे आदेश आहेत. परंतु शासनाने एखादा त्यामध्ये निधी उपलब्ध करून दिला आता फक्त आपण प्रस्ताव त्यांना पाठवतो ते कुठल्याप्रमाणे करतील एखादे असं होऊ शकतात की आपले जे कर्मचारी आहेत. पण हा प्रस्ताव पाठवल्यानंतर याचे कुठेतरी मार्ग लागेल. शासनाने आश्वासन केले की आमची मानसिकता आहे. मिरा भाईंदरला या रुग्णालया संदर्भात सहकार्य करण्यासाठी आणि ३०२ चे हॉस्पिटल हे सरकारतर्फे विकसित करण्याची म्हणून आज हे दोन्ही प्रस्ताव आपण शासनाला पाठवतोय याच्यावर शासनाने मिरा भाईंदरला न्याय द्यावे.

### सुहास रकवी :-

आत्ताच आमदारांनी आपल्या मिरा भाईंदर शहरातील गरीब जनतेची दिड लाख झोपडपट्टी वगैरे आणि त्यांना असलेली गरज हॉस्पिटलची त्याबद्दल माहिती दिली. पण मला अजून एक सांगायचे आपल्या मिरा भाईंदरमध्ये अनेक खाजगी हॉस्पिटल आहेत त्यांनी अॅफेडेव्हिट सुध्दा दिलेत काही हॉस्पिटलनी सेव्हन इलेव्हन यांचे सुध्दा अॅफेडेव्हिट आहेत याच्यामध्ये त्या हॉस्पिटलचे की आम्ही आपल्या ज्या मिरा भाईंदरच्या गरजू आणि गरीब लोकांकरिता १० टक्के असा काहीतरी कोटा ठेवला आहे. २५ टक्के आमदार साहेब तुम्ही द्याल तुमच्याकडून अपेक्षा आहे. तुमच्याकडे २५ टक्के आहे तर तुम्ही ५० टक्के सुध्दा द्याल कारण तुमचं मन मोठ आहे. आता राहिला प्रश्न परवाच्या १० जानेवारीच्या ओपनिंगला आम्ही सुध्दा तिकडे उपस्थित होतो. पहिली गोष्ट आम्हाला तोच प्रश्न विचारला होता. हॉस्पिटल आपण विकत का घेतले. झेड.पी कडून विकत घ्यायचे, सगळं बांधून द्यायचे, सगळं तुमच्या म्हणण्यानुसार गाईडलाईन्स जर आयुक्त ठरवत असेल. डॉक्टरचा पगार आपण करायचा, चालवणार ते अस कधी होत नाही. एखादी वस्तू स्टेट गर्हमेंट एकतर ती पूर्ण ताब्यात घेईल किंवा ते तुम्हाला सांगेल की आम्ही तुम्हाला अनुदान देवू तुम्ही चालवा. या दोन गोष्टी तुम्ही विसंगत न करता आणि खरोखर तुम्हाला हॉस्पिटल बनवायचे आहे तर इंदिरा गांधी रुग्णालय आहे तिथे तुम्ही मदत करा हे पं. भिमसेन जोशी तुम्ही खरोखर मदत परंतु परवा मी गेलो १०४ ओ.पी.डी. होती आणि तिथे निवृत्ती म्हणून कोणी कर्मचारी होते त्याला म्हटलं रोजची किती होते. साहेब येतात भरपूर पण ट्रीटमेंट काही नाही तो विषय सुध्दा तुम्ही सत्ताधारी आहात आणि आम्ही विरोधी आहोत आयुक्त साहेब आहेत. शहरातल्या लोकांना खरोखर काही द्यायचं असेल मी आता पुन्हा नाव नाही घेणार पण मिलन म्हात्रे जे प्रयत्न केले तो तडीस न्या. त्या प्रयत्नांना तुम्ही यश द्याल. सत्ताधारी असो, आम्ही असो किंवा मा. आयुक्त साहेब असो आणि खरोखर निकडीची गरज आहे. भरपूर सेवा करायच्या आहेत. महापौर मॅडमने मध्ये सांगितले की डायलिसिस वगैरे आम्ही चॅरीटी

करणार आहोत मग अस काही तरी उपाय करा ना आम्ही आहोत तुमच्या सोबत. काही गोष्टी जस तुमचे २५ टक्के कोटा आहे त्याचेही डिटेल्स द्या आम्ही पाठवतो आमचे रुग्ण तुमच्याकडे कुठल्याही गोष्टीला साहेब शासनाकडे आपण डायव्हर्ट करायचा हॉस्पिटलसाठी जागा देतो खर्च कोण करणार साहेब कारण पैशांची अडचण सगळ्यांना असते. गरिबांना असते शासनाला असते, आपल्याला असते त्याच्यावर तुम्ही गांभीर्याने विचार करा. तुमच्याकडे पैसा आहे साहेब २५ टक्के तर ५० टक्के करा. अपेक्षा तुमच्याकडून आहे मॅडम वापरायचा प्रश्न शासनाकडे देवून तुम्ही काय करणार त्याच साध्य काय करणार. साध्य काही करणार नाही आणि महापौर मॅडम हे जे पं. भिमसेन जोशीचे तुम्ही ओपनिंग केले आहे पहिले ते पूर्णत्वास न्या बाकीचे काय आरक्षण तुम्हाला ॲप्लीकेशन करायचे स्टेटस बाय तुम्ही करा. पण जे आहे तेच व्यवस्थित चालवा ना.

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम विषय पूर्ण डायवर्ट झाला आहे.

**सुहास रकवी :-**

डायव्हर्ट नाही झाला साहेब १५०००० आपल्याकडे गरीब लोक आहेत. मग त्यांच्याकरिता आपण ज्यांना परवानग्या दिल्या हॉस्पिटल बांधण्याच्या त्यांच्यामध्ये हे डायव्हर्ट नाहीए.

**नरेंद्र मेहता :-**

मी सुहास रकवीजीला माहिती करून देतो पहिली गोष्ट भारतरत्न पं. भिमसेन जोशी हे रुग्णालय हे हॉस्पिटल महानगरपालिका चालवणार आणि जे लागणार ते आम्ही करणार. आम्ही करणार आम्ही गर्हमेंटकडून मदत मागतो आहे. आता जे काही मी संभाषण केले हे माझ्या सद्बुद्धीने केले तसच मिळेल अस नाही. मी एक्झाम्पल म्हणून दिले पूर्ण घेतील कदाचित हेही सांगतील ३६ करोड लागलेले पण आम्ही देतो. गेल्यानंतर तो एक प्रस्ताव त्यावर चर्चा होईल आणि शासनाने आपल्याला आश्वासन केले की एक महिन्याच्या आतमध्ये आम्ही बैठक घेऊ ता विषय आपण पाठवतो. भविष्यात दुसरे हॉस्पिटल गरज पडणार आज सुरु केले तर किमान ५ वर्षे लागणार आहे. इमारत बांधा, फर्निचर करा सगळ करा त्यासाठी आगाऊ आम्ही हे करतोय कारण ५ वर्षांनंतर तयारी केली तर १० वर्षांनंतर कदाचित हॉस्पिटल तयार होणार आहे त्यासाठी हा विषय आहे.

**सुहास रकवी :-**

आमदार साहेब आता तुम्ही ऐका. तुम्ही म्हणता त्याप्रमाणे हॉस्पिटलची मागणी तर आपल्याला वारंवार करावी लागणार. लोकसंख्येला परंतु आता आपण मुख्यालयाची इमारत बांधणार आहोत. आमदार साहेब उगाच तुम्ही जम्बलींग करू नका जे काही मनात असेल पोटात असेल ते ओठात आणा आणि सत्य लोकांना सांगायचे.

**मा. महापौर :-**

सुहासजी मुझे लगता है की कही आप दिशाभूल हो रहे हैं। अपना विषय यह है की दुसरा जो आरक्षण है वो राज्य सरकार को हम विनंती कर रहे हैं की आप चलाइए। अगर आप इसके विरुद्ध में है तो यह बोलिए की हमे वो आरक्षण राज्य सरकार को नहीं देना।

**सुहास रकवी :-**

महापौर मॅडम आरक्षण से रिलेटेड इन्होंने ही समझाया यहाँ पे देड लाख जो लोकसंख्या है गरिबों की उनके इलाज के लिए ये डिमांड कर रहे हैं दॅट इज टू। हम किसके लिए डिमांड कर रहे हैं, हॉस्पिटल नया किसके लिए कर रहे हैं की जो अभी है उसका तो करो कुछ।

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम यांच्या माहितीसाठी सांगतो २५ टक्के हे रुग्णालयाचे उपचार करायचे नाही म्हणजे जस्ट फॉर नॉलेज सुहास रकवीजी एक टक्के पण उपचार करावे हॉस्पिटल तरतूद आपल्या डी.सी. रुममध्ये नाही. २५ टक्के कन्स्ट्रक्शन एरिया त्यांनी महानगरपालिकेला बांधून द्यायचे आहे. हे त्याच्यामध्ये तरतूद आहे महानगरपालिकेने मग हॉस्पिटल करा काय करायचे डिस्पेन्सरी करा तो महानगरपालिकेचा विषय आहे त्या विकासकाला तुम्हाला एक पैसा फ्री द्यायची गरज नाही. आता प्रश्न राहिला सेव्हन इलेव्हनचा मी जी माहिती घेतली सेव्हन इलेव्हनकडून त्याच अजून सेकंड एफ.एस.आय. चा प्रस्ताव सरकारकडे प्रलंबित आहे ती पूर्ण इमारत तयार झाली नाही त्यानंतर तुम्हाला ते २५ टक्के नक्की ते देतील परंतु उमराव हॉस्पिटल हे पूर्ण झाले आहे चालू झाले आहे सगळ झाले १०० टक्के झाले पण २५ टक्के आपले अजून ताब्यात इमारत आली नाही. त्याला ३ एफ.एस.आय. मिरा भाईंदरमध्ये एकमात्र हॉस्पिटल आहे. हॉस्पिटलमध्ये २ एफ.एस.आय. आहे परंतु सरकारने विशेष बाब म्हणून उमराव हॉस्पिटलला ३ एफ.एस.आय. दिले म्हणजे उदा. सांगायला गेले तर महानगरपालिकेची वास्तु म्हणून त्यांनी २५ टक्के आम्हाला द्यायचे सरकारने तिसरे एफ.एस.आय जे एक्स्ट्रा दिले त्यामध्ये क्रायटेरिया ठरवलेला आहे की त्यांनी उपचार अशाअशा लोकांचं फ्री ऑफ कॉस्ट करायचं महानगरपालिकेचे कर्मचारी हे डॉ. पडवळ साहेब विटनेस आहे. तुम्ही यादी मागवा काय त्यांनी यादी मागवली माहित आहे का? ५० रु. चे उपचार केले, ४० रु. चे उपचार केले, १०० रु. चे १००० रु. च्या वर कुठले उपचारच नाही त्या हॉस्पिटलमध्ये कोणाचे.

(सभागृहात गोंधळ)

**नरेंद्र मेहता :-**

सभा संपल्या संपल्या जेवढे हॉस्पिटल आहे सगळ्यांची इमारत ताब्यात घ्यावी अस आम्ही ठामपणे सांगतो.

**सुहास रकवी :-**

ज्यांची हॉस्पिटल कोणी असो तो जे खरोखर मिरा भाईंदर.....

**मा. महापौर :-**

आप सभी विषयांतर हो रहे है। अभी सिर्फ विषय यह है की.....

**सुहास रकवी :-**

आम्ही विषयांतर केले मग त्यांनी काय केले मॅडम एखाद्याची बाजू घेऊन तुम्ही बोलु नका. आम्ही जो विषय मांडला त्याला विषयांतर त्यांनी केले.

**भगवती शर्मा :-**

महापौर मॅडम आरक्षण क्र. ३०२ जिसमे इतनी बेहस हो रही है की ५० टका उसके उपर इन्होंने प्रपोज किया है। पहली बात तो मैं प्रशासन से पूछना चाहता हूँ की यह आरक्षण क्र. ३०२ के अंदर १३६०० स्क्वेअर मीटर के अंदर फक्त ९५०.०३ स्क्वेअर मीटर ताबे में है। ओनली ६.९९ जिससे की एक तो यह होगा की ६.९९ स्क्वेअर मीटर अपने ताबे में है बाकी कोई ताबे में नहीं है। दुसरी बात यह है विकासक उसने २००८ के अंदर में एक प्रपोजल डाला था उसके बाद उसको एक्स्टेंड करके २००८-०९ में वापिस किया फिर अभी १६/०६/२००९ को आरक्षण सबमिट किया था जिसके अंदर में उन्होंने २५ टका बांधकर देने का कबुल किया। उसको आगे मंजुरी २००९ के बाद के अंदर में वो प्रलंबित पडा हुआ है जिसको मंजुरी नहीं दि गया। मेरा प्रशासन से यह पूछना है की अभी इन्होंने ५० टक्का का ठराव किया है। लेकिन डी.सी. रूल के अंदर में ऐसा क्या रूल है की जिसका रिझर्वेशन है अपन ने इसी हाऊस के अंदर में भी किया है की फर्स्ट प्रायोरिटी उसको दि जाए कार्पोरेशन को। दुसरा अगर कार्पोरेशन नहीं कर सकती है तो उसको दिया जाए लेकिन उसको देने के बारे में अपने डी.सी. रूल के अंदर में २५ टक्का का प्रायादान है। आज आपण १०० टक्के वगैरे कुछ करने जा रहे है। अपने पास ऑक्वीझिशन भी नहीं किया हुआ है। कल को आज ऐसा ठराव करने के बाद अच्छा विषय है की हॉस्पिटल होना चाहिए। हमारी भी वो एक भावना है। लेकिन कल को इसी ठराव को ले करके विकासक जहाँ पे ऐसी परंपरा है कोर्ट के अंदर में जाएगा। उस चीज को स्टे ले करके वो प्रलंबित हो जाएगा। तो विषय ऐसा है की वो सालो साल ऐसा ही कोर्ट मॅटर चलता जाएगा तो मेरा यह कहना है की डी.सी. रूल के प्रोव्हीजन के नुसार अगर २५ टक्के भी अपने को मिलता है। साहब आप शहर के अंदर के अंदर भी कहेंगे की राज्य सरकार चलाएगी करेगी। राज्य सरकार आप पिछला इतिहास देखकर जाए तो पुरे इस क्षेत्र के अंदर जब तक कोई भी ऐसा हॉस्पिटल चलाने को लिया नहीं है खाली बोलेंगे वादे करेंगे एक अच्छी बात है की मंत्री महोदय आए हम लोगोने ज्ञापन दिया और वो सरकार चलाएगी। कही ये मॅटर न्यायालय में फिर प्रविष्ट हो करके प्रलंबित नहीं हो जाए इसलिए मेरा यह कहना है की यह जो भी इन्होंने ठराव किया जो मुद्दे मैंने उपस्थित किए हैं अगर नगररचना डिपार्टमेंट से मा. घेवारे साहब इसके उपर दो शब्द बताएंगे तो बढ़िया रहेगा।

**जुबेर इनामदार :-**

प्रशासनाने ठराव आणलेला गोषवारा टेंबा हॉस्पिटल राज्य शासनाला चालवण्यासाठी द्यायचा आपण प्रस्ताव ठरावामध्ये त्यांनी मांडलेला आहे. याच्याआधी राज्य शासनाकडे हा विषय गेला होता. राज्य शासनाने आपल्याला काही उत्तर दिलेले नाही. आम्ही चालवावा की नाही हे स्पष्ट उत्तर आपल्याला प्राप्त नाही. टेंबा हॉस्पिटल थोडक्यात चालु करायचे आहे किंवा करावे लागेल ते शहराचा एक भाग आहे. म्हणून आपल्याला ते केलच पाहिजे. लोकांना सुखसुविधा आपल्याला द्यायच्या आहेत. आरोग्य हा मोठा विषय असतो. टेंबा हॉस्पिटल कुणी चालवलं किंवा नाही चालवल पालिकेला तो चालवावा लागेल. कुठल्याही परिस्थितीत तो चालवावा लागेल. ४ रस्ते आपल्याला कमी करावे लागेल मात्र टेंबा हॉस्पिटल चालवावे लागेल. ३०२ नंबरचा जो आरक्षण आहे प्रशासनाने तो विषय आणला एकतर प्रशासनाचे आरक्षण आपल्या ताब्यातच नाही कोकणात एक म्हण आहे आमच्या म्हैस नाहीतर गाडगा. आधी म्हशीचा ठिकाणा नाही. म्हैस आणली तर दुध देईल की नाही त्याच काही खर नाही आणि आधीच आपण गाडगा आणून ठेवला. याचे आरक्षण आपल्या ताब्यात नाही. भू-संपादनाची जी कारवाई आहे ती करावी. क्षेत्रफळ १३६०० ताब्यात आले ९५०.५, ६ टक्के इतके क्षेत्रफळ फक्त ताब्यात आलेल्या आरक्षणाचा इथे ठराव मांडला जातो खरतर मला प्रशासनाला हे विचारायचं आहे की हा विषय आणला तरी का? खरतर जागा मालक आहे तरी कोण? कशामुळे चालला हा प्रकार? ते तरी स्पष्ट झाल पाहिजे. जागा मालकाला फक्त वेटेज जामीन नाही तर तुला पाठवतो आम्ही राज्य शासनाकडे तुझा विषय आहे असाच प्रकार आहे हा काहीतरी. थानुरमातुर गोषवारे मॅडम सन्मा. सदस्य नरेंद्र मेहताने आपल्या भाषणामध्ये बराच काही उल्लेख केला आणि मुद्दाम आमच्या एका नेत्याच्या हॉस्पिटलचे नाव काढले उमराव हॉस्पिटल मला बोलणे भाग आहे त्याच्यावर त्यांनी आरोप केलेले आहे. त्यांनी ते आरोप सिध्द करावे. गल्लीपासुन दिल्लीपर्यंत खोटे बोलतात याचा स्पष्ट अर्थ आहे. त्याच्या पक्षाची भूमिका काय स्पष्ट करा. पालिकेने पाठविलेला कुठलाही रोगी त्यांच्या कागदाची पूर्तता झाल्यानंतर उमराव हॉस्पिटलने त्याच्यावरती उपचार केलेले आहे. इंडिजेन्ट पेशंट त्याला लागणारे कागदपत्राची पूर्तता केल्यानंतर त्यांचे तुम्ही जाऊन कागदपत्र बघू शकता, डॉक्टरांना पाठवा किती पेशंटचा रोज उपचार लाखो रुपये तिथे खर्च केले जातात. त्याची आपण माहिती मागवा अस मोघम कुणावर आरोप करणे योग्य नाही आणि तुम्ही आमदार आहात,

नगरसेवक म्हणून या सभागृहात बसलात हे तुम्हाला शोभत नाही. करायचे असेल तर नीट पडताळणी करा आणि ती कागदोपत्र सहीत करा.

#### **जुबेर इनामदार :-**

मिरा भाईंदर शहराच्या मंजूर विकास योजनेमध्ये मौजे नवघर, स.क्र. (जुना) ४५२पै., ३९२पै., ३९०पै., ३९१पै., ३९३पै. (नविन) १५२पै., १५३पै., १५४पै., १६१पै., १६२पै. या जागेमध्ये आ.क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल ) हे आरक्षण दर्शविलेले असून मंजूर विकास योजनेप्रमाणे सदर आरक्षणाचे एकूण क्षेत्र १३६०० चौ.मी. आहे. यापैकी महानगरपालिकेच्या ताब्यातील क्षेत्र ९५०.०३ चौ.मी. असून उर्वरित क्षेत्र खाजगी मालकीचे आहे.

सदरचे आरक्षण समावेशक आरक्षणाच्या तरतुदी अन्वये जागामालकास विकसीत करणेसाठी यापुर्वी जा.क्र. मनपा/नर/८६०/२००७-०८, दि.११/०६/२००७ अन्वये रेखांकन नकाशे मंजूरीसह अकृषिक परवानगी प्राप्त करण्यासाठी नाहरकत दाखला दिलेला असून सदरच्या परवानगीसाठी दि.१७/१०/२००८ रोजी १ वर्षाची मुदतवाढ दिलेली आहे. सदरच्या परवानगीची मुदत संपलेली असून परवानगी व्यपगत झालेली आहे.

विकास योजनेमधील आरक्षणे समावेशक आरक्षणाच्या माध्यमातून विकास योजनेची अंमलबजावणी संदर्भात नविन विनियम अंतर्भूत करण्यासाठी शासनाने महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ नुसार दि.३०/०४/२०१५ अन्वये प्रस्तावित केलेले आहेत.

त्याचप्रमाणे आ.क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल ) या आरक्षणाच्या क्षेत्रापैकी ५०५ प्रमाणेचे बांधीव क्षेत्र जागामालक महानगरपालिकेस हस्तांतरीत करणेस तयार असल्यास सदरचे आ.क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल) हे जागा मालकास/विकासकास समावेशक आरक्षणाच्या तरतुदी अन्वये विकसीत करणेसाठी अगोदर जागा मालकास/विकासकास मुदत ठरवून संधी देण्यात यावी. तसेच तसे नाही झाल्यास महानगरपालिकेने भुसंपादनाची कारवाई करावी तदनंतर हा विषय धोरणात्मक निर्णयासाठी प्रस्तावित करावा, असा मी ठराव मांडत आहे.

#### **सुरेश खंडेलवाल :-**

माझे अनुमोदन आहे.मैं यही जानना चाह रहा था की अभी हमारे भगवतीजी शर्मा ने कहाँ की, रिज़र्वेशन जितना ताबे में है उसके विषय में मेरी जो शंका थी वो घेवारे साहब से एकही रिक्वेस्ट है की इसके बारे में थोड़ी सविस्तर माहिती दे।

#### **दिलीप घेवारे :-**

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो या डेव्हलपींग प्लानमध्ये आरक्षण क्र. ३०२ आहे. म्युनिसिपल हॉस्पिटल म्हणून त्या आरक्षणाचा एरिया आहे १३६०० चौ.मी. यापैकी आतापर्यंत आपल्याला ९५० स्क्वेअर फुटची जागा ताब्यात मिळाली आहे. उर्वरित जागा एकाच ओनरची आहे. आणि त्यांनी २००७ मध्ये २५ टक्के हॉस्पिटल दर्शवून बाकी प्लान त्यांनी मंजूर करून घेतला आपल्या डी.सी. रूलच्या प्लान नुसार परंतु एक वर्षानंतर पुन्हा ती मुदतवाढ घेतली २००८ मध्ये ती १७/१०/०९ ला विपगत झाली त्यानंतर मुदतवाढ घेतलेली नाही आपण दिलेली नाही. त्याच्यानंतर दुसरा एक रूल आपण पास करायला गर्व्हमेंटने आपल्याला १५४ खाली निर्देश दिले होते. एम.आर.टी.पी. अॅक्टनुसार आणि आपणही त्याला महासभेत मंजूरी देऊन पाठवले आहे. शासनाने आता २५ टक्के ऐवजी ५० टक्के क्षेत्र बांधून घ्यायचे आहे. विनामुल्य आणि उर्वरित जागा त्याला घ्यायची आहे. त्यानुसार जर त्याने आपल्याला बांधून दिले ५० टक्के तर आपण त्याला परवानगी देऊ शकतो. जसा आता आपण ठराव घेतला त्यानुसार आपल्याला पूर्ण जागा अॅक्वायर करून पूर्ण हॉस्पिटल आपल्याला बांधता येईल.

#### **भगवती शर्मा :-**

अगर उसने ५० टक्का के उपर अगर मंजूरी की, जैसे आपने २५ टक्का के उपर प्रपोजल दिया तो उसको आपने अभी मंजूरी नहीं दी मतलब रोक के रखा है। अगर समजो वो आपके पास आते है की डी.सी. रूल के अंदर में अगर मान्यता मिल गई ५० टक्के अगर वो बांधके देने के लिए तयार हुए और आपने जैसे उन्होंने अभी १०० टक्के का ठराव किया है। अगर वो मान्यता लेने के लिए आवे तब उस स्थिती में आप क्या करेंगे? नियम क्या है?

#### **दिलीप घेवारे :-**

डी.सी. रूल में ऐसी प्रोव्हिजन है की ५० टक्के लिया जाए। लेकिन जो आरक्षण है उसके डेव्हलपमेंट के जो धोरण है कंडीशन है उसमें पहिला अधिकारी महानगरपालिका का है सभागृह का है।

#### **भगवती शर्मा :-**

५० टक्के तक।

#### **दिलीप घेवारे :-**

नही पुरा अगर पुरा हमको चाहिए तो देना पडेगा उसको। अगर नहीं तो कमिशनर अपने पावर हाऊस में उसको ५० टक्के की परमिशन दे सकते है।

#### **नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम कुठल्याही विकासकावर याच्यावरचा विषय नाही ही पहिले मानसिकता व्हायला पाहिजे. या शहरामध्ये एकच आरक्षण आता आहे भविष्यासाठी नंतर आरक्षण नाही. आपल्याला उदाहरण म्हणून सांगतो आता मध्ये फेरिवाला विषय आला शेवटी फेरिवाल्यांना कुठेतरी अॅक्युमलेट करावे लागेल ठिक आहे १०० नाही

५० तर करावे लागतील. आज परिस्थिती काय झाली सगळ्या मार्केटमध्ये आपण परवानगी दिली ५०००० फुटची परवानगी दिली त्यांनी आपल्याला दिले ८०००-९००० बांधून ते पण कस जी प्लस २,३ त्यामध्ये काय मार्केट होणार आहे. याच हॉस्पिटलचे त्यांनी २५ टक्के बांधून दिले त्यात काय हॉस्पिटल होणार आहे. आणि कुठल्याप्रकारे आपल्याला भेटली परवानगी हे सगळ तुम्हालाही चांगल माहित असेल मागे आपली बिल्डींग रस्ता नाही हे नाही त्यांनी आपल्याला पहिल्या माळेवर दिले त्यांनी मागच्या साईटला दिले त्या सोसायटीमध्ये रोजचे भांडण होतात. आता हे कुठली आपली महानगरपालिका कनाकीया त्याच काय झालं. खालती १ दुकान वरती १ दुकान पार्किंग नाही काही नाही ओपन स्पेस नाही काही नाही एल.बी.टी. ऑफिस घ्या ना. २५ टक्के आपल्याला बांधून दिले तरी काय ती परिस्थिती आहे ते मार्केट पण आपण बांधून घेतले आहे काय त्याची परिस्थिती आहे. या हॉस्पिटलवर भविष्याचा आम्ही विचार करतोय ते होऊ नये दुसरे या डी.सी. रूलमध्ये स्पष्ट म्हटले आहे पहिला अधिकार महानगरपालिकेचा आहे. महानगरपालिका म्हणजे कोण साहेब आपण किंवा महापौर किंवा मी नाही हा सभागृह. सभागृहाने आज पर्यंत ३०२ हे प्रायव्हेट विकासकाला द्यावे असे कधीच निर्णय घेतलेला नाही. आपण परवानगी दिली की दिली काय दिली ते देवाला माहित आम्हाला याच्यातले काही माहितच नाही कारण महानगरपालिकेकडे एखादा विकासकाने मागितले तर महानगरपालिका म्हणजे आम्ही सदस्य हे निर्णय घेतात ना आम्हाला नको आपल्याला त्याने २५ टक्के बांधून द्यावे त्याने स्वतः बांधावे हे महानगरपालिका निर्णय घेतील. त्या हॉस्पिटलच्या बाबतीत परवानगीमध्ये निर्देश कधी झालेले नाही आणि हा निर्णय सभागृहामध्ये होणे गरजेचे आहे. कुठल्याही आरक्षणच्या बाबतीत आपण मागे परत १ ठणकुन ठराव केले सगळे आरक्षण काय आमच्या ओळखीचे आहे का? आम्हाला माहित नाही शहरातले त्यामध्ये कुणाचेही आरक्षण असतील पण मार्केट, हॉस्पिटल हे आरक्षण पण तुम्ही द्यायला लागले तर भाजीवाल्याला अँडजस्ट कुठे करायचे आहे. छोटे मोठे हॉस्पिटल असेल तुम्ही द्या ना आमची काही हरकत नाही. महानगरपालिकेला आवश्यकता असेल तर करायच काय? दुसरे साहेब अस आहे की आम्ही ठरावामध्ये हेही म्हटलं आहे की अँक्वीजिशन करुन शासनाला आपण पाठवावे. आतापर्यंत आपली मानसिकता आणि बिल्डरची विकासकाची मानसिकता होती की त्यांनाच बांधायचे आहे. आता आपण त्यांना हे सांगणार की आमचा असा निर्णय झाला की जागा आपल्याला ताब्यात द्या आणि महानगरपालिकेने निर्णय घेतला तर त्याला आज ना उद्या द्यावेच लागणार आहे. कुठेही गेला तरी त्याला ते आरक्षण द्यावेच लागणार आहे. आणि महानगरपालिका परत डी.सी. रूल आपण काढा आयुक्तांना तो अधिकार नाही. आरक्षणामध्ये परवानगी द्यायचा महानगरपालिकाने एकदा ठरवलं आम्हाला नको मग आयुक्तांना तो अधिकार जातो डी.सी. रूलप्रमाणे २५ टक्के, ५० टक्के की १० टक्के त्याप्रमाणे ती परवानगी देता येईल. हा आरक्षणाचा विषय आहे आणि आम्ही अँक्वीजिशन करुन म्हटलेले आहे. मी पहिलेच सांगितले की कमीत कमी ४-५ वर्ष लागणार आहे. अस होत नाही की हे सगळ उद्या होणार आहे. आपण अँक्वीजिशनचे प्रस्ताव आणि कुठलीही जागा असो अँक्वायर केल्याशिवाय येणार नाहीच आहे. तर आम्ही तो ठराव मांडलेला आहे.

#### आसिफ शेख :-

महापौर मॅडम, आपल्या मिरा भाईंदरमध्ये मला वाटते ३५० च्या आसपास आरक्षण आहे खाजगी जागेवरचे आणि सरकारी जागेवरचे त्यामध्ये आम्ही जास्तीत जास्त प्रयत्न सन्मा. आमचे परममित्र नरेंद्र मेहता त्यांनी सांगितले की ते हॉस्पिटल, मार्केट हे सगळे आरक्षण आहे ते अत्यंत शहराच्या मध्यभागी असलेले आणि प्राईम लोकेशन असलेले आरक्षणाचा आपण विचार करतो ते पण खाजगी जागेवरचा तर बाकी जे आरक्षण आहे ते पण आपण डेव्हलप करायला पाहिजे आणि खास करुन जे सरकारी जागेवरचे आरक्षण आहे तिथे आपले लक्षच नाही. तिथे बेकायदेशीरपणे अतिक्रमण होत आहे झोपडपट्ट्या वाढत आहे चाळी होत आहेत. माझा सांगायचा उद्देश एवढाच आहे की खाजगी आरक्षणाकडे आपले जेवढे लक्ष आहे तेवढेच लक्ष आपण इतर आरक्षणावर पण केंद्रित करावे. नुकताच या ठिकाणी विषय आणायचा आणि त्याच्यावर चर्चा घडवून आणायची त्यापेक्षा इतर आरक्षणाचा पण आपण विचार केला पाहिजे आणि सरकारी जागेवरचे जे विषय आहे अतिक्रमण ते अतिक्रमण दूर करुन जागा ताब्यात घेऊन तेथे तारेचे कम्पाऊंड केले पाहिजे. आरक्षणामध्ये जे अतिक्रमण झाले आहे ते आपण दूर केले पाहिजे एवढे आमचे म्हणणे आहे सूचना नमुद करुन घ्या.

#### नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १४० करिता दोन ठराव आलेले आहेत. पहिला ठराव सूचक श्री. नरेंद्र मेहता आणि दुसरा ठराव सूचक श्री. जुबेर इनामदार. अनुक्रमे दुसरा ठराव मतदानास टाकत आहे. श्री. जुबेर इनामदार यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. श्री. नरेंद्र मेहता यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी.

#### मा. महापौर :-

श्री. नरेंद्र मेहता यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने ४१, विरोधात ३५ इतकी मते पडली आहेत. श्री. नरेंद्र मेहता यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यात येत आहे.

#### प्रकरण क्र. १४० :-

कनकिया हॉस्पिटल आरक्षण क्र. ३०२ राज्य सरकारकडे चालविणेबाबत प्रस्ताव देणे.

**ठराव क्र. १०७ :-**

मिरा भाईंदर शहराच्या मंजूर विकास योजनेमध्ये मौजे नवघर, स.क्र. (जुना) ४५२पै., ३९२पै., ३९०पै., ३९१पै., ३९३पै. (नविन) १५२पै., १५३पै., १५४पै., १६१पै., १६२पै. या जागेमध्ये आ.क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल ) हे आरक्षण दर्शविलेले असून मंजूर विकास योजनेप्रमाणे सदर आरक्षणाचे एकूण क्षेत्र १३६०० चौ.मी. आहे. यापैकी महानगरपालिकेच्या ताब्यातील क्षेत्र ९५०.०३ चौ.मी. असून उर्वरित क्षेत्र खाजगी मालकीचे आहे.

सदरचे आरक्षण समावेशक आरक्षणाच्या तरतुदी अन्वये जागामालकास विकसित करणेसाठी यापुर्वी जा.क्र. मनपा/नर/८६०/२००७-०८, दि.११/०६/२००७ अन्वये रेखांकन नकाशे मंजूरीसह अकृषिक परवानगी प्राप्त करण्यासाठी नाहरकत दाखला दिलेला असून सदरच्या परवानगीसाठी दि.१७/१०/२००८ रोजी १ वर्षाची मुदतवाढ दिलेली आहे. सदरच्या परवानगीची मुदत संपलेली असून परवानगी व्यपगत झालेली आहे.

मिरा भाईंदर शहरासाठीच्या मंजूर विकास नियंत्रण नियमावलीप्रमाणे आरक्षणाच्या क्षेत्राच्या २५९ प्रमाणेचे बांधीव क्षेत्र महानगरपालिकेस हस्तांतरीत करणेच्या अटीवर जागामालक / अधिकारपत्रधारक आरक्षणाचा विकास करू शकतो.

तसेच विकास योजनेमधील आरक्षणे समावेशक आरक्षणाच्या माध्यमातून विकास योजनेची अंमलबजावणी संदर्भात नविन विनियम अंतर्भूत करण्यासाठी शासनाने महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ नुसार दि.३०/०४/२०१५ अन्वये प्रस्तावित केलेले असून त्याप्रमाणे आ.क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल ) या आरक्षणाच्या क्षेत्रापैकी ५०९ प्रमाणेचे बांधीव क्षेत्र जागामालकांनी महानगरपालिकेस हस्तांतरीत करणे आवश्यक आहे तथापि सदरचे फेरबदल अद्याप मंजूर झालेले नाहीत.

वरील दोन्ही प्रमाणे पैकी जागामालक / अधिकारपत्रधारक यांनी महानगरपालिकेस बांधीव क्षेत्र महानगरपालिकेस हस्तांतरीत केल्यास महानगरपालिकेस फक्त बांधीव इमारत मिळणार आहे. त्यानंतर सदर इमारतीमध्ये अंतर्गत सजावटीसह यंत्र सामुग्री व अधिकारी, कर्मचारी वर्ग लागणार असून त्यासाठीचा खर्च महानगरपालिकेस परवडणारा नाही.

यास्तव आ.क्र.३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल) या आरक्षणाने बाधीत जागा महानगरपालिकेने ताब्यात घेऊन त्या जागेवर शासनामार्फत हॉस्पिटल बांधून चालविण्यासाठीचा प्रस्ताव शासनास सादर करणेस व सदर आरक्षण क्र. ३०२ (म्युनिसिपल हॉस्पिटल) या जागेत बांधण्यात आलेल्या वास्तुस स्व. श्री. धर्मवीर आनंद दिघे असे नाव देण्यात येत आहे.

मा. उच्च न्यायालयाच्या आदेशानुसार मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी रुग्णालय हे टप्पाटप्प्याने चालू करण्याचा निर्णय घेतला आहे. त्यानुसार सद्यस्थितीत रुग्णालयातील १०० खाटा कार्यान्वित करण्यात आल्या आहेत. उर्वरित १०० खाटा मार्च २०१८ पर्यंत कार्यान्वित करावयाच्या आहेत. सदर रुग्णालयाच्या बांधकामापोटी आजपर्यंत रु. १८.३६ कोटी खर्च झाला असून उपकरणे व साहित्य यासाठी रु. ५.४० कोटी खर्च झाला आहे. सदर २०० खाटांचे रुग्णालय चालविण्यासाठी महानगरपालिकेस वार्षिक अंदाजे रु. २०-२५ कोटी खर्च अपेक्षित आहे. सद्यस्थितीत स्थानिक संस्था कर बंद झाल्याने महानगरपालिकेची आर्थिक स्थिती नाजूक आहे. तसेच रुग्णालयासाठी आवश्यक तज्ज्ञांची पदे तीन वेळा जाहिरात देऊन, भरती प्रक्रिया राबवूनही महानगरपालिकेस मिळालेली नाहीत. त्यामुळे वैद्यकीय तज्ज्ञांच्या अभावी रुग्णालय सुरळीतपणे चालविणे शक्य होणार नाही व नागरिकांना दर्जेदार वैद्यकीय सुविधा मिळणार नाहीत.

सदर रुग्णालयाच्या उद्घाटन प्रसंगी राज्याचे सन्मा. आरोग्यमंत्री डॉ. दिपक सावंत यांनी, राज्याच्या विधी मंडळात शासनाने दिलेल्या आश्वासनानुसार, महानगरपालिकेचे हे रुग्णालय उप-जिल्हा रुग्णालयाचा दर्जा देऊन शासनामार्फत चालविले जाईल, असे आश्वासन दिले आहे. तसेच राज्याचे सन्मा. वित्त आणि नियोजन, वने मंत्री, श्री. सुधीर मुनगंटीवार यांनीही सदर उद्घाटन प्रसंगी रुग्णालय चालविण्यासाठी आवश्यक निधीची शासन तरतूद करेल असे आश्वासन दिले आहे.

महानगरपालिकेच्या नाजूक आर्थिक स्थिती लक्षात घेता, तसेच महानगरपालिकेतील इतर पायाभूत सुविधा विकसित करण्यासाठी शासन विविध योजना व अनुदानांच्या स्वरूपात मदत करत आहे, ही वस्तुस्थिती पाहता, सदर रुग्णालय चालविण्यासाठीही शासनाकडून मदत घेणे आवश्यक आहे.

सबब, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी रुग्णालय पूर्ण क्षमतेने व सुरळीतपणे चालविण्यासाठी शासनाकडून प्रतिनियुक्तिने वैद्यकीय तज्ज्ञ, तंत्रज्ञ, उपकरणे, साहित्य व औषधे तसेच आर्थिक मदत या स्वरूपात मदत मागण्यासाठी शासनाकडे विनंती प्रस्ताव पाठविण्यास व शासनाच्या निर्णयाप्रमाणे उचित कार्यवाही करण्यास ही महासभा मंजूरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. नरेंद्र मेहता**

**अनुमोदक :- श्रीम. निलम ढवण**

अ.क्र.	ठरावाच्या बाजूने	अ.क्र.	ठरावाच्या विरोधात	तटस्थ
१	मेहता नरेंद्र लालचंद	१	कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा	निरंक
२	शरद केशव पाटील	२	ध्रुवकिशोर पाटील	
३	म्हात्रे कल्पना महेश	३	डिमेलो बर्नड अल्बर्ट	
४	भानुशाली वर्षा गिरधर	४	ग्रिटा स्टिफन फॅरो	



५	मिरादेवी रामलाल यादव	५	असेन्ला मेन्डोसा परेरा
६	कोठारी सुमन रमेश	६	शिल्पा भावसार
७	डॉ. नयना मनोज वसाणी	७	सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स
८	सिमा कमलेश शहा	८	रॉड्रीक्स बाबरा डॉनल्ड
९	जैन गिता भरत	९	दक्षता राजेंद्र ठाकूर
१०	अरोरा दिपीका पंकज	१०	पाटील वंदना विकास
११	रावल भगवती जयशंकर	११	शबनम लियाकत शेख
१२	मेहता डिंपल विनोद	१२	प्रभात प्रकाश पाटील
१३	मेघना दिपक रावल	१३	पाटील सुनिता कैलास
१४	शर्मा सुनिला सत्येंद्र	१४	झिनत रऊफ कुरेशी
१५	प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील	१५	विराणी रेखा अनिल
१६	पाटील प्रेमनाथ गजानन	१६	पुजारी कांचना शेखर
१७	सिंग मदन उदितनारायण	१७	पिसाळ मनिषा नामदेव
१८	कांगणे यशवंत ठकाजी	१८	डिसा मर्लिन मर्विन
१९	अनिल बाबुराव भोसले	१९	अनिता जयवंत पाटील
२०	कासोदरीया अश्विन श्यामजी	२०	गोविंद हेलन जॉर्जी
२१	जैन दिनेश तेजराज	२१	काझी रशीदा जमील
२२	जैन रमेश धरमचंद	२२	इनामदार जुबेर
२३	डॉ. राजेंद्र जैन	२३	वेतोसकर राजेश शंकर
२४	निलम हरिश्चंद्र ढवण	२४	शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम
२५	तारा विनायक घरत	२५	रकवी सुहास माधवराव
२६	जयमाला किशोर पाटील	२६	पांडे हंसुकुमार कमलकुमार
२७	परमार अनिता भरत	२७	खण्डेलवाल सुरेश
२८	पाटील प्रणाली संदिप	२८	वेंचर गिल्बर्ट मेन्डोसा
२९	गावंड मंदाकिणी आत्माराम	२९	मेन्डोसा स्टिवन जॉन
३०	संध्या प्रफुल्ल पाटील	३०	डॉ. आसिफ शेख
३१	म्हात्रे प्रभाकर पद्माकर	३१	नरेश तुकाराम पाटील
३२	दळवी प्रशांत ज्ञानदेव	३२	भोईर कमलेश यशवंत
३३	हरिश्चंद्र रामचंद्र आमगावकर	३३	रविंद्र भिमदेव माळी
३४	प्रविण मोरेश्वर पाटील	३४	वंदना मंगेश पाटील
३५	जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील	३५	अशोक तिवारी
३६	केळुसकर प्रशांत नारायण		
३७	भोईर भावना राजू		
३८	भोईर राजू यशवंत		
३९	जाधव मोहन महादेव		
४०	मुन्ना सिंग		
४१	मयेकर सरस्वती रजनीकांत		

ठराव बहुमताने मंजूर.

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १४१, भाईंदर (पूर्व) चौपाटी सुंदरीकरण, नविणीकरण करणेकरीता आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणे.

सुमन कोठारी :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या मंजूर विकास योजनेत भाईंदर (पूर्व) येथे आरक्षण क्र.१२२अ चौपाटीसाठी राखीव आहे. सदर जागा मौजे नवघर सव्हे क्र.१५ (नवीन), सव्हे क्र.२०९ (जुना) मध्ये मोडत असून सदर आरक्षणाचे क्षेत्र मा.जिल्हाधिकारी, ठाणे यांचेकडील दि.०७/१०/२०१० रोजीच्या आदेशान्वये संरक्षणासाठी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडे हस्तांतर केले आहे. सदर ठिकाणी तत्कालीन नगरपरिषद असतांना १९९२ पासून श्रीगणेश विसर्जन होत असल्याने वेळोवेळी आवश्यक व्यवस्था तसेच दुरुस्तीकरण करण्यात आले आहे. सदर जागेवर मोठया प्रमाणावर नागरीक, रहिवाशी व मुले दररोज फिरावयास तसेच खेळण्यास येत असल्याने मोठयाप्रमाणावर गर्दी होत असते. सदर ठिकाणी असलेल्या व्यवस्थेत दुरुस्ती कामे

व रंगकाम इ. कामे करून सुंदरीकरण, नविनीकरण करण्याची आवश्यकता असून चौपाटी परीसराची शोभा वाढणार आहे. सदर कामाकरीता तांत्रिक सल्लागार नेमण्याबाबत निर्णय झाला होता. तथापी वारंवार निविदा मागवून देखील निविदा प्राप्त झालेली नाही. सदर कामासाठी एकत्रित होणाऱ्या रु.३,८५,५९,७००/- एवढ्या खर्चास व टप्प्याटप्प्याने निविदा मागविणेस आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यात येत आहे.

**मदन उदित नारायण सिंग :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**भगवती शर्मा :-**

मॅडम पहले जो प्रशासनने गोषवारा दिया है उसके अंदर में १ करोड रु. खर्च के लिए उन्होंने मान्यता मांगी है की उसमें १ करोड रु. खर्चा होनेवाला है तो प्रशासन से यह जानकारी चाहिए की इन्होंने जो ठराव अभी किया ३ करोड समथिंग का तो वो क्या तरतूद है क्या? विषय तो यह हो गया। दुसरा विषय मेरा यह कहना है की यह जो चौपाटी है वो चौपाटी के अंदर में दि. १/७/२०१५ को एक ठराव हुआ था। जिसमें उन्होंने मंजूरी दि थी की सदर आरक्षण क्र. १२२ विकसित करण्यापूर्वी अनुभवी तांत्रिक सल्लागार नेमण्यात व सल्लागारकडून अहवाल नकाशा व अंदाजपत्रकानुसार गणपती विसर्जन पुल तयार करण्याकरिता कोळी नगर/रेल्वे धक्का येथे सदर कामासाठी तरतुदीनुसार १ कोटी एवढा खर्च ही सभा प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देत आहे. तो उसके अंदर में जो मान्यता दि थी यह कोळी नगर और रेल्वे धक्का तांत्रिक सल्लागार अभी इसमें गोषवारा दिया है की वो हमको मिला नहीं है। अभी यह जो १ कोटी उसके अंदर में खर्चा किया जा रहा है अभी यह बताया जा रहा है की यह रिपेरिंग के लिए खर्चा किया जा रहा है। तो यह जो रेल्वे परिसर के अंदर में रेल्वे धक्का और कोळी नगर उस काम का क्या किया जाएगा। थोडा प्रशासन की तरफसे स्पष्टीकरण चाहिए।

**दिपक खांबित :-**

मा. महापौरच्या परवानगीने बोलतो यापूर्वी १/७/२०१५ ला विषय आला होता त्यावेळी आम्ही चौपाटीचे सुशोभिकरण करण्याकरिता १ कन्सल्टंट नेमायला पाहिजे तांत्रिक सल्लागार म्हणून विषय आणला होता त्या ठरावामध्ये १ कोटी रुपयाचे २ धक्के बांधण्याकरिता प्रशासनाने आर्थिक मंजूरी दिली होती. जो एक्झिस्टिंग धक्का आहे तो अजून आतमध्ये डिपमध्ये न्यायचा आहे तो पाण्यामध्ये आणि एक कोळीनगर येथे नविन धक्का बांधायचा अशी त्याला मंजूरी होती. त्यापैकी मेन आपला जो धक्का आहे तो पुढे समुद्रामध्ये वाढण्याकरिता आर.सी.सी. धक्का बांधण्याकरिता ७८ लाखाचे इस्टीमेट केलेले आहे. कोळीनगर येथे सी.आर.झेड ची मान्यता मागितलेली ती मिळालेली नाही या धक्केला आपल्याला ऑलरेडी सी.आर.झेडची मान्यता आलेली आहे. पहिल्यांदा म्हणून ते ७८ लाखाचे आपण इस्टीमेट केले आहे हा एक भाग झाला आणि आता जे विषय आणला आपल्या चौपाटी या हेडखाली एक कोटीची तरतूद आहे म्हणून आम्ही जी चौपाटी आहे एकूण त्यांनी इस्टीमेट ३ कोटी ८५ लाखाचे दिले आहे. मोठी गेट बांधायची आहेत त्यानंतर तिकडे विधी शेडच्या बाजूला एक शेड आहे तिकडे ती मोठी करायची आहे. आणि बाकीची जी सुशोभणाची कामे आहेत त्याला ते इस्टीमेट केले म्हणजे दोन कामे वेगवेगळी आहेत.

**भगवती शर्मा :-**

खांबित साहब आप एक साईट के अंदर में बोल रहे हो की तांत्रिक सल्लागार की नियुक्ती नहीं हुई है। तो फिर यह इस्टीमेट किसने बनाके दिया।

**दिपक खांबित :-**

इस्टीमेट डिपार्टमेंटने बनाया।

**भगवती शर्मा :-**

तो फिर तांत्रिक सल्लागार नेमणूक के लिए आपने इतना खर्चा करने की उस समय के अंदर में विषय लाए क्यों? जब हमारे पास ऐसे प्रशिक्षित अधिकारी है तो लाया क्यों? और अभी आप ३ कोटी का खर्चा दे रहे है उस समय १ कोटी का दिया था। १ कोटी के अंदर में कोळी नगर और रेल्वे धक्का और सुशोभिकरण दोनो चीज शामिल थे अभी यह जो खर्चा बढ़ रहा है तो किस कारण से बढ़ रहा है।

**दिपक खांबित :-**

नहीं वो नहीं शामिल था उसमें वो धक्के का इस्टीमेट अलग है। यहाँ पे अभी जो प्रस्तावित काम है, वहाँ पे एक बड़ी गेट करनी है वहाँ पे जो योग की शेड है उसको बड़ी करनी है शेड वो काम है और बाकी का सुशोभिकरण का काम है सब।

**भगवती शर्मा :-**

तो पुरी जानकारी दि जाए ना। आज ३ करोड का आपने एक इस्टीमेट बोला क्या है बनाया क्या है। इसमें आपने नहीं लिखा है। हमको कुछ उसके अंदर में आपत्ती नहीं है अगर ३ कोटी का वो बनाया था इस्टीमेट तो विषयपत्रिका में देना चाहिए ना उसमें क्या-क्या काम होने जा रहा है।

**दिपक खांबित :-**

इस्टीमेट कुछ भी रहो जितनी बजेट में तरतूद रहेगी इस साल बजेट में तरतूद करली एक करोड रुपये जो है। जो टेंडर निकलेगा वो एक करोड काही निकलेगा वो भी सब मान्यता लेके।

**निलम ढवण :-**

महापौर मॅडम, यात सूचना आहे की, जैसलपार्क चौपाटी ही एकमेव भाईदर पूर्वेची चौपाटी म्हणून ओळखली जाते आणि जास्तीत जास्त लोक तेथे त्या चौपाटीवर काही जो ओपन स्पेस आहे तो पूर्वीपासून तेथे खेळण्यासाठी देखील मुले तिथे जातात किंवा चौपाटीवर गेल्यानंतर त्याचा वापर खेळासाठी देखील मुले करतात तर तेवढी जी ओपन जागा आहे ती ओपन जागा तशीच ठेवण्यात यावी जेणेकरून मुलांना देखील ती खेळण्यासाठी जागा मिळेल कारण बाकीच्या ठिकाणी सर्व ते विधी शेड म्हणा, समाजमंदिर आणि बाकीच्या सगळ्या गोष्टी गार्डन पोलिस चौकी अशा पूर्ण ती जैसलपार्क चौपाटी व्यापली गेलेली आहे त्याच्यामुळे जी ओपन स्पेस आहे ती तशीच ठेवावी त्याच्यावर अतिरिक्त बांधकाम करू नये अशी मी आपणास विनंती करते.

**बर्नड डिमेलो :-**

आयुक्त साहेब आत्ताच खांबित साहेबांनी माहिती दिली कोळी नगर आणि रेल्वे जवळ आपल्याला जे जेट आहे मेरिटेन बोर्डकडून जे मंजूर झालेले आहे ते कुठे बांधणार आहे.

**दिपक खांबित :-**

जेटी नाही रस्ता विसर्जन धक्का जो एक्झीस्टिंग धक्का आहे.

**बर्नड डिमेलो :-**

विसर्जन मेरिटेन बोर्ड करत नाही. जेट्या आहेत त्या विसर्जनासाठी मेरिटेन बोर्ड तो खर्च करणार नाही. मंजूर करताना कशामध्ये झाले ते नमुद केलेले नाही त्याच्यामध्ये.....

**दिपक खांबित :-**

विषय आहे भाईदर पूर्व विसर्जन धक्क्याचा.

**बर्नड डिमेलो :-**

मी सांगतो २ जेट्या ज्या मंजूर झाल्या त्या कुठे होणार आहे.

**दिपक खांबित :-**

तो विषय नंतर आहे.

**बर्नड डिमेलो :-**

शासनाकडून मंजूर झाल्यात आपल्याला २ जेट्या भाईदर ईस्टला.

**मा. आयुक्त :-**

दोन विषय मिक्स करू नका.

**दिपक खांबित :-**

मागच्या वेळेला आम्ही विचारलं होते मेरिटेन बोर्डला पैसे भरण्याकरिता त्यावेळेला ज्या २ जेट्या आहेत त्या भाईदर पश्चिमेला आहेत आणि भाईदर पूर्वेला जी आहे ती रेल्वे ट्रॅककडे आहे. ह्या दोन नविन जेटी आहेत.

**बर्नड डिमेलो :-**

मी माहिती काढलेली २ जेट्या पूर्वेला आहे. आता तुम्ही जो ४ कोटीचा खर्च मागवला आहे.

**दिपक खांबित :-**

कोळी नगरला असेल मग ती.

**बर्नड डिमेलो :-**

कोळी नगर आणि रेल्वे जवळ मग त्याच ठिकाणी ३ कोटी ८५ लाख दुसरे का?

**दिपक खांबित :-**

नाही ३ कोटीचा प्रश्न नाही.

**बर्नड डिमेलो :-**

साहेब मला काय बोलायचे शासनाकडून होतो खर्च पालिका करते जिथे आरक्षण आहे तुम्ही केलेल्या सोयी आहेत त्या सोडून इतर ठिकाणी काहीच नाही तिथे काहीतरी विचार करा. एका ठिकाणी केला पुन्हा पुन्हा त्याच ठिकाणी खर्च करायचा.

**दिपक खांबित :-**

बर्नड साहेब तुम्ही जे दोन जेटी म्हणतात ना तो मागच्या वेळी विषय आणला होता त्यावेळेला पाटील साहेबांनी ऑब्जेक्शन घेतले होते. त्यामुळे आपण ते मा. जिल्हाधिकारी महोदयांना पत्र पाठविले तुम्ही हे करणार मंजूर केले अजुन पण उत्तर नाही आले त्यांचे. तिथे आपण काहीच काम करत नाही हा एक्झिस्टिंग धक्का आहे. हा धक्का विसर्जनाच्या वेळेला वापरतो. आपले प्रॉब्लेम होतात म्हणून तो खाली अजुन एक १०० फुटपर्यंत वाढवायचे आहे.

**बर्नड डिमेलो :-**

शासन जी जेटी करेल ती कुठपर्यंत जाईल. ती पुढचे जाणार आहे ना.

**दिपक खांबित :-**

हो.

**बर्नड डिमेलो :-**

आपण हा खर्च का करायचा दुसरा.

**दिपक खांबित :-**

दुसरा कुठे करतो आपण नाहीच करत.

**बर्नड डिमेलो :-**

मला याच्यात असे म्हणायचे आहे जिथे आपण खर्च केलेले आहेत ऑलरेडी सोयी आहेत. तिथे अजुन तुम्ही दुप्पट सोयी करायला जातात आणि ज्या ठिकाणी बिलकुल सोयी नाहीत पाण्यामध्ये जाऊन माणसे बुडतील. गणपतीच्या विसर्जनच्या वेळी गेल्यावेळी आमचे मच्छीमार लोक गेलेले असताना असते बरेच लोक बुडाले असते. बोटी चालू करावे लागतात. जिथे गरज आहे तेथे करा. जिथे खर्च झालेला वारंवार तिथेच खर्च करतात.

**दिपक खांबित :-**

परंतु आपल्या क्षेत्रामध्ये अजुन कुठे जेटी बांधायची आवश्यकता असेल तर प्रस्ताव द्या आपण तिकडे पाठवू ना प्रस्ताव.

**बर्नड डिमेलो :-**

शासनाकडे आम्ही दिलेला आहे तो भाग वेगळा झाला. पालिका आता ४-४ कोटी एकेका ठिकाणी तुम्ही करत राहिला.

**दिपक खांबित :-**

नाही करत पालिका अजिबात करत नाही.

**बर्नड डिमेलो :-**

गेल्यावर्षी मला वाटते काकांनी ते काढलं होते.

**दिपक खांबित :-**

नाही जेटीचे आपले कामच नाही.

**रोहिदास पाटील :-**

रेल्वे जवळचा पण अजुन धक्का झाला नाही. आपण आता गणपती विसर्जन करतो तुम्ही येत नाही बघायला. तो खालपर्यंत न्यायचा आहे खाडीमध्ये न्यायचा आहे. खाडीमध्ये न नेल्यामुळे गणपती विसर्जनला लेट होते तो एक भाग आहे आणि त्याच्याशी संबंधित कोळी नगर या ठिकाणी लेट होतो म्हणून आपण कोळी नगरला आणखी स्टॅन्ड बाय धक्का करायचा जिथे आणखी सकाळी ८,९,१० वाजता ते सकाळी ४-५ वाजेपर्यंत संपलेल अस ते नाही. त्याची परवानगी न मिळाल्यामुळे ते थांबून राहिलेले आहे. आणि हा जो जुना धक्का आहे आता याच्यावर आपण कमीत कमी लक्ष द्या. तो धक्का खालपर्यंत करायचा आहे पाण्यामध्ये त्याच्यासाठी हे इस्टीमेट बनलेले आहे.

**बर्नड डिमेलो :-**

ठिक आहे त्याच्यामध्ये मला दुसरे एक नमूद करायचे आहे जिथे आपण आता जेट्या वाढवतो तिथे निर्माल्य घेऊन बरीचशी लोक जातात. मला याच्यामध्ये एक सूचना द्यायची आहे. विषय नाही तो पण एक आपल्याखाडीचा आणि समुद्राचा मला वाटते हानी होत आहे. लोक ती निर्माल्य नेत्यांना हार आणि फुल टाकायला जे नेतात पाण्यामध्ये प्रत्येक जण प्लास्टिकच्या पिशव्या टाकतात. मला वाटते तिकडचे तुम्ही नगरसेवक आणि जे जे आपले सुरक्षारक्षक असतील कोणाला निर्माल्य टाकायचे असेल तर पिशवीतून काढून टाकावे ही एवढी सूचना घ्यावी.

**रोहिदास पाटील :-**

तुमची सूचना चांगली आहे. महानगरपालिकेने तेथे कुंडी ठेवलेली आहे त्याच्यात टाकतात. लोक खाली करतात. आता प्लास्टिकने जवळ जवळ जैसल पार्क चौपाटीवरून पिशव्या भरून आणतात कोणी फेकत नाही.

**प्रकरण क्र. १४१ :-**

भाईदर (पूर्व) चौपाटी सुंदरीकरण, नविणीकरण करणेकरीता आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणे.

**ठराव क्र. १०८ :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या मंजूर विकास योजनेत भाईदर (पूर्व) येथे आरक्षण क्र.१२२अ चौपाटीसाठी राखीव आहे. सदर जागा मौजे नवघर सर्व्हे क्र.१५ (नवीन), सर्व्हे क्र.२०९ (जुना) मध्ये मोडत असून सदर आरक्षणाचे क्षेत्र मा.जिल्हाधिकारी, ठाणे यांचेकडील दि.०७/१०/२०१० रोजीच्या आदेशान्वये संरक्षणासाठी मिरा भाईदर महानगरपालिकेकडे हस्तांतर केले आहे. सदर ठिकाणी तत्कालीन नगरपरिषद असतांना १९९२ पासून श्रीगणेश विसर्जन होत असल्याने वेळोवेळी आवश्यक व्यवस्था तसेच दुरुस्तीकरण करण्यात आले आहे. सदर जागेवर मोठया प्रमाणावर नागरीक, रहिवाशी व मुले दररोज फिरावयास तसेच खेळण्यास येत असल्याने मोठयाप्रमाणावर गर्दी होत असते. सदर ठिकाणी असलेल्या व्यवस्थेत दुरुस्ती कामे व रंगकाम इ. कामे करून सुंदरीकरण, नविनीकरण करण्याची आवश्यकता असून चौपाटी परीसराची शोभा वाढणार आहे. सदर कामाकरीता तांत्रिक सल्लागार नेमण्याबाबत निर्णय झाला होता. तथापी वारंवार निविदा मागवुन देखील निविदा प्राप्त झालेली नाही. सदर कामासाठी एकत्रित होणा-या रु.३,८५,५९,७००/- एवढया खर्चास व टप्प्याटप्प्याने निविदा मागविणेस आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यात येत आहे.

**सुचक :- श्रीम. सुमन कोठारी**

**अनुमोदन :- श्री. मदन उदितनारायण सिंह**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-  
महापौर  
मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १४२, महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३० नुसार मा. महासभा दि. ०१/०७/२०१५, ठराव क्र. १२ अन्वये गठीत करण्यात आलेल्या विशेष समित्यांवर सदस्यांची नेमणुक करणेबाबत.

**नरेंद्र मेहता :-**

मंडम या विषयावर लिगलीटीबाबत अजुन आम्हाला थोडा अभ्यास करायचा आहे कारण चर्चेमध्ये वाद नको. आता भगवती शर्माने माहिती दिली आहे. आपल्याला विनंती राहिल हा विषय नंतर घ्यावा.

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. १४३, महानगरपालिकेची विविध विकास कामे चालू आहेत त्या कामांत फेरबदल करणे / सुधारणा करणेसहित कामांना आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देणे.

**जुबेर इनामदार :-**

कोणत्या आधारावर कायद्याचा कोणता आधार घेतला आहे तुम्ही त्यांना देण्यासाठी फ्री मध्ये करुन देतोय का त्याला मोबदला टी.डी.आर वगैरे देणार आहात तो कसा देणार.

**दिपक खांबित :-**

प्रथम त्याचे व्हॅल्युएशन करुन रेडी रेटमध्ये कन्वर्ट करुन देणार त्यांना.....

**जुबेर इनामदार :-**

का नियम?

**दिपक खांबित :-**

ते नियम टाऊन प्लानिंगकडे.

**जुबेर इनामदार :-**

साहेब तुम्ही दिले आहे त्याच्यामध्ये मोबदला द्यायचा तुम्ही गोषवारा दिला. टाऊन प्लानिंगकडून त्याची माहिती घ्यायची होती ना. गोषवा-यामध्ये त्याचा नमूद करायचा होता. अस करायचे आपल्याला अशाप्रकारे आपण टी.डी.आर. देऊ पूर्ण शहराचे जितके काय रस्ते करायचे करुन टाकू. डी.पी. वर असलेले गटार करुन टाकू. नैसर्गिक नाल्यांसाठी नगररचनाची आपल्याला गरज नाही. जागा मालक किंवा पट्टाधारक ज्याला तुम्ही देणार तो जागा मालक नाही व पट्टाधारक ही नाही.

**दिपक खांबित :-**

शासनाचे जे दर आहे एक एफ.एस.आय किंवा दोन द्या म्हणून. आपण ते व्हॅल्युएशन बेसवर देतो. पॉईंट.....

**जुबेर इनामदार :-**

मान्य आहे साहेब तुम्ही चांगल काम केले पालिकेचे वाचवले तुम्ही टी.डी.आर कुणाला देत आहात ते तर क्लिअर करा. कुणाला देणार विकासक कोण? मालक कोण?

**दिपक खांबित :-**

ही जी कामे आहेत ती सगळी रवि डेव्हलपमेंटकडे २०११ ची वर्क ऑर्डर आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

२०११ ची कसली वर्क ऑर्डर? कोणी दिली?

**प्रमोद सामंत :-**

कमिशनरने त्यांच्या अधिकारावर दिली असेल.

**जुबेर इनामदार :-**

इतका मोठा धोरणात्मक निर्णय कमिशनरने स्वतःच्या स्तरावर घेतला आहे.

**दिलीप घेवारे :-**

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो, आपण जी सिमेंट कॉंक्रीट रस्त्यासाठी डी.एस.आर दिला आहे ती ९५००० स्क्वेअर मि. होती. ती आपण अर्धीच दिली आहे आणि मंजूर विकास नियंत्रण नियमावलीमध्ये नागरी सुविधा ॲम्ब्युनिटीच्या डेफिनेशनमध्ये विनिमय क्र. १ (८) पान क्र. ३ व रस्त्याचा समावेश आहे. त्यानंतर कलम ९ (४) ए नुसार रस्ता विकसित करण्याचे समुचित प्राधिकरण मिरा भाईंदर महानगरपालिका आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रासाठी मंजूर विकास नियंत्रण नियम विनिमय क्र. ३३ परिशिष्ट ४ (६) नुसार जागा मालकाने सुविधा क्षेत्र विकसित करुन मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडे विनामुल्य हस्तांतरण करुन विकसित केले आहे. संपूर्ण क्षेत्राच्या विकासकास विकास हक्क प्रमाणपत्र देण्याची तरतूद आहे. आपण एकूण क्षेत्र १२ हजार २९० स्क्वेअर मी. होते त्यांनी जी ॲम्ब्युनिटी आणि रस्त्याचे जे मोजमाप आपण आय.आय.टी कडून केले होते. त्यानुसार त्याचे २०११-१२ च्या डी.एस.आर नुसार किंमत जी आहे ७ कोटी ८३ लाख रुपये होत होती. त्यावेळी त्याचा दर आर.आर चा १४००० रु. प्रति स्क्वेअर मीटर होता. डी.एस.आर रेट यांची सांगड घालता ९० चौ.मीटरचे ७५ टक्के ९६९३ मीटरच आपण त्यांना दिलेली आहे.

## जुबेर इनामदार :-

आयुक्त महोदय अपेन्डीक्स ४ जागामालक किंवा पट्टाधारक यांना जे देण्यात आलेले आहे टी.डी.आर, मोबदला म्हणून तो जागामालक किंवा पट्टाधार नाहीच तो पावर ऑफ अटरनी होल्डर आहे. अधिकारपत्र धारक आहे. तिथूनच मी सुरुवात करेन एकतर ज्यांना देण्यात आली तो त्याला अधिकार नाहीच आहे. प्राप्त त्याला देताच येत नाही तरीही पालिकेने ९६०० मीटर त्याला दिलेले आहे. रवि डेव्हलपर्स बिल्डर्स अँड डेव्हलपर्स जयेश शहा यांना दि. २८/०८/२०१५ रोजी ९६९३.३६ चौ.मी. असा मोबदला म्हणून टी.डी.आर. दिला अॅम्युनिटीचा. आता अॅम्युनिटीच्या विषयावर मी परत येईल अॅम्युनिटी म्हणजे काय? सुविधा सुविधा हा डी.पी. रस्ता असू शकत नाही. डी.पी. रस्ता महानगरपालिकेनेच विकसित करायचा आहे त्यासाठी ठराव करून या सभागृहाने मा. आमदार नरेंद्र मेहता साहेब बोलत आहेत. आम्ही ठराव केला आम्ही ठराव केला, आम्ही ठराव करून पाठवला होता. राज्य शासनाच्या मंजूरीला की याच्यामध्ये फेरबदल करण्यात यावा. अधिकारपत्र धारक सुध्दा असू शकतात विकासक सुध्दा असू शकतात. टेंडरच्या माध्यमातून उघड्या बाजारामध्ये याची निविदा प्रक्रिया करावी त्यातून जो कमीत कमी टी.डी.आर देईल त्यालाही मोबदला म्हणून जो कोणी ते बांधकाम करेल गटार बांधकाम करून डी.पी. रस्ते बांधून आपल्याला देईल, कॉक्रीटचे करून देईल त्यांना आपल्याला हा टी.डी.आर देता येईल. हेच स्पष्टीकरण आहे याचं. तस नव्हत तर आपण कशाला पाठवलं मग त्यावेळी शासनाने त्याला मंजूरीच दिलेली नाही आज तारखेपर्यंत. एका तत्कालीन आयुक्तांनी आपल्या अधिकारामध्ये एक पत्र दिले २ पानांचे पत्र आहे. काहीच नाही त्याच्यामध्ये कुठे काही उल्लेख केलेला नाही ३१/१/२०११ ला पत्र दिले आहे. ज्या दिवशी मला वाटते ते निवृत्त होणार होते त्या आजुबाजुच्या तारखेमध्ये त्यांनी हे काम करून गेले. आम्हाला फक्त तुम्हाला एकच विचारायचे आहे हा विषय तर चालत राहणार या लांबलचक चर्चा पूर्ण दिवस झाली तरी कमी पडेल. तुम्हाला त्यावर उत्तर देता येणार नाही. तुम्ही आम्हाला सभागृहाला फक्त इतकीच माहिती द्यावी. कोणत्या आधारावर कुठल्या नियमाखाली तुम्ही त्यांना मोबदला देणार. त्यांना जो ठराव सत्ताधा-यांना करायचा तो करावा. माझी फक्त त्यांना विनंती आहे नियमबाह्य ठराव करू नये. कायद्याच्या चौकटीत बसत असेल आम्ही ठराव करू प्रशासनाने त्यावर निर्णय द्यावा. देता येतो का? आणि अॅम्युनिटीमध्ये साहेब अॅम्युनिटी ५ टक्के त्या पूर्ण लेआऊटची फक्त ५ टक्के म्हणजे डी.पी. ला अॅम्युनिटी गृहित धरली असेल तरी फक्त ५ टक्के असायला पाहिजे.

## दिलीप घेवारे :-

तुम्हाला मी लेखी पत्र सुध्दा दिले होते. तुम्हाला मी रिट पिटीशन नंबर देतो.

## जुबेर इनामदार :-

माझ्याकडे आहे.

## दिलीप घेवारे :-

कोणती आहे. आम्ही जी आमच्या विरोधात जी झाली त्याच्यावर कन्सेन्टेट जे महानगरपालिकेने केले ती नाही म्हणत ती रिट पिटीशन नं. ६५१/२०१३ वाघवा रेसिडन्सी प्रा. लि. विसेंस मुंबई महानगरपालिका यांचे एक जजमेंट आहे ते झेरॉक्स तुम्हाला देतो ते वाचा अॅम्युनिटी वगैरे सर्व त्यांनी क्लिअर केले आहे.

## प्रमोद सामंत :-

ते आपल्याला लागू होतात का ते मुंबई महानगरपालिकेचे.

## दिलीप घेवारे :-

सेम रूल आहे. अॅम्युनिटी कशाला म्हणायचे तर त्यांनी ते एकस्प्लेन केले.

## जुबेर इनामदार :-

आपल्याला काय मंजूर आहे. साहेब पालिकेने अॅफिडेव्हीट सादर करताना कोर्टाने म्हणजे जेव्हा हा विषय न्यायप्रविष्ट झाला पालिकेने आपली बाजूच मांडली नाही.

## प्रमोद सामंत :-

त्या तरतुदी ती ऑर्डर आपल्याला लागू होत नाही.

## मा. आयुक्त :-

परंतु घेवारे साहेबांनी आता आपल्याला महानगरपालिकेच्या कोणत्या कायद्याच्या कोणत्या कलमाच्या अंतर्गत देता येते त्याबद्दल सगळी माहिती इत्यंभूत दिली आहे.

## जुबेर इनामदार :-

साहेब त्यांनी अॅम्युनिटी संदर्भात सांगितले. शब्दाच्या इंटरप्रीटेशनमध्ये त्यांनी टी.डी.आर संदर्भात फक्त सांगितले आहे.

## मा. आयुक्त :-

आपण जर अर्थ तसा काढत असाल तर तो आमचा नाइलाज आहे. परंतु त्यांनी कायदेशीर तरतुदी सगळ्या आपल्याला नमूद केलेल्या आहे आणि हायकोर्टचे डिसीजन.....

## भगवती शर्मा :-

आयुक्त साहेब तिथे काय चुक झाली आहे तेही तुम्ही ऐका ना.

## जुबेर इनामदार :-

बिल्डरचे रिझर्व्हेशन इज अ डी.पी. रोड अॅम्युनिटी त्याच्यामध्ये मोडते का हे सांगा.

**प्रमोद सामंत :-**

महापौर मॅडम प्रशासनाने ॲम्प्युनिटी या गोष्टीचे चुकीचे इंटरप्रिटेशन करुन हा डी.एस.आर दिला आहे. प्रशासन जर कन्फ्युज असेल तर तस आम्हाला सांगा.

**मा. आयुक्त :-**

आपण आताच म्हणालात की, मुंबई महानगरपालिकेच्या बाबतीत दिलेला निर्णय लागू पडतो का इथे. हायकोर्टचे डिस्मिशन हे आहे संपूर्ण महाराष्ट्र राज्याच्या पूर्ण भारतभर लागू होतो.

**प्रमोद सामंत :-**

तो पर्टिक्युलर एका केसमधला आहे. तो पूर्ण महाराष्ट्रातल्या सर्व महानगरपालिका, सर्व नगरपालिकांसाठी नाही आहे तो पर्टिक्युलर एका केससाठी आहे आणि आपले जर काही कन्फ्युजन असेल. ५ वर्षापूर्वी ठराव केला २०१० ला महानगरपालिकेने ५ वर्ष आलेल्या प्रत्येक आयुक्ताने या गोष्टीला निर्णय घेतला नाही कारण त्यांना ते क्लिअर नव्हत की नक्की काय? नक्की कशाप्रकारे आपण डी.आर.सी घ्यायचा. म्हणून ती गोष्ट ५ वर्ष पॅन्डींग राहून आपण जे हायकोर्टात ॲफिडव्हिट फाईल केली आहे त्याकडे आपण एकदाही या गोष्टीचा आपल्याकडे असलेल्या प्रोव्हिजनचा कुठेही उल्लेख न करता जाणुनबुजून तो उल्लेख हायकोर्टच्या कंडीशनवर केली आहे. हायकोर्टला पण काही कळलेले नाही की आम्ही जे आमचे डी.सी. रुल बनवले आणि ज्याला राज्यसरकारने मान्यता दिली आहे. त्यामध्ये डी.पी. रोड बनवण्याची तरतूद फक्त महानगरपालिकेची आहे. फक्त महानगरपालिकाच डी.पी. रोड बनवू शकते. आपल्याकडे तरतूदच नाही की आपण दुसऱ्या कुणाला ते बनवायला घ्यायची. जसे आपले इतर आरक्षण आहेत जस आपल हॉस्पिटल आपण आता ठराव केला की राज्यशासनाला घ्यायचे किंवा त्या जागा मालकाने बनवायचे तस डी.पी. रोडची तरतूद नाही आणि असं असताना सुध्दा संपूर्ण समजस असताना कोणतेही इंटरप्रिटेशन राज्यसरकार कडून न मागवता जर महानगरपालिकेने चुकीच्या पध्दतीने निर्णय घेतला असेल तर तो निर्णय परत घ्यावा. अशाप्रकारे डी.आर.सी टी.डी.आर देण्यात येऊ नये आणि असे दिल्यास शहरात बरेच मालकी रस्ते आहेत. प्रत्येक ठिकाणी आमच्या शांतीनगर कितीतरी मीटर डी.आर.सी घेऊन जाईल तर तुम्ही या गोष्टीवर पुन्हा निर्णय करा. ही महत्वाची गोष्ट आहे. आम्ही हे करू देणार नाही. आम्हाला जे समजते त्याप्रमाणे आम्ही पण थोडस आमदारा एवढा आमचा काही बिझनेस नाही तेवढी बुद्धी पण नाही पण आम्हाला जेवढे आमच्या बुद्धीने समजते त्या बुद्धीने आम्ही तुमच्याशी संवाद साधतो आहे. तुम्हाला जे पटतय ते तुम्ही स्पष्टपणे म्हणावे आम्हाला जमल तर ठिक आहे. ठराव तुमच्या बाजुनेच होणार आहे. ठराव करा हरकत नाही. ही ॲम्प्युनिटी ज्याची आपण डी.आर.सी देतोय ती बिल्डेबल ॲम्प्युनिटी नाही आणि बिल्डेबल ॲम्प्युनिटीजचा डी.एस.आर आपण देतो.

(सभागृहात गोंधळ)

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम, विषय आजचा जो आहे टी.डी.आर का दिले का घेतले.

**भगवती शर्मा :-**

साहेब टी.डी.आरचा नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

विषय आम्ही कामात फेरबदल करतोय त्याचा फक्त विषय आहे.

**भगवती शर्मा :-**

मेहता साहेब यह विषय के अंदर में आप जो दुसरे काम बताने जा रहे हैं, वो आप अभी क्यों बदल रहे हो। क्योंकि उसके अंदर टी.डी.आर दिया था। लेकिन वो टी.डी.आर गलत दिया था। उसके अंदर डी.एस.आर दिया था वो गलत दिया था।

**नरेंद्र मेहता :-**

महापौर मॅडम आमचा विषय आजचा आहे की कामात आम्हाला फेरबदल करायचा आहे. बाकी इतर विषय काही नाही. आता ते टी.डी.आर का दिले कसे दिले यांची जी काय भावना असेल ती व्यक्त केली आहे अजुन काय म्हणायचं म्हणू शकतात परंतु ज्या जागेवर रस्ता आता झाला आहे त्या जागेवर परत तर रस्ता करणार नाही. आमच्याकडे निधी उपलब्ध आहे. म्हणून आम्ही दुसरी कामे सुचवतोय. आम्ही काय टी.डी.आरचे कारण देत नाही की टी.डी.आर दिला म्हणून हा रस्ता बदला त्या ठिकाणी आता रस्ता करता येणार नाही. महापौर मॅडम विषय कामाचा फेरबदलचा आहे कारण काही असू द्या. रस्ता टी.डी.आर तो विषय वेगळा आहे हा विषय वेगळा आहे. कामात फेरबदल करतोय कामाबद्दल काय बोलायचे असेल तर बोलावे एक. दुसरा २०११ साली रवी ग्रुप यांना मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने त्यावेळी आम्ही काही सत्तेत नव्हतो. आपल्या महानगरपालिकेतर्फे रवि ग्रुप किंवा जी काही कंपनी असेल त्याला कार्यादेश दिला हे रस्ते तुम्ही विकसित करा. आणि त्या अनुषंगाने त्यांनी भागाचे काम केले त्यानंतर आपल्याकडे काही कारणाने आपण त्यांना दिले नाही दिले हे सगळे त्यावेळी आपण रोज कोर्टात अनेकदा कोर्टाने आपल्याला फटकार लावली की याचा निर्णय का घेत नाही ३ आठवड्यात, ३ महिन्यात, १ आठवड्यात निर्णय द्या आणि शेवटी कोर्टाच्यामध्ये आपण हे सगळे ॲफिडव्हिट केले की आम्ही विच एवर इज लेस आपल्याला जास्त घ्यायचे होते तरी आम्ही बोललो की आम्ही कमी देणार एवढ आम्ही देणार नाही त्या अटीशीवर आपण त्यांना हे डी.आर.सी काय नविन देत नाही. ऑलरेडी त्यांच्याकडे तुम्ही कार्यादेश २०११ लाच दिलेले आहे. आता सांगुन काय आणि कोर्टाचा तो निर्णय झाला आता कन्सेन्ट आहे म्हणून आणि त्याच्यात काही बदल होऊ शकत नाही. तुम्ही आणि मी ठरवल

तरी तरी यांना वाटत असेल की एखाद्या प्रक्रियेमध्ये चूक झाली आहे योग्य ठिकाणी त्यांनी न्याय मागावे कुठेही नाही. आता झालेले रस्ते काय उकरून काढणार का? किंवा या विषयात कामात फेरबदल जर आम्ही करतो ते करणार नाही का? मग आम्ही आमचा ठराव मांडतो आहे यावर अनेक चर्चा झाली विषय फेरबदलाचा आहे दुसरा विषय नाही त्यांना काही मांडायचे असेल मा. आयुक्तांच्या दालनात जावे माहिती घ्यावी. प्रकरण क्र. १४३ ठराव टाईप करणे.

**प्रशांत केलुसकर :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**भगवती शर्मा :-**

साहब इन्होंने ४ काम के बदले २५ काम पढे होंगे। यह है क्या? चला क्या है। गोषवारा कुछ है, यहाँ विषय कुछ और लाके ठराव हो रहा है। यह काम कौनकौनसे है? ४ काम के बदले में प्रस्तावित कमसे कम ५० काम किए है। यह है क्या समझ में नहीं आ रहा है। इसका तो जवाब दिजीए।

**मा. महापौर :-**

आपका ठराव है कोई।

**भगवती शर्मा :-**

ठराव है जवाब तो देने दिजीए ना। जैसे हमेशा कमिशनर साहब कहते है इन्होंने शासन के पास भी भेजा है उसका भी गोषवारा है मेरे पास मॅडम की प्रशासन के द्वारा जो गोषवारा दिया जाता है। इस सदन के अंदर में उस गोषवारा के अलग अलग विषय के उपर में अलग अलग ठराव किए जाते है। जिनको प्रशासन की मान्यता नहीं होती है। अगर प्रशासन की मान्यता नहीं होती है तो ऐसे विषय के अंदर में प्रशासन वो काम कर नहीं सकता।

**जुबेर इनामदार :-**

मिरा-भाईदर महानगरपालिका मा. महासभा दि.०१/०७/२०१५ ठराव क्र.१६ अन्वये अनुक्रमांक १ ते ५ रु. ८,०४,१५,८००/- इतक्या रक्कमेच्या विकास कामांना प्रशासकीय व आर्थिक मान्यता देण्यात आलेली आहे. सदर कामांची निवदा प्रक्रिया करुन मा. स्थायी समितीच्या मंजूरीने कामे करण्यात आलेली आहेत. दरम्यानच्या काळात सदरची कामे विकासहक्क प्रमाणपत्राच्या मोबदल्यात करण्यासाठी परवानगी दिल्याने प्रस्तावित कामे रद्द करावी लागणार आहेत. त्या रक्कमेची बचत होणार असून त्याऐवजी नविन कामे प्रस्तावित करुन तसा गोषवारा मा. महासभेसाठी प्रशासनाने प्रस्तावित केलेला आहे.

मिरा भाईदर महानगरपालिकेने विकासकांना विकासहक्क प्रमाणपत्र विकास नियंत्रण नियमावलीच्या कोणत्या नियमा अंतर्गत कामाचा मोबदला म्हणून जारी केले आहे. त्याची माहिती प्रशासनाने दिलेली नाही. तरी सदरचा गोषवारा फेटाळण्यात येत आहे, असा मी ठराव मांडत आहे.

**सुहास रकवी :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**मा. महापौर :-**

सचिव साहेब मतदानाला घ्या.

**भगवती शर्मा :-**

सचिव साहेब ७ बजे के बाद मतदान हो सकता है क्या यह इललिगल है।

(सभागृहात गोंधळ)

**मा. महापौर :-**

आजची सभा तहकूब करण्यांत येत आहे.

(सभा संपण्याची वेळ सायं. ७.०० वाजता)

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

  
नगरसचिव  
मिरा भाईदर महानगरपालिका